@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 20 अगस्त 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 280 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## मोहब्बत नहीं, झूठ की दुकान चला रहे राहुल गांधी : गौरव भाटिया

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को नई दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मोहब्बत नहीं, बल्कि झूठ की दुकान चला रहे हैं।

गौरव भाटिया ने कहा कि जैसा कि हम सभी ने पिछले कुछ दिनों में देखा है, एक तरफ संविधान की सच्चाई और भारत के लोगों की ताकत है और दूसरी तरफ राहुल गांधी की अराजकता का विनाशकारी मॉडल है। इसके तहत संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगाना, सबूत मांगने पर भाग जाना, मांगे जाने पर हलफनामा देने से इनकार करना, हर जगह झूठ फैलाना और हर कदम पर अराजकता पैदा करना है, इसलिए उन्हें राहुल कहा जाता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी महाराष्ट्र के बारे में बोल रहे हैं, और मैं आपको तारीखें नोट करा दूं। पहले, 3 फरवरी को, उन्होंने कहा कि केवल पांच महीनों में मतदाताओं की संख्या में लगभग 70 लाख की वृद्धि हुई है। फिर, 7 फरवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या में 39 लाख की वृद्धि हुई, और बाद में, 9 जुलाई को पटना में, क्योंकि बिहार में चुनाव होने वाले थे, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या में 1 करोड़ की वृद्धि हुई है। आखिर

वे क्या कहना चाहते हैं? बार-बार अपना बयान क्यों बदल देते हैं?

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मैं एक डेडलाइन पढ़ूंगा, 'सुप्रीम कोर्ट ने कथित फर्जी मतदान को लेकर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।' यह सोमवार का आदेश है। एक याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि महाराष्ट्र चुनाव में फर्जी मतदान हुआ और आरोप लगाया था कि 75 लाख फर्जी मतदाताओं ने समय सीमा के बाद वोट डाले थे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस याचिका में कोई दम नहीं है और इसे खारिज कर दिया। गौरव भाटिया ने आगे कहा, 'यह याचिका बहुत ही लापरवाही से दायर की गई थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि न्यायालय ने कहा कि जब ऐसी याचिकाएं दायर की जाती हैं, तो न्यायपालिका का बहुमूल्य समय बर्बाद होता है, और यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। वे मोहब्बत की दुकान नहीं, झूठ की दुकान चला रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो चुनाव आयोग पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन वे खुद ही जमानत पर बाहर हैं। मुझे लगता है कि जनता उन्हें सीरियसली नहीं लेगी और कुछ दिनों में वे नेता प्रतिपक्ष भी नहीं रहेंगे।

## कैबिनेट ने राजस्थान के कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट विकसित करने को मंजूरी दी

**1,507 करोड़ रुपए होंगे खर्च**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने मंगलवार को 1,507 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से कोटा-बूंदी (राजस्थान) में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट विकसित करने के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। राजस्थान सरकार ने ए-321 श्रेणी के विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने के उद्देश्य से एएआई को 440.06 हेक्टेयर भूमि ट्रांसफर

की है। सरकार के द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इस परियोजना में 20,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा, जो व्यस्त समय के दौरान 1,000 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा और जिसकी कुल क्षमता बीस लाख यात्री प्रति वर्ष होगी। इसमें 3200 मीटर × 45 मीटर आकार का रनवे (हवाई पट्टी), ए-321 प्रकार के विमानों के लिए 07 पार्किंग बे (विमान पार्किंग क्षेत्र) के साथ एक एप्रन (विमान में ईंधन भरने और उनके रखरखाव का स्थान), दो लिंक टैक्सीवे, एटीसी-कम-टेक्निकल ब्लॉक, फायर स्टेशन, कार पार्किंग और संबंधित कार्य शामिल हैं। चंबल नदी के तट पर स्थित कोटा, राजस्थान की औद्योगिक राजधानी मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, कोटा भारत के शैक्षिक कोचिंग केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। सरकार के मुताबिक, शैक्षिक और औद्योगिक क्षेत्रों की प्रमुखता के कारण कोटा में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में अनुमानित यातायात वृद्धि का समाधान करना है। कोटा में अभी एएआई के स्वामित्व वाला एयरपोर्ट मौजूद है, जहां 1220 मीटर × 38 मीटर आकार का एक रनवे है, जो कोड 'बी' विमानों (जैसे डीओ-228) के लिए उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त मौजूदा एप्रन केवल दो विमानों के लिए उपयुक्त है। वर्तमान टर्मिनल भवन 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है, जिसकी व्यस्त समय में 50 यात्रियों को संभालने की क्षमता है। सरकार ने बताया कि मौजूदा एयरपोर्ट को अपर्याप्त भूमि उपलब्धता और एयरपोर्ट के आसपास बढ़ते शहरीकरण के कारण वाणिज्यिक संचालन के लिए विकसित नहीं किया जा सकता है।

## चंपई सोरेन ने पीएम मोदी की 'डेमोग्राफी चिंता' का समर्थन किया, कहा- जागरूकता जरूरी

**एजेंसी**
**रांची ।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता चंपई सोरेन ने मंगलवार को भारत में डेमोग्राफी बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिंता को सही बताया और इसे रोकने की बात की।

चंपई सोरेन ने आईएएनएस से कहा, ÷डेमोग्राफी चेंज को लेकर 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लाल किले की प्राचीर से इस पर अपनी चिंता जाहिर की। पीएम मोदी ने बताया कि आदिवासी को बहला फुसला कर उसका सामाजिक व्यवस्था के ढांचे को खत्म किया जा रहा है, जमीन भी हड़पा जा रहा है, जिसके कारण आदिवासियों की मूल जनसंख्या घटती जा रही है और डेमोग्राफी बदलते जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'इसे रोकना जरूरी है, जिसके लिए आदिवासियों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। बिना आदिवासियों को जगाए, बिना जनआंदोलन किए, इस मुद्दे को कोई नहीं समझेगा। हमारे कई सारे पूर्वजों

ने लड़ाई लड़ी है, लेकिन आदिवासियों को अब तक कुछ नहीं मिला। आदिवासियों को उनकी जमीन से विस्थापित किया जा रहा है। दरअसल, 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सीमावर्ती इलाकों में बदलती डेमोग्राफी पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने इसे रोकने के लिए एक्शन मोड में काम शुरू करने का संकेत भी दिया था।

पीएम मोदी ने सीमावर्ती इलाकों में बदलती डेमोग्राफी से निपटने का संकल्प लेते हुए लाल किले की प्राचीर से कहा था कि हम देश को घुसपैठियों के हवाले नहीं कर सकते हैं। भारत इस खतरे से निपटने के लिए 'हाई पावर डेमोग्राफी मिशन' शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा था कि जब सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी बदलती है तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संकट पैदा होता है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकट पैदा होता है। इन हरकतों को देश सहन नहीं करेगा। इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई भी अपना देश घुसपैठियों के हवाले नहीं कर सकता है। यह दुनिया का कोई भी देश नहीं कर सकता है। हम भी भारत को कैसे कर सकते हैं?

### दिल्ली कैबिनेट का बड़ा फैसला

## नर्सिंग इंटर्न को अब हर महीने मिलेंगे 13,150 रुपए

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** दिल्ली सरकार ने नर्सिंग इंटर्न्स के लिए एक राहत देने वाला फैसला लिया है। दिल्ली कैबिनेट ने नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाइपेंड को 500 रुपए से बढ़ाकर 13,150 रुपए प्रति महीना कर दिया है। इस फैसले से दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे 180 नर्सिंग इंटर्न्स को सीधा फायदा मिलेगा। पहले इन इंटर्न्स को सिर्फ 500 रुपए महीना मिलता था, जो काफी कम था। साल 2022 में ही केंद्र सरकार ने नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाइपेंड को बढ़ाने का फैसला लिया था। लेकिन, दिल्ली में यह फैसला अब तक लागू नहीं किया गया था। नर्सिंग इंटर्न्स लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे। अब जाकर दिल्ली सरकार ने इसे मंजूरी दी है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में इंटर्न के रूप में सेवाएं दे रहीं नर्सिंग छात्रों को बहुत कम स्टाइपेंड मिल रहा था, लेकिन अब 13,150 रुपए महीना मिलने से उन्हें काफी मदद मिलेगी। दिल्ली में फिलहाल 180 नर्सिंग इंटर्न काम कर रहे हैं। इन सभी को अब बढ़ा हुआ स्टाइपेंड मिलेगा। इससे उनका मनोबल भी बढ़ेगा और पढ़ाई के साथ-साथ जीवनयापन में भी वरिष्ठ नर्सों की मदद करते हैं। मरीजों की देखभाल से लेकर दवाइयां देने और जरूरी मेडिकल कार्यों में भी उनकी भूमिका अहम होती है। बता दें

आसानी होगी। दिल्ली सरकार के इस फैसले को स्वास्थ्य और नर्सिंग क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। लंबे समय से इंटर्न नर्सिंग स्टाफ कम स्टाइपेंड की वजह से परेशान थे। इस बढ़ोतरी से उन्हें अब सम्मानजनक आर्थिक मदद मिल सकेगी। गौरतलब है कि नर्सिंग इंटर्न्स अस्पतालों में डॉक्टरों और कि 15 अगस्त को लाल किले से पीएम मोदी ने कहा था कि प्राइवेट सेक्टर में पहली बार जॉब पाने वाले युवाओं को केंद्र सरकार की तरफ से 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के तहत 15,000 रुपए दिए जाएंगे।इस योजना के जरिए देश के करीब 3.5 करोड़ युवाओं को फायदा होगा।

## भारत की कूटनीति विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप होनी चाहिए: राष्ट्रपति

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि भारत के कूटनीतिक प्रयास देश की घरेलू आवश्यकताओं और 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े होने चाहिए। उन्होंने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वयं को न केवल भारत के हितों के संरक्षक, बल्कि उसकी आत्मा के राजदूत के रूप में भी देखें। वह राष्ट्रपति भवन में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों को भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने के लिए बधाई दी और कहा कि वे अपनी यात्रा शुरू करते हुए जहां भी जाएं, भारत के सभ्यतागत ज्ञान के मूल्यों- शांति, बहुलवाद, अहिंसा और संवाद को अपने आचरण में दर्शाएं। साथ ही उन्हें हर संस्कृति के विचारों, लोगों और दृष्टिकोणों के प्रति खुले रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। भू-राजनीतिक परिस्थितियां, डिजिटल क्रांति, जलवायु परिवर्तन और बहुपक्षवाद की चुनौतियां सामने हैं। ऐसे समय में युवा अधिकारियों की चपलता और अनुकूलन क्षमता, भारत की सफलता की कुंजी होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की प्रमुख चुनौतियों के समाधान का एक अनिवार्य हिस्सा है चाहे वह वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच असमानता से उत्पन्न मुद्दे हों, सीमापार आतंकवाद का खतरा हो, या जलवायु परिवर्तन के प्रभाव हों। भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि एक निरंतर उभरती हुई आर्थिक शक्ति भी है। हमारी आवाज़ का महत्व है। राजनयिकों के रूप में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी भारत का पहला चेहरा होंगे जिसे दुनिया उनके शब्दों, कार्यों और मूल्यों में देखेगी। राष्ट्रपति ने आज के समय में सांस्कृतिक कूटनीति के बढ़ते महत्व पर भी बल दिया।

**● योग, आयुर्वेद, मिलेट्स (मोटे अनाज) के साथ-साथ भारत की संगीत, कला, भाषा और आध्यात्मिक परंपराओं को दुनिया के सामने और अधिक रचनात्मक तथा प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।**

## महाराष्ट्र जैसे बिहार में भी बहुजनों की वोट चुराने की हो रही साजिश : राहुल गांधी

**एजेंसी**
**नवादा।** अपनी वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन नवादा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी बहुजनों की वोट चुराने की साजिश चल रही है । जिसके विरुद्ध सजगता से काम कर वोट चोरों को दिए गए। उन्होंने कहा कि गरीब तबके के लोगों को वोटर लिस्ट के नाम हटाने का सबसे बड़ा साजिश के रूप में एसआईआर को बड़ा हथियार बनाया जा रहा है। जिसके विरुद्ध मैं वोटर अधिकार यात्रा कर रहा हूं । उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर अगर आप सजग नहीं होंगे, तो आपको वोट से बेदखल

सबक सिखाये। वे मंगलवार को नवादा के भगत सिंह चौराहे पर खचाखच भरी भीड़ से जन संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से गरीबों को जगाने का मैं काम कर रहा हूं। आपकी एक वोट की रक्षा के लिए मैं हर कुर्बानी दूंगा ।केंद्र सरकार चुनाव आयोग से मिलकर एसआईआर के नाम पर वोट चुराने का नया हथियार तैयार किया है । जिसका इस्तेमाल बिहार में किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि लाखों ऐसे लोग हैं, जिसे बगैर पूछे हस्ताक्षर बनाये उनके फॉर्म सबमिट कर कर दिया जाएगा । उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी बड़े पैमाने पर वोटो की चोरी की गई है । जिसे मैं सारा फार्मूला का पर्दाफाश किया हूं। उन्होंने कहा कि मेरे एक सवाल का भी जवाब चुनाव आयोग ने नहीं दिया । उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता के रूप में चुनाव आयोग काम कर रही है। लेकिन भारत जैसे सजग प्रजातंत्र में ऐसा चलने वाला नहीं है। मौके पर बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हर कीमत पर वोट चोरी को रोकना है।

## राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का उद्देश्य 10 वर्षों में 16 प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करना : अमित शाह

**● शाह ने बताया कि सहकार से समृद्धि के सिद्धांत पर आधारित एक नई पहल के तहत सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड नामक एक मल्टी-स्टेट टैक्सी सहकारी संस्था पंजीकृत की गई है।**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का उद्देश्य अगले दस वर्षों में 16 प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करना है, जिन्हें छह रणनीतिक स्तंभों के अंतर्गत विभाजित किया गया है। यह जानकारी केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। शाह ने कहा कि देश के सहकारी क्षेत्र को नया दृष्टिकोण और गतिशीलता प्रदान करने के लिए इस साल 24 जुलाई को नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 लॉन्च की गई है। यह नीति सहकारी क्षेत्र के समग्र, संतुलित और व्यवस्थित विकास के लिए एक व्यापक खाका केवल सहकारी संस्थाओं की सुदृढ़ता सुनिश्चित करना है, बल्कि उन्हें तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक

प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है। यह नीति अगले 10 वर्षों में 16 प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जिन्हें छह प्रमुख रणनीतिक स्तंभों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य न रूप से सक्षम बनाना भी है।

**छह रणनीतिक मिशन स्तंभ-**

नींव को सशक्त बनाना – सहकारी संस्थाओं के लिए अनुकूल कानूनी व नियामकीय ढांचा बनाना, पारदर्शिता, स्वायत्तता और व्यवसाय करने में सुगमता सुनिश्चित करना। वाइब्रेंसी को बढ़ावा देना – सहकारी व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का विकास, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच और सदस्यों की आय में वृद्धि। भविष्य के लिए तैयार करना – तकनीकी अपनापन बढ़ाना और सहकारिता आधारित आर्थिक संस्थाओं को व्यावसायिक रूप से संचालित करना।

समावेशिता को बढ़ावा देना – युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर सहकारिता को जन-आंदोलन बनाना।

नवीन क्षेत्रों में प्रवेश – पर्यावरणीय स्थिरता और परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हुए नए क्षेत्रों में सहकारिता की भागीदारी सुनिश्चित करना।

युवाओं को सशक्त बनाना – सहकारी क्षेत्र में करियर को बढ़ावा देने के लिए स्किलिंग, कोर्सेस और रोजगार पोर्टल्स का निर्माण।

## सहकारिता मंत्री ने आरसीएस कार्यालय में की जनसुनवाई

**कौमी पत्रिका**
नई दिल्ली, 19 अगस्त। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को आरसीएस (रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसायटीज, दिल्ली) कार्यालय में जनसुनवाई की। कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर पहली बार कार्यालय परिसर में कम्प्लेन बॉक्स, बायोमीट्रिक सिस्टम और सीसीटीवी लगाए गए हैं। इनका शुभारम्भ करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इससे शिकायतों के त्वरित समाधान में मदद मिलेगी साथ ही सुझावों के माध्यम से विभाग की कार्यशैली और बेहतर बनेगी। इस पहल का स्वागत करते हुए जनसुनवाई में आवेदकों और शिकायतकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त किया। रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि वर्ष 2025 अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष है इसे जनहित में लगातार नई पहल शुरू कर महत्वपूर्ण बनाया जाए, आदरणीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प 'सहकारिता से समृद्धि' की दिशा में विभाग के लक्ष्य तैयार हों। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के निर्देश हैं कि विभागीय योजनाओं को तैयार करते समय 'सहकारिता से आत्मनिर्भरता' की मूल भावना को केंद्र में रखें। सहकारिता मंत्री ने

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग का उद्देश्य आमजन को पारदर्शी, जिम्मेदार और त्वरित सेवाएँ उपलब्ध कराना है। जनसुनवाई के दौरान सहकारिता मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहरी कोऑपरेटिव बैंक, ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज और थ्रीफ्ट एंड क्रेडिट सोसायटीज से जुड़े आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय–सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी भी पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाए।

## वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे आया पुलिसकर्मी

मेरठ (एजेंसी)। नवादा (ईएमएस)। बिहार के नवादा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी की गाड़ी के नीचे सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी आया। वहां मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों ने खींचकर पुलिसकर्मी को बाहर निकाला। राहुल गांधी ने भी उनका हालचाल पूछा।

वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी गया से नवादा पहुंचे। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच समझौता है। ये मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपसे वोट छीन रहे हैं। वहीं राजद नेता तेजस्वी ने कहा, आप लोग आने वाले आम चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनाइए और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री। फिलहाल, राहुल गांधी की यात्रा नवादा के आईटीआई कॉलेज कैंपस में रुकी है। यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने हिसुआ पुलिस थाने से राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। राहुल ने गाड़ी रुकवाकर उन्हें थम्स-अप किया, फिर फ्लाइंग किस देकर मुस्कुराते हुए आगे निकल गए। गया के रसलपुर में कुछ महिलाएं पूजा की थाली, लोटे में जल और नारियल लेकर राहुल गांधी का स्वागत करने पहुंचीं।

## फ्लाइट में यात्री ने सुलगाई सिगरेट, अलार्म बजते ही मच गया हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ-मुम्बई फ्लाइट का एक यात्री माचिस-सिगरेट समेत विमान में पहुंच गया और टॉयलेट में सिगरेट सुलगा ली। तुरंत फायर अलार्म बज उठे। इससे हड़कंप मच गया। घटना 16 अगस्त की है। बता दें कि स्वाधीनता दिवस के चलते सुरक्षा सख्त थी। फिर ज्वलनशील पदार्थ तो दूर की बात, सिक्योरिटी चेक में 100 मिली से ज्यादा पानी या तरल पदार्थ भी ढूंढ़कर निकलवा दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि हाई सिक्योरिटी अलर्ट में तो तीन स्तरों पर जांच हो रही है। विमान में प्रवेश से पहले सेकंड लैडर प्वाइंट जांच भी की जा रही है। फिर भी माचिस कैसे पकड़ में नहीं आई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2492 उड़ान भरने को तैयार थी। यह दिन में 2:05 बजे उड़ान भरने के बाद मुम्बई एयरपोर्ट पर शाम 4:37 बजे लैंड करती है। एक सहयात्री ने बताया कि एक यात्री कुलदीप सिंह अपनी पत्नी अंशु और पुत्र ध्रुव के साथ यात्रा कर रहा था। बोर्डिंग खत्म होते ही वह सीट से उठकर चला गया। थोड़ी ही देर में फायर अलार्म बजने लगा। केबन क्रू टॉयलेट की ओर दौड़ पड़े। यात्री घबरा गए कि कहीं आग तो नहीं लग गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार कुलदीप किसी तरह माचिस का मसाला वाला हिस्सा और तिल्ली भीतर तक ले जाने में सफल रहा था। उसे सिगरेट की तलब लगी तो प्लेन के टॉयलेट में पहुंच कर सुलगा ली। उसे अंदाजा नहीं था कि जरा से धुएं पर फायर अलार्म बज जाएंगे। आनन-फानन में क्रू सदस्यों ने टॉयलेट का दरवाजा खटखटा कर यात्री को बाहर बुलाया। इसके बाद पायलट को इसकी सूचना दी। प्लेन के क्रू ने कैप्टन के निर्देश पर कुलदीप को विमान से उतार दिया। उसके साथ यात्रा कर रहा परिवार ऐसे में खुद ही कुलदीप के साथ उतर गया। यात्री के साथ चेकइन बैगेज भी था। उसे भी उतार दिया गया।

## निशिकांत दुबे का गंभीर आरोप- कांग्रेस ने इसरो मिशन को कमजोर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की। इसी बीच लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में रहते हुए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के दबाव में भारत के अंतरिक्ष मिशन (इसरो) को कमजोर किया। भाजपा सांसद दुबे ने कहा, कि कांग्रेस ने केरल के प्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक नंबी नारायणन को 1994 में सीबीआई के जरिए गलत तरीके से गिरफ्तार कराया। इस साजिश से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अब भी नहीं चाहती कि इस विषय पर सदन में चर्चा हो। इससे पहले स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए। लेकिन विपक्ष की नारेबाजी और हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। अंततः लोकसभा और राज्यसभा—दोनों सदनों की कार्यवाही 20 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

## निमिषा प्रिया के नाम पर फॉड...फर्जी बैंक खाते में पैसा डोनेट करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में भारतीय निमिषा प्रिया को मौत की सजा से बचाने के लिए लगातार कोशिश जारी हैं। बीते दिनों केरल के उलेमा ने भी मामले में दखल दिया था और यमन में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर मध्यस्थता कराने का प्रयास किया था। इसके बाद भी मृतक तलाल आबदो मेहदी के परिजन निमिषा प्रिया की माफी के लिए राजी नहीं हैं।

तलाल के भाई ने लंबी पोस्ट लिखकर यमन सरकार से मांग की है कि निमिषा प्रिया को जल्दी ही मौत की सजा दी जाए। इस बीच सोशल मीडिया पर नए दावे के साथ निमिषा प्रिया के नाम पर फॉड जारी है। यही नहीं दावा ईसाई धर्म के प्रचारक कहलाने वाले डॉ. एके पॉल नाम के ट्विटर अकाउंट से हो रहा है। इसमें सेव निमिषा प्रिया के नाम से पोस्टर डिजाइन कर दावा किया गया है कि विदेश मंत्रालय के खाते में आप रकम जमा करा सकते हैं ताकि निमिषा को बचाया जा सके। ट्वीट में कहा गया है, 'निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सीधे भारत सरकार के बैंक खाते में डोनेट करें। हमें 8.3 करोड़ रुपये की जरूरत है।' इतना ही नहीं फर्जी दावे में अकाउंट नंबर भी दिया गया है, जो भारतीय स्टेट बैंक का है। इस बैंक खाते को भारतीय विदेश मंत्रालय का अकाउंट बताया गया है। अब इस मामले पर विदेश मंत्रालय ने सच्चाई बताकर जनता से अपील की है कि यह फर्जी है और इसतरह से किसी भी झांसे में न आएं।

# प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते... सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हमलावार दिख रहे है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। एसआईआर क्यों किया जा रहा है, इसका जवाब दें।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, इन 10-11 सालों में ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिसमें उन्होंने (भाजपा) नेहरू की गलती बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया। जबकि उन्हें अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। आज जो हो रहा है उस पर बात करें, एसआईआर क्यों किया जा रहा है इसका जवाब दें, वोट चोरी के मुद्दे पर बात करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी का बचाव कर कहा कि वे किसी हमले से नहीं डरते....बिल्कुल पीछे नहीं हटने वाले है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शपथ पत्र के मामले पर कहा, सबसे बड़ी शपथ हम लोकसभा में लेते हैं। ये जो हलफनामा मांग रहे हैं, ये सब बेकार की बात है। जैसे ही हलफनामा आएगा, वे कहना शुरु कर देंने वाले हैं कि ये 45 दिन बाद दिया था, इसलिए रदद कर रहे है। ये सब बकवास है, सच्चाई सबके सामने है, सच्चाई का जवाब दें। ये सब क्यों हुआ? 100-100 लोग जीरो पते पर क्यों हैं, इतने लोग एक पते पर कैसे हैं? पहले राहुल गांधी जो सवाल उठा रहे हैं, उसका जवाब दें।

इसके पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम वोट चोरी के खिलाफ हैं और जनता को संदेश दे रहे हैं कि आपके साथ अन्याय हो रहा है। हम चाहते हैं कि जनता को पता चले कि अगर कोई वोट चोरी करके सरकार में आता है, तब यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ये संविधान की हत्या है। चुनाव आयोग हमें डरा-धमका रहे है कि 7 दिन में जवाब दें। ये उनका हथियार है। हमारे पास भी हथियार हैं, जिन्हें हम समय आने पर इस्तेमाल करने वाले है।

## हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य कर रहे दूसरी शादी, 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगा रिसेप्शन

**शिमला (एजेंसी)।** हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह फिर से शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी 22 सितंबर को चंडीगढ़ में होगी। हिमाचल के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह की शादी पंजाब की अमरीन कौर से तय हुई है। अमरीन पंजाब यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में शादी की रिसेप्शन होगा। इस शादी के कार्ड भी बंट चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरीन कौर चंडीगढ़ निवासी सरदारनी ओपिंदर कौर एवं सरदार जोतिंदर सिंह सेखों की सुपुत्री हैं। विवाह समारोह चंडीगढ़ स्थित निवास में होगा। सुबह 10 बजे शादी के कार्यक्रम शुरू होंगे, जिसके बाद दोपहर 1 बजे लंच होगा। विक्रमादित्य सिंह का उनकी पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। दिवंगत पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के सुपुत्र विक्रमादित्य सिंह की यह दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी 8 मार्च 2019 को राजस्थान के मेवात वंश की राजकुमारी सुदर्शना सिंह के साथ हुई थी। यह विवाह उदयपुर के कानोता गांव स्थित कनोतागढ़ पैलेस में हुआ था। हालांकि, वैवाहिक संबंधों में खटास आने के बाद मामला जयपुर फैमिली कोर्ट में विचाराधीन रहा। बाद में दोनों का तलाक हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस शाही शादी समारोह में देश-प्रदेश के कई दिग्गज नेता और विशिष्ट व्यक्ति शामिल होंगे। विक्रमादित्य सिंह वर्तमान में हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री हैं। विक्रमादित्य सिंह साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें कांग्रेस ने मंडी सीट पर कंगना रनौत के खिलाफ टिकट दिया था। हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

## पीएम मोदी ने की विपक्षी दलों से अपील, उम्मीदवार के लिए राधाकृष्णन का करें समर्थन

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों से अपील की है कि वे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का समर्थन करें ताकि नए राज्यसभा सभापति का चुनाव महासमिति के जरिए से हो सके। पीएम मोदी ने कहा कि राजनाथ सिंह इस संबंध में सभी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में मंगलवार को उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से राधाकृष्णन का औपचारिक परिचय भी करवाया।

पीएम मोदी ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए एक उत्कृष्ट पसंद हैं। उन्होंने बिना किसी विवाद के जीवन जिया है और बहुत ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति हैं। संसद में एनडीए सांसदों की बैठक बुलाई गई थी। वहां राधाकृष्णन के बारे में उन्होंने सांसदों से कहा कि सीपी राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आने वाले जमीनी नेता हैं, बेहद सहज स्वभाव के हैं और राजनीति को खेल की तरह नहीं लेते।

पीएम मोदी ने सिंधु जल समझौता के बहाने देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू पर हमला बोला और कहा कि पहले देश का बंटवारा किया फिर पानी का भी बंटवारा कर दिया और समझौते के तहत पाकिस्तान को 80 फीसदी पानी दे दिया। पीएम ने कहा कि वह फैसला किसान विरोधी था। इस बैठक में पीएम मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री समेत एनडीए के शीर्ष नेता मौजूद थे। राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन बुधवार को दाखिल कर सकते हैं। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए को लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में पूर्ण बहुमत मिला है, ऐसे में राधाकृष्णन की जीत तय मानी जा रही है। इस बीच, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से संकेत मिल रहे हैं कि वह अपना उम्मीदवार उतारेगा और चुनाव लड़ेगा। बीजेपी नेता राधाकृष्णन (67) तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं और महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

# भारत और चीन के रिश्तों से दूर होगी खटास, परस्पर सहयोग को तैयार: जयशंकर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-चीन संबंधों में किसी भी सकारात्मक प्रगति का आधार सीमा पर शांति और स्थिरता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और विश्वास बहाल करने की प्रक्रिया आगे बढ़नी बेहद जरूरी है। जयशंकर ने यह बात नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ एक बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि वांग यी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जो बेहद अहम है।

जयशंकर ने माना कि भारत-चीन संबंधों ने हाल के वर्षों में कठिन दौर देखा है, लेकिन अब आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। उन्होंने कहा कि रिश्तों को तीन म्यूचुअल्सयानी परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हितों से मार्गदर्शित होना चाहिए। मतभेद विवाद में और प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मौजूदा अध्यक्षता के दौरान चीन के साथ निकट सहयोग किया है। साथ ही, उन्होंने वांग यी को 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन मजबूत नतीजे देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत की उम्मीद है कि इस बैठक से दोनों देशों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और भविष्य की ओर देखने वाले संबंध बनेंगे, जो दोनों देशों के हितों की पूर्ति करेंगे और चिंताओं का समाधान भी करेंगे। इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि जब दुनिया के दो बड़े देश मिलते हैं तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन एक न्यायसंगत, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें बहुध्रुवीय एशिया भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता बनाए रखना जरूरी है और आतंकवाद से हर रूप में लड़ना भी प्राथमिकता है। बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और वैश्विक हालात पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के बीच

आर्थिक और व्यापारिक मुद्दे, तीर्थ यात्राएं, जन-से-जन संपर्क, नदी डेटा साझा करना, सीमा व्यापार, कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय आदान-प्रदान जैसे विषय चर्चा में शामिल रहे।

# प्रवासी मजदूरों के लिए ममता बनर्जी की श्रमश्री योजना

**– हर महीने मिलेंगे 5 हजार रुपए**

**कोलकाता (एजेंसी)** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रवासी मजदूरों के लिए श्रमश्री योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, जो मजदूर दूसरे राज्यों से वापस बंगाल लौटना चाहते हैं, उन्हें 12 महीने तक या रोजगार मिलने तक 5,000 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि इस योजना को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है और इसका उद्देश्य प्रवासी मजदूरों का पुनर्वास करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली मजदूरों पर योजनाबद्ध तरीके से हमले हो रहे हैं और उन्हें वहां से जबरन भगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 22 लाख प्रवासी मजदूर और उनके परिवार ऐसे उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं, विशेष रूप से उन राज्यों में जहां 'डबल इंजन' की सरकारें हैं। इस राजनीतिक टकराव के बीच, ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को कोलकाता दौरे में शामिल न होने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी कोलकाता में तीन मेट्रो प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने वाले हैं, जिसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ममता को आमंत्रित किया था। हालांकि, ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि वे बीजेपी नेताओं के साथ मंच साझा नहीं करेंगी। इस घोषणा और बयानबाज़ी को चुनावी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे तृणमूल कांग्रेस राज्य में मजदूर वर्ग को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

## महाराष्ट्र में बारिश के कहर पर बोले सीएम फडणवीस- नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर

**–7 की मौत, मुंबई में कमर तक भरा पानी, बचाव व राहत कार्य जारी**

**मुंबई (एजेंसी)।** बीते 5 दिनों से महाराष्ट्र में हो रही भारी बारिश की वजह से देश की आर्थिक नगरी मुंबई बेहाल हो गई है। सीएम फडवीस ने कहा कि कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। इसकी वजह से कई इलाकों में कमर भर पानी जमा हो चुका है। इससे न केवल यातायात बाधित हुई है बल्कि आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। स्कूल कॉलेजों में जहां छुट्टी कर दी गई है, वहीं विमानों की उड़ानों पर भी बुरा असर पड़ा है।

मौसम विभाग ने आज भी रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण सात लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश से नांदेड़ जिले में 200 से अधिक ग्रामीण फंसे हुए हैं जिसके कारण अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात करना पड़ा है। राज्य सचिवालय में एक बैठक में बारिश की स्थिति की समीक्षा के बाद फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है। कोंकण में कुछ नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है और जलगांव में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, अलमाटी बांध पर कर्नाटक सरकार के साथ लगातार समन्वय जारी है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने मंत्रालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में राज्य भर में वर्षा की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, रत्नागिरी, रायगढ़ और हिंगोली में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 17-21 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी दी है और पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर मंडल में 800 गांव भारी बारिश से प्रभावित हैं। विदर्भ में लगभग दो लाख हेक्टेयर से ज़्यादा फसल बर्बाद होने की खबर है। फडणवीस ने कहा, मुंबई में आठ घंटों में 170 मिलीमीटर बारिश हुई। यहां 14 जगहों पर जलभराव हुआ, लेकिन केवल दो जगहों पर यातायात बाधित हुआ। रेलवे और मेट्रो सेवाओं का परिचालन सुचारू हैं। अगले 10-12 घंटे बेहद अहम हैं। स्थानीय निकायों को अवकाश घोषित करने का अधिकार दिया गया है। सीएम फडणवीस ने इससे पहले संवाददाताओं को बताया था कि मुंबई से करीब 600 किलोमीटर दूर नांदेड़ जिले के मुखेड़ तालुका से पांच लोग लापता बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि तालुका में स्थित महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजना लेंडी बांध के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि लातूर, उदगीर और पड़ोसी कर्नाटक से बड़ी मात्रा में पानी इस क्षेत्र में छोड़ा जा रहा है।

## मुंबई और केरल के वकील आ रहे हैं, संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे : मुख्यमंत्री सरमा

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में राज्य में संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति और बाहर से आ रहे लोगों के बारे में कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कुछ अजीबो-गरीब लोग, जिसमें मुंबई और केरल के वकील शामिल हैं, असम आ रहे हैं। सीएम सरमा ने इन लोगों को कट्टरपंथी बताकर आरोप लगाया कि वे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं। सरमा के अनुसार, ये वहीं लोग हैं जो एनआरसी (एनआरसी) अपडेट के समय भी आए थे और उन्होंने पूरी प्रक्रिया को खराब कर दिया था।

उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने एक जैसे नामों का फायदा उठाकर इसतरह के लोगों के नाम झूठे तरीके से दर्ज करवाए जो सूची में शामिल होने के योग्य नहीं थे। मुख्यमंत्री सरमा ने हर्ष मंदर जैसे लोगों पर भी निशाना साधकर आरोप लगाया कि झूठे रिश्तेदारों को बनाने का काम उनके दिमाग की उपज है। सरमा ने कहा कि पिछले पांच सालों में उन्हें कई ऐसी गड़बड़ियां मिली हैं और अब वे इन मामलों को सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश करुंगा।

उन्होंने साफ किया कि अगर ये लोग सीमा पार करते हैं, तब उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा, क्योंकि असम सरकार किसी भी तरह की कट्टरपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगी, चाहे वे कहीं से भी आए हों।

इस दौरान, मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक नवजात शिशु की मौत की घटना पर भी बात की। नियोनेटल आईसीयू में एक चार दिन के बच्चे की मौत हो गई थी, जिसके बाद परिवार ने अस्पताल के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने कहा कि यह एक लापरवाही का मामला है। उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# भविष्य की ऊर्जा ग्रीन हाइड्रोजन पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी में जुटा भारत

**–गोरखपुर देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दुनिया वर्तमान में कई तरह की 'गर्मी' झेल रही है। जहां अमेरिका-रूस-यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव, चीन-अमेरिका की प्रतिस्पर्धा और सबसे खतरनाक ग्लोबल वॉर्मिंग का असर चिंता का कारण बना हुआ है। धरती को सबसे ज्यादा गर्म करने वाले देशों में चीन (30प्रतिशत), अमेरिका (15प्रतिशत), भारत (7प्रतिशत), रूस (5 प्रतिशत) और जापान (4 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके बाद ग्रीन हाइड्रोजन पूरी दुनिया के लिए 'उम्मीद की किरण' बनकर उभर रही है और भारत इस क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी कर चुका है।

इसके लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। साथ ही देश में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन भी शुरु हो चुका है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर जिले के खानिमपुर गांव में राज्य का पहला और देश का दूसरा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट शुरू किया। इस प्लांट को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मील का पत्थर बताकर सीएम योगी ने कहा कि अगर मानवता और सभ्यता को बचाना है, तब कार्बन उत्सर्जन को जल्द से जल्द घटाना होगा। हरित हाइड्रोजन ही भविष्य की ऊर्जा है।'

ग्रीन हाइड्रोजन अक्षय ऊर्जा (सौर और पवन) से पानी का इलेक्ट्रोलिसिस करके तैयार की जाती है। इसमें कार्बन फुटप्रिंट शून्य होता है और केवल हाइड्रोजन व ऑक्सीजन उत्पन्न होते हैं। यही वजह है कि इसे 'क्लीन फ्यूल ऑफ फ्यूचर' कहा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के मुताबिक 2050 तक ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में 12 प्रतिशत योगदान होगा। अभी कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा ग्रीन हाइड्रोजन है। इस 0.3 गीगावॉट से बढ़ाकर 5,000 गीगावॉट करना लक्ष्य है।

**भारत का ग्रीन हाइड्रोजन मिशन**

भारत ने 2030 तक हर साल 10 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। अभी देश में उर्वरक, रिफाइनिंग और अमोनिया उत्पादन में करीब 60 लाख टन हाइड्रोजन की खपत होती है, जो 2050 तक 2.8 करोड़ टन तक जा सकती है। 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कोयला और गैस जैसे पारंपरिक ईंधनों के बराबर होने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश के पुडीमडका में दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में से एक विकसित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना की नींव रखी थी। यह प्रोजेक्ट भारत को 2030 तक 500 गीगावॉट उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करेगा। ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर भारत की आक्रामक पहल बताती है कि आने वाले दशक में भारत न सिर्फ कार्बन न्यूट्रल भविष्य की ओर बढ़ेगा, बल्कि दुनिया का ऊर्जा नेतृत्व भी अपने हाथ में ले सकता है।

## हरदोई के ध्यानार्थ मांझे से गर्दन कटने से घायल युवक ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के बदरपुर इलाके में शनिवार को मांझे से गर्दन कटने से घायल हुए युवक ने रविवार इलाज के दौरान एम्स ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। युवक की पहचान यूपी के हरदोई स्थित गांव अखिलेलपुर निवासी रजनीश के रूप में हुई है। बदरपुर थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फ्लाईओवर पर मांझा कहां से आया, इसका पता लगाने का पुलिस प्रयास कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि पतंग में किसी ऐसे मांझे का इस्तेमाल न करें, जिससे किसी को नुकसान पहुंचे। पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम करीब 4:40 बजे पीसीआर कॉल मिली कि तुगलकाबाद मेट्रो स्टेशन के नजदीक फ्लाईओवर पर खून से लथपथ युवक प?ा है। जो सरिता विहार से फरीदाबाद की ओर जा रहा था। आनन-फानन में युवक को एम्स ट्रामा सेंटर भेजा गया। मांझे से गर्दन कटने के कारण उसके शरीर से काफी हद तक खून बह चुका था। उपचार के दौरान रविवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस रजनीश के परिवार से बातचीत कर रही मामले की जांच कर रही है।

## शिक्षा मंत्री ने जलभराव की समस्या दूर करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी स्थित सी ब्लॉक में बारिश के कारण जलभराव की शिकायतों के बाद रविवार को क्षेत्र का दौरा किया। दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। जलभराव के लिए उन्होंने पिछली सरकार के विधायक को जिम्मेदार ठहराया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा, बरसात के कारण सी ब्लॉक में दो-दो फीट पानी भर गया था। कर्मचारियों को स्थायी समाधान के निर्देश दिए हैं। ताकि जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। वहीं इस बीच सी ब्लॉक के स्थानीय निवासियों ने शिक्षा मंत्री को एक शराब की दुकान से होने वाली समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया। इस पर मंत्री ने एसएचओ को तत्काल समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

# नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाईपेंड में ऐतिहासिक बढ़ोतरी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल जानकारी दी कि हमारी सरकार ने एमबीबीएस नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाईपेंड में ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी प्रदान कर दी है। उनका स्टाईपेंड करीब 27 गुणा बढ़ा दिया गया है। इस निर्णय से स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत युवाओं और प्रशिक्षुओं के बीच नया उत्साह और आत्मविश्वास पैदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार हमेशा से चिकित्सा एवं नर्सिंग क्षेत्र को प्राथमिकता देती आई है और यह निर्णय उसी दिशा में एक ठोस कदम है। यह निर्णय दिल्ली सरकार के सभी तीनों नर्सिंग कॉलेजों पर लागू होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह निर्णय दिल्ली सचिवालय में हुई केबिनेट की बैठक में लिया गया। बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री उपस्थित थे। अब नर्सिंग इंटर्न्स मासिक स्टाईपेंड 500 रुपये से बढ़ाकर 13,150 रुपये कर दिया गया है। यह वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू होगी और सभी पात्र नर्सिंग इंटर्न्स पर उनकी इंटर्नशिप अवधि के दौरान लागू होगी। इस प्रकार नर्सिंग पेशेवरों के परिश्रम और सेवा को केंद्र सरकार द्वारा तय मानकों के अनुरूप मान्यता दी जाएगी। मुख्यमंत्री के अनुसार यह यह निर्णय लंबे समय से प्रतीक्षित था। अब नर्सिंग इंटर्न्स अपने प्रशिक्षण के दौरान न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होंगे बल्कि उन्हें यह भी महसूस होगा कि उनकी मेहनत और सेवा को सरकार द्वारा उचित सम्मान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं। चाहे अस्पतालों में रोगियों की देखभाल हो, कठिन परिस्थितियों में आपात सेवाएं देना हो अथवा स्वास्थ्य शिविरों में समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना हो, नर्सिंग स्टाफ सदैव अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरे समर्पण के साथ करता है। उनके बिना स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की कल्पना अधूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाईपेंड में यह पर्याप्त बढ़ोतरी कर उनके अथक परिश्रम और सेवाभाव को सम्मानित किया है। सरकार चाहती है कि नर्सिंग पेशे को अपनाने वाले युवाओं को उनके प्रशिक्षण के दौरान उचित सहयोग और मान्यता मिले, ताकि वे भविष्य में और अधिक उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी सेवाएँ दे सकें। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने भी इस बढ़ोतरी को शानदार व महत्वपूर्ण बताया है। उनका कहना है कि यह निर्णय केवल आर्थिक सहयोग का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस दृष्टिकोण का भी द्योतक है जिसके अंतर्गत दिल्ली सरकार अपने स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सरकार यूटी का मानना है कि यदि नर्सिंग और मेडिकल पेशेवरों को बेहतर कार्य परिस्थितियाँ और लाभ मिलें तो वे और अधिक कुशलता के साथ नागरिकों की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार ने इस विसंगति को दूर करने का साहस दिखाया है। स्टाइपेंड में बढोतरी कर हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि नर्सिंग इंटर्न्स को वह सम्मान, गरिमा और आर्थिक सहयोग मिले जिसके वे हकदार हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नर्सिंग इंटर्न्स अपनी छह माह की इंटर्नशिप के दौरान कड़ी मेहनत से अकादमिक शिक्षा और व्यावहारिक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच की खाई को पाटते हैं। स्टाइपेंड में नए संशोधन से न केवल उन्हें आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी, बल्कि उनका उत्साह और मनोबल भी बढ़ेगा। दिल्ली सरकार का यह अहम फैसला नर्सिंग इंटर्न्स को स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के महत्वपूर्ण अंग के रूप में भी मान्यता देता है और भविष्य के लिए बेहद कुशल और संवेदनशील कार्यबल तैयार करने की हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

## जीजा-साले की हत्या करने वाले चार गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने जीजा-साले की हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जीजा के भेजने पर पहुंचे युवकों ने साले को इतना पीटा की मौत हो गई। भेद खुलने के डर से आरोपियों ने जीजा को भी मार डाला। पुलिस ने जीजा-साले की हत्या का खुलासा करते हुए चारों आरोपियों को पकड़ लिया है। इनकी पहचान सोनिया विहार निवासी विक्की तोमर, कासिम विहार, लोनी निवासी अशफाक और कासिम विहार, लोनी निवासी फैजान उर्फ खली और मोहम्मद मासूम उर्फ छोटू उर्फ राजू के रूप में हुई है। इस्तेमाल डंडा और चाकू बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 11 अगस्त की सुबह पुलिस को खजूरी खास इलाके में गली नंबर-26 के एक प्लॉट से रजी अहमद का शव मिला था। उसके शरीर पर चाकू के कई निशान थे। उसकी दो पत्नी व चार बच्चे हैं। पत्नी तबस्सुम न बताया कि 10 अगस्त की रात करीब 9.30 बजे कोई घर से बुलाकर रजी को अपने साथ ले गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। खजूरी खास थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। अभी पुलिस मामले की जांच कर ही रही थी कि अगले दिन 12 अगस्त को दयालपुर के न्यू चौहानपुर से एक और शव मिला।उसकी पहचान आजाद एंक्लेव, पूजा कालोनी, लोनी निवासी शमी आलम के रूप में हुई। शमी के परिवार में पत्नी व तीन बेटियां हैं। वह ई-रिक्शा चलाता था। दोनों हत्याएं एक दूसरे से लिंक हुई तो लोकल पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ की टीम को भी मामले की जांच में शामिल किया गया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 10 अगस्त को दिन में पहले रजी अहमद न्यू चौहानपुर स्थित रसोई से निकला था। इसके बाद चार युवक वहां से जाते हुए दिखे। टीम ने जब खजूरी खास रजी के घर के पास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो वहां पर भी यह ही युवक दिखाई दिए। अब पुलिस को यकीन हो गया कि दोनों ही हत्याओं में इन युवकों का हाथ है। अक्सर चारों आरोपी रजी अहमद और शमी आलम के साथ पार्टी करते थे। पार्टी न्यू चौहानपुर स्थित रसोई में होती थी। 10 अगस्त को रविवार था।


### NAME CHANGE
I hitherto known as Aman Kumar S/O NARESH KUMAR R/O FLAT NO.B-1104, TOWER -B, THE GOLDEN PALM SOCIETY, SECTOR 168, OPPOSIT ADVANT NAVIS MALL SECTOR 168 Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as AMAN KUMAR ARORA.

### NAME CHANGE
I hitherto known as Anamika Singh D/O NARESH KUMAR R/O FLAT NO.B-1104, TOWER -B, THE GOLDEN PALM SOCIETY, SECTOR 168, OPPOSIT ADVANT NAVIS MALL SECTOR 168 Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as ANAMIKA SINGH ARORA.

### Name change
I hitherto known as Nareng kumar S/o Beglal R/o Havaspur Bigas, Babugarh, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245201 have changed my name and shall hereafter be known as Naurang Kumar.

### Name change
I Lokesh Kumar S/o Dhani Ram R/o District hapur, Havaspur Bigas, Babugarh, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245201 have changed the name of my minor daughter Ismaili aged 14 years and she shall hereafter be known as Smiley Singh.

### Name change
I Mohit Butola S/o Jeet Pal Singh R/o Plot No-30 1 Floor, Sector-13, Near Parshruram Chowk, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have changed the name of my minor son Krishiv Butola aged 3 years and he shall hereafter be known as Ishan Singh.

### Name change
I hitherto known as Kanhaiya Lal S/o Chandramani Mishr R/o 86, Nagala Charnadas P.S- Dadri, Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Krishna Nand Mishra.

### Name change
I hitherto known as Omkar Nagar S/o Salekh Chand R/o Dujan, Dujana, Gautam Buddha Nagar, Dujana, Uttar Pradesh-203207 have changed my name and shall hereafter be known as Omkar Singh Nagar.

### Name change
I hitherto known as Shiv Shankar S/o Parshuram R/o H.No-540/1, Ward No-20, Near Patva Mandir, Soniya Nagar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Shivji.

### Name change
I hitherto known as Ankit Tato Saxena S/o Anil Kumar Saxena R/o Flat No. 2320, 23rd Floor Tower-6, Ferrara, Mahagun Mezzaria, Sector 78, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Ankitt Saxena.

### Name change
I Alisha Tiwari W/o Vikas Tiwari R/o Flat No-102, Tower -3, Panchsheel Hynish, Sector -1, Near Supertech Ecovillage -1, Greater Noida West, Bishrakh, PO: I.a. Surajpur, Dist: Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh- 201306 have changed the name of my minor daughter GAURI TIWARI aged 12 years and she shall hereafter be known as SAMRIDDHI TIWARI .

### NAME CHANGE
I hitherto known as Sunny alias Sunil Kumar S/O: Rajendra, R/O9,9(2), RAIDAS PURI, VTC: Khekada ,PO: Khekra, Sub District: Khekada: Baghpat,: Uttar Pradesh 250101,have changed my name and shall hereafter be known as Sunny.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I BINOD SAH S/O LAKSHMESWAR SAH R/O re VILL POST HARLAKHI, MADHUBANI, BIHAR-847240 and Presently adress C- 15 Nirmal kusht Samiti Tahirpur Delhi- 110095 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as SHIV SHANKAR SAH and POONAM DEVI in my minor daughter namely JYOTI KUMRI aged 15 years in her school record. The actual name of mine and my wife are BINOD SAH and JANKI DEVI respectively which may be amended accordingly.

### सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किल श्री रघुवीर सिहं, पुत्र श्री गुरदेव सिहं निवासी- आई-24, अंसारी नगर, एम्स कैम्पस, नई दिल्ली-110029 ने अपने तीनो पुत्रो (1) अमनदीप सिहं (2) गुरदीप सिहं व जसदीप सिहं को उनके नियन्त्रण में न होने, मेरे मुवक्किल के साथ अभद्र व्यवहार करने, लडाई-झगडा करने, मारपीट करने व गाली-गलौच करने तथा जबरदस्ती उपरोक्त फलैट में घुसने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से उन तीनों को बेदखल कर रहे हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन व व्यवहार रखता हैं तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगा।

**JITENDER TANWAR,**
ADVOCATE
CH. NO.710
LAWYERS CHAMBER
DISTRICT COURT DWARKA NEW DELHI-110075

### NAME CHANGE
I, JC-773534A Rank-SUB Name-VIJAY SINGH PONEL Father of PALLAVI Presently residing at VPO-KHANDAULI, TEH-ETMATPUR, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283126, have changed my minor daughter's name from PALLAVI to PALLAVI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, JC-773534A Rank-SUB Name-VIJAY SINGH PONEL Father of JYOTI KUMARI Presently residing at VPO-KHANDAULI, TEH-ETMATPUR, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283126, have changed my minor daughter's name from JYOTI KUMARI to JYOTI for all future purposes vide Affidavit dated 19/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mohammad Zaid S/O Mohd Juber, R/O E-11/82 New Colony Hauz Rani, Malviya Nagar S.O, DIST: South Delhi, Delhi-110017, declare that the name of my father is wrongly written Mohammad Juber in my Aadhar card no 6133 4373 2533.The actual name of my father is Mohd Juber. Respectively which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, Munish s/o Prem Chand Mittal R/o 610/12, Jagdish Colony, Rohtak, Haryana-124001 have change My name to Manish Kumar Permanently.

### NAME CHANGE
I, Prem Chand S/o Shivji Lal Arya R/o 610/12, Jagdish Colony, Rohtak, Haryana-124001 have Change my name to Prem Chand Mittal Permanently.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Monika,W/o- Shyam Sunder Aggarwal, R/o: New R- 17A,Anand Vihar, Opposite Metro Pillar No-695,Uttam Nagar, D. K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi- 110059, Declare that name of mine has been wrongly written as Monika Aggarwal in my minor Daughter namely AARUHI AGGARWAL aged 15 years in her School Record. The actual name of mine is Monika.

### NAME CHANGE
I, JC-676567F, NB SUB SATNAM SINGH CHAK S/o PARVINDER SINGH R/o VILL-SAHABAGANJ, PO-REHARIYA, TEHSIL-MOHMMNDI, DISTT-LAKHIMPURKHERI, U.P-262804, have changed my name from SATNAM SINGH CHAK to SATNAM SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 18/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as Ankur Raghav alias Kuldeep Singh S/O: Bhoorey Singh, R/O 145 , near mata mandir, Naronda, Moradabad, Uttar Pradesh-244301, have changed my name and shall hereafter be known as KULDEEP SINGH.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Shri Lal Sahni S/O Sehdev Sahni, R/O H. No. - E - 53 A, Street No. - 1, Milan Garden, Mandoli Ext., North East, Delhi - 110093, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Shrilal Sahani and Sehdev Sahani in my Aadhar card no 5386 5436 4981.The actual name of mine and my father is SHRI LAL SAHNI AND SEHDEV SAHNI,which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, RAJNESH KUMAR S/o SRIPAL R/O HOUSE NO H-16/475, GALI NO 16, SANGAM VIHAR, NEW DELHI 110060 have changed my name from RAJNESH KR MATHUR S/o SRIPAL MATHUR to RAJNESH KUMAR S/o SRIPAL for all future purposes.

### NAME CHANGE
I hitherto known as Jashn k Bansal alias Jashn Kumar Bansal S/O Ramesh Bansal, R/O Flat No. 108, Himvarsha Appartment, Plot No. 103, I.P. Extension, Patparganj, Ip Extension, East Delhi, Laxmi Nagar, Delhi, 110092, have changed my name and shall hereafter be known as JASHN KUMAR BANSAL.


### अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद फशी अख्तर, पुत्रः नासिर हसन, पताः रॉयल सिटी, सबलूगढ़ी रोड, नूरानी मस्जिद के पास, लोनी देहात, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 118/2017, U/s 468/471 IPC, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद फशी अख्तर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद फशी अख्तर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 118/2017, U/s 468/471 IPC, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद फशी अख्तर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**श्री वैभव गर्ग**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11**
**केंद्रीय, कक्ष नं. 138, प्रथम तल**
**तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

**DP/10824/N/2025**


### NAME CHANGE
I, SUMAN W/O ROHIT KUMAR R/o H NO-133, KUMHAR MOHALLA, JASOLA VILLAGE, OKHLA DELHI-110025 have changed my name to SUMAN KUMARI for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, Arya Choudhary S/O Mukesh Choudhary R/O 67, Chipayna Buzurg, Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201009 have changed my name to Arya Chaudhary for all future purposes.

### NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJKUMAR SAHANI S/o SATRAN SAHANI R/o House No. A-5/18, J J Colony, Bhalswa Dairy, PO: Samai Pur, Dist. North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of my mine has been wrongly written as RAJKUMAR SHANI in my minor daughter namely KARISHMA aged 13 years in her School Records. The actual name of mine is RAJKUMAR SAHANI, which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, SHIKHA SINGH W/O SWETANSHU VIKRAM R/o PK073, SEC-122, NOIDA, GAUTAMBUDH NAGAR, U.P.-201301, have changed my name to SHIKHA for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as Sarvesh S/O Rama Shankar, R/O House No. 4/32, Sahipur Village, Shalimar Bagh, New Delhi-110088,have changed my name and shall hereafter be known as SARVESH SEN.

### NAME CHANGE
I, PREETI CHAUDHARY W/O TARUN WADHWA R/O JYOTI SUPER GARDENIA, TOWER A-1005, JUDGES ENCLAVE, AHINSA KHAND 2, INDIRAPURAM, PO SHIPRA SUN CITY, DISTT GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014 have changed the name of my minor daughter DIANA WADHWA aged 4 years and she shall hereafter be known as OJASVI CHAUDHARY.

### NAME CHANGE
I ANNY W/O MOHAMMD AHMAD,R/O 102 JHUGGI PANDIT RAM PRASAD BISMIL CAMP SHASHI GARDEN PATPAR GANJ DELHI 110091have change my name to ANNY AHMED Permanently

### NAME CHANGE
It is for general information that I, MANOJ KUMAR SINGH S/o RAM CHANDER SINGH R/o K-23/3, Phase-2, Vijay Vihar, North West Delhi, Delhi-110085, declare that name of my mine has been wrongly written as MANOJ SINGH in my minor daughter namely KHUSHI aged 14 years in her School Records. The actual name of mine is MANOJ KUMAR SINGH, which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as NIDHI AGRAWAL alias NIDHI GUPTA D/O VIJAY AGGARWAL W/O SUMIT GUPTA R/O H NO-93, NEW LAHORE, SHASTRI NAGAR, GANDHI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI GUPTA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

### NAME CHANGE
I, Dushyant Kumar Babber S/O Rakesh Kumar Babber R/O Charms Castle, Tower- E1806, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 Have changed my name to Dushyant Babber for all future purposes.

### PUBLIC NOTICE
We (1) Rafat Tare Wife of Ayub Khan (2) Ayu Khan son of Salim Khan both Resident of D-1/435 Ground Floor Jait Pur Exnt. Part-2 Near Aisha Public School Jaitpur South Delhi, Delhi-110044 declare That We have cut off all our relations from our son namely Ashraf Khan and our daughter-in-law namely Julekha Khatun from today. That We also dis-owned /debarred them from all our moveableand immovable properties situated in Delhi orany where in India from today. That We have no concerned with them.


### अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मिथलेश कुमार, पुत्रः श्री राजेंद्र सिंह, पताः म.नं. 89, सेक्टर–11, प्रताप विहार, विजय नगर, अमृत कुटीरम आश्रम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 127/2017, U/s 392/394/174A/34 IPC, पुलिस थाना द्वारका उत्तर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मिथलेश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मिथलेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 127/2017, U/s 392/394/174A/34 IPC, पुलिस थाना द्वारका उत्तर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **मिथलेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.09.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**सुश्री नीतिका कपूर**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06**
**दक्षिण–पश्चिम जिला, कमरा नं. 514**
**द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली**

**DP/11041/DW/2025**


### NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Laxman Khurana is the owner of Part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. out of Khasra no. 1637/1038/784-785, Village Chandrawali Alias Shahdara in the abadi of Vishwas Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110032 vide Partition deed dated 10/03/2022 executed between (1) Sh. Sh. Tilak Raj Khurana (First party), (2) Sh. Raj Kumar Khurana (Second party), (3) Sh. Laxman Khurana (Third party), whereby First party is the owner part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. & Second party is the owner of part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. & (3) Sh. Laxman Khurana (Third party) is the owner of part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. Doc no. 2009, Vol no. 3073, Book no. 1, Pages no. 170-176, SRO-IVB Vivek Vihar That Initially, Sale deed dated 22/08/1962 executed by Sh. Lal Chand Singal in favour of Smt. Ram Tharai in respect of plot no. 97, area measuring 266.6 sq. yds. Doc no. 9299, SRO-Delhi and Sale deed dated 22/08/1962 executed by Sh. Lal Chand Singal in favour of Smt. Devi Rani in respect of plot no. 98, area measuring 200 sq. yds. Doc no. 9298, SRO-Delhi, Later Smt. Ram Tharai died on dated 16/04/1974 and her husband Sh. Ram Piara Mal also died leaving behind only one single heir Smt. Devi Khurana who become absolute owner of the said property. Later Smt. Devi Rani alias Devi Khurana died & her husband Sh. R. K. Khurana also died leaving behind legal heirs Smt. Nirmal Arora, Smt. Sushila Dhingra, Smt. Laxmi Arora, Sh. Laxman Khurana, Sh. Tilak Raj Khurana & Sh. Raj Kumar Khurana, Later, Relinquishment deed dated 28/05/2016 executed by (1) Smt. Nirmal Arora (2) Smt. Sushila Dhingra (3) Smt. Laxmi in favour of (1) Sh. Laxman Khurana (2) Sh. Tilak Raj Khurana (3) Sh. Raj Kumar Khurana in respect of property bearing no. 3/97, area measuring 266.6 sq. yds. And property bearing no. 3/98, area measuring 200 sq. yds. Total area measuring 466.6 sq. yds. Doc no. 3746, SRO- IVB Vivek Vihar, Later Partition deed dated 10/03/2022 executed between (1) Sh. Sh. Tilak Raj Khurana (First party), (2) Sh. Raj Kumar Khurana (Second party), (3) Sh. Laxman Khurana (Third party), whereby First party is the owner part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. & Second party is the owner of part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. & (3) Sh. Laxman Khurana (Third party) is the owner of part of property bearing no. 3/97 & 3/98, area measuring 155.53 sq. yds. Doc no. 2009, Vol no. 3073, Book no. 1, Pages no. 170-176, SRO-IVB Vivek Vihar. That my client intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to Mahindra & Mahindra Financial Services Limited Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 18/8/2025

**PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

### NAME CHANGE
I, MANISH VISHVAMBHAR INGOLE S/O VISHVAMBHAR NAGNATH INGOLE R/O 1701, TOWER 18, THE CLOSE SOUTH SECTOR-50, GURGAON,HARYANA-122018, I HAVE CHANGED DAUGHTER'S NAME FROM NAISHA TO NAISHA INGOLE FOR ALL FUTURE PURPOSES

### NAME CHANGE
It is for general information that I, PRACHI D/O LATE SH. RAJENDER KUMAR R/O BAMNOLI, BAMNOLI VILLAGE, DIST-SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 declare that name of mine, my father and mother has been wrongly written as PRACHI KUMARI, RAJINDER and BEENA in my 10th and 12th class, educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are PRACHI, RAJENDRA KUMAR and BEENA KUMARI, which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, Shabnam W/O Mohammad Raees, R/O H.No-F-541 4th floor, F-Block JJ Colony, Inderpuri, Inderpuri, PO: I.a.r.i., DIST: Central Delhi, Delhi-110012,have changed the name of my minor daughter namely Maira aged 6 years and she shall hereafter be known as Mahira Naaz.

### PUBLIC NOTICE
My clients, Gyan Prakash Gupta & Pavitra Gupta both resident of H.No. L-1 Block House No. 64 Street No.2 Shani Bazar Road Nala Par Sangam Vihar Deoli South Delhi-110080, have severed all relations with and disowned their son Girish Chandra Gupta and his wife Smt. Shafali, from all their Movable and Immovable properties due to their misconduct. They are no longer under their control. My clients shall not be responsible for their acts or deeds in the future.

**Ankur Agarwal Advocate**
CH.NO.271 LAWYERS BLOCK,
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017

### DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-461964Y Rank-SUB Name-PAWAR SAJJANRAO SHIVAJI residing at DAFALAPUR, TAL-JATH, SANGLI, MAHARASHTRA-416402, in my service records my mother's (KUSUM SHIVAJI PAWAR) date of birth wrongly mentioned as 13/08/1959 instead of her correct date of birth as 01/01/1945 vide affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-461964Y Rank-SUB Name-PAWAR SAJJANRAO SHIVAJI residing at DAFALAPUR, TAL-JATH, SANGLI, MAHARASHTRA-416402, in my service records my father's (SHIVAJI PARASHRAM PAWAR) date of birth wrongly mentioned as 13/08/1949 instead of his correct date of birth as 01/01/1935 vide affidavit dated 13/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ARYAN KUMAR, S/o PARMOD KUMAR SAH, R/O R-3, A-2, 51-52, Gali No-5, Mohan Garden, Uttam Nagar, Dist: West Delhi, Delhi-110059 declare that name of my father has been Wrongly written PRAMOD KUMAR SAH in 10th class educational documents. the actual name of my father is PARMOD KUMAR SAH, which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, Archana Choudhary D/O Ratan Singh R/O 67, Chipayna Buzurg, Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201009 have changed my name to Archana for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHOK KUMAR S/O DEV RAM MADWAL R/O H NO-B-401, HIMACHALI CGHS LTD.,PLOT NO.8 SECTOR-3,N.S.I.T DWARKA DELHI-110078 have changed my name and shall hereafter be known as ASHOK MADWAL.

### NAME CHANGE
I, Gurdeep Singh Chadda S/O Ajit Singh Chadda Flat Number 802, Tower - T, 7th floor, Supertech ecocity, Sector -137 Noida Gautam Budha Nagar UP 201305. R/O Have changed my name to Gurdeep Singh for all future purposes.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information I, SURYA KANT PANDEY, S/o Vinod Pandey, R/o RZG-358-A B/S Gali No-2 Kh No-50/7, Raj Nagar Part-2, South South West Delhi, Delhi-110077 declare that name of mine and My Wife and my minor son have been wrongly written as Surya Kant and wife Suman and Diwarkar Kumar Pandeu in my minor son namely Diwakar Pandey , aged 10 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are SURYA KANT Pandey and My Wife SUMAN DEVI and Diwarkar Pandey, respectively, which may be amended accordingly.

### PUBLIC NOTICE
The public at large is hereby informed that my client Sh. Pappu S/o Late Sh. Parameshvari, R/o RZF-82 B, Nihal Vihar, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041 has debarred and disinherited his son Mukesh and my daughter-in-law namely Jai Shree and their children namely Sangeeta, Shekhar and Prachi from his movable and immovable properties due to their bad conduct and disobedient towards my client and my client has no control in any manner over them, if anyone deals with them will be at his/her own risk then my client will not responsible in any manner.

**RAM NIWAS SINGH TOMAR, ADVOCATE**
Ch. No. V-31A, 1st Floor, Tehsil Road Tishazari Court, Delhi-54


### अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजेश उर्फ मिथलेश कुमार पुत्र** राजेन्द्र **निवासीः** म.नं. 89, अमृत कुटिया आश्रम, सैक्टर-11, प्रताप विहार, विजय नगर, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 65/20 U/s 365/394/411/34 IPC थानाः द्वारका उत्तरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजेश उर्फ मिथलेश कुमार** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजेश उर्फ मिथलेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 65/20 U/s 365/394/411/34 IPC थानाः द्वारका उत्तरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजेश उर्फ मिथलेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**नितिका कपूर**
**जेएमएफसी-06, (SW)**
**कमरा नं. 514, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली**

**DP/11040/DW/2025**
**(Court Matter)**

### अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 सीआरपीसी देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरबाज, पुत्र नौशाद निवासी मकान नंबर 4345, गली नंबर 21, कांति नगर, दिल्ली, दूसरा पता मकान नंबर 183, आर्य नगर, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र. तीसरा पता 20 फुटा रोड, गांव धौती खुर्द, प्रधान रजिया वाली गली, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 106/2021, भा.द.सं. की धारा 356/379/34 के तहत, थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अरबाज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अरबाज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 106/2021, भा.द.सं. की धारा 356/379/34 के तहत, थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अरबाज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.11.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**श्री पी. भार्गव राव**
**न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, कोर्ट नं. 03, द्वितीय तल**
**पूर्व जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली**

**DP/11070/SHD/2025**


### NAME CHANGE
I hitherto known as KHUSHI D/O BHANU PRASAD R/O 654, Bhowapur Kaushambi, I-E Sahibabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, have changed my name and shall hereafter be known as SANGITA SHRESTHA.

### NAME CHANGE
I UDIT S/O CHANDER PAL R/O H.N0-762 POST BAROLI, SECTOR-80 BALLABGARH, FARIDABAD-121004 HAVE CHANGE MY NAME TO UDIT BAISLA FOR ALL PURPOSE

### NAME CHANGE
I,MUSTAFA S/O Munir alam R/O 1805/9,4th floor kalkaji extension, Delhi-110019,have changed my name to RAVI AALAM. I have only change my name not my religion.

### NAME CHANGE
I, NIJAMUDDIN S/O JALALUDDIN R/o D- 56, STREET NO-1, CHAND BAGH, DELHI-110094 have changed my name to NIZAMUDDIN for all future purposes.

### सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण के लिए है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती पांची देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मूलचंद निवासी मकान संख्या ई-56/1, संगम पार्क, खोरा कॉलोनी, इंदिरा पुरम, पी.एस. इंदिरा पुरम, तह. गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001 ने अपने पुत्र श्री ओम प्रकाश, उम्र लगभग 52 वर्ष और उनकी पत्नी श्रीमती गीता, उम्र लगभग 47 वर्ष (बहू) और उनके बच्चों को उनके अपमानजनक व्यवहार और नियंत्रण से बाहर होने के कारण तत्काल प्रभाव से अपनी चल और अचल संपत्तियों और अन्य संपत्तियों से वंचित कर दिया है और उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। यदि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त नामित व्यक्ति के साथ किसी भी तरह का लेन-देन करता है, तो वह अपने जोखिम और परिणामों पर करेगा। मेरी मुवक्किल श्रीमती पांची देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मूलचंद किसी भी तरह से इसके लिए उत्तरदायी नहीं होंगी और भविष्य में अपने जीवनकाल में उपरोक्त नामित व्यक्ति के साथ उनका कोई संबंध/संबंध नहीं होगा।

**अधिवक्ता परवेश कुमारी**
CHAMBER NO 539 ,LAWYERS CHAMBER BLOCK,SEC-10 DWARKA COURT,NEW DELHI-110075
ENROLL.D-3155/2011
MOB:-8076367709

### NAME CHANGE
I, SAKSHI wife of NO-15722830P Rank-LOC/HAV Name-SUNIL KUMAR SINGH presently residing at VILL-NAI, PO-BICHCHAI, TEHSIL-ROBERTSGANJ, DISTT-SONBHADRA, U.P-231216 have changed my name from SAKSHI to SAKSHI KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 19/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, SHANTY wife of NO-14256619N Rank-HAV Name- SHAJU M S presently residing at H NO-31/304, DWARIKA APARTMENTS, SHALIMAR GARDEN EXT-1, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UP-201005 have changed my name from SHANTY to SHANTY MOL SHAJU for all future purposes vide Affidavit Dated 19/08/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as NEERAJ KUMAR S/O NARESH KUMAR R/O T-3-2102, GODREJ WOODS, SECTOR-43, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 have changed my name and shall hereafter be known as NEERAJ BABBAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

### NAME CHANGE
It is for general information that I, SHWETA BALI BABBAR W/o NEERAJ BABBAR R/o T-3-2102, GODREJ WOODS, SECTOR-43, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as SHWETA KUMAR and NEERAJ KUMAR in my Aadhar Card No. 7279 2287 1502. The actual name of mine and my husband are SHWETA BALI BABBAR and NEERAJ BABBAR, respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection



**कौमी पत्रिका**
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## माजरी धाम महोत्सव की तैयारियां युद्धस्तर पर

एजेंसी

**खोल।** आगामी 24 अगस्त को माजरी धाम पर आयोजित होने वाले महोत्सव की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस कार्यक्रम में 10 से 15 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। माजरी धाम की ख्याति आज देश के कोने-कोने तक फैल चुकी है और विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु अपनी समस्याओं और संकटों के समाधान के लिए यहां आते हैं।धाम के महंत एवं आध्यात्मिक चिंतक सुमित गिरी महाराज अपनी सहज और सरल शैली से श्रद्धालुओं की परेशानियों का समाधान करते हैं। महोत्सव को सफल बनाने के लिए लगभग 50 सेवक निमंत्रण वितरण और अन्य व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं। दिल्ली-जयपुर मार्ग, बहरोड़-कुंड मार्ग, रेवाड़ी-नारनौल मार्ग सहित अन्य रास्तों पर महोत्सव के पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव होंगे, जबकि प्रसिद्ध गोरक्षपीठ प्रकाश दास महाराज अपनी मधुर वाणी से भक्तों का मन मोहेंगे। इसके अतिरिक्त अलवर, बहरोड़, कोटपूतली, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, गुरुग्राम और जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से कई राजनीतिक दलों के नेता भी समारोह में शिरकत करेंगे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। माहौल भक्तिमय और भव्य बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं, ताकि माजरी धाम महोत्सव सफल और यादगार रहे।

## छात्रों ने एक पेड़ माँ के नाम नुक्कड़ नाटक मंचन कर दिया आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**गुरुग्राम।** सैक्टर 15 स्थित सलवान पब्लिक स्कूल के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस एक अलग तरीके से मनाया। स्कूल की प्रधानाचार्या रश्मि मलिक का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक पेड़ मां के नाम शीर्षक से नुक्कड़ नाटक का स्कूल की विभागाध्यक्ष डा. सविता उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में उत्साहित छात्रों ने मंचन मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव शामिल हुए। उनका कहना है कि इस नाटक का उद्देश्य समाज में वृक्षारोपण के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। संदेश यह दिया गया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 2 पौधे अवश्य रोपित करे। एक अपने नाम और एक अपनी माँ के नाम। छात्रों ने भावपूर्ण अभिनय और सशक्त संवादों के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि जैसे मां हमारे जीवन का सहारा होती है, वैसे ही पेड़ भी हमारे अस्तित्व और पर्यावरण की जीवनरेखा हैं। यह चेतावनी भी दी गई कि यदि मनुष्य ने प्रकृति का दोहन बंद नहीं किया तो प्रकृति स्वयं विनाश का मार्ग चुन लेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं व पर्यावरणप्रेमी मौजूद रहे।

## गुरुग्राम की बिगड़ी सफाई व्यवस्था पर कांग्रेस करेगी नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन

**गुरुग्राम।** मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बिगड़ी सफाई व्यवस्था और भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार की नाकामी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा 19 अगस्त मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। नगर निगम गुरुग्राम के सेक्टर-34 स्थित कार्यालय पर यह प्रदर्शन होगा। जिलाध्यक्ष शहरी पंकज डावर व ग्रामीण अध्यक्ष वर्धन यादव ने कार्यकर्ताओं से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार है, लेकिन सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। चारों तरफ कूड़े के ढेर हैं और जनता बेहाल है। भाजपा के नाकाम मंत्री, विधायक एवं मेयर चैन की नींद सो रहे हैं। मेयर से जब मीडिया सवाल पूछता है तो उनके पास जवाब नहीं होता। गुरुग्राम को कूड़ाग्राम बनाकर भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार ने शहर को बर्बाद करने का काम किया है। टैक्स वसूलने, कब्जे हटाने के नाम पर शहर के लोगों पर अत्याचार किए जा रहे हैं। मजदूरी करके पेट पालने वालों की रेहड़ियों, खोखों पर जेसीबी चल रही हैं, मगर बड़े कब्जाधारियों की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखा जाता। शहर में अनेक स्थान ऐसे हैं जहां पर प्रभावशाली लोगों द्वारा कब्जे किए गए हैं।

## रक्तदान से बढ़कर नहीं है कोई पुण्य का कार्य - महेश जोशी

**तावडू।** रैड क्रॉस सोसायटी नूंह में शहीद लेफ्टिनेंट किरण शेखावत राजकीय महिला महाविद्यालय सालाहेड़ी में स्वैच्छिक रक्तदान -जीवन दान एवं नशा विरोधी जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार की अध्यक्षता जिला रैड क्रॉस सोसायटी नूंह के सचिव महेश गुप्ता ने की। सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय रैड क्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव महेश जोशी ने की। मुख्य अतिथि ने सेमिनार का शुभारंभ रैड क्रॉस के संस्थापक सर हेनरी ड्यूना की फोटो पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित करते हुए किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सभी उपस्थित युवाओं को मानवतावादी कार्यों से जुड़ने, रक्तदान करने, नशीले पदार्थों के सेवन से दूरी बनाने आदि कार्य कलापों से जुड़ने हेतु जागरूक किया। सचिव महेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि रैड क्रॉस सोसायटी नूंह जिला प्रशासन के साथ दिन प्रति दिन मानव हित में गतिविधियों को संचालित कर रही है ।

# सीएम सैनी का मास्टरस्ट्रोकः मोरनी की राहें, खेलों की उड़ान और अग्रोहा को वैश्विक पहचान

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में विकास की रफ्तार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार आज एक साथ तीन बड़ी घोषणाएं की हैं। इनमें पंचकूला के पहाड़ी क्षेत्रों मोरनी व कालका के गांवों में पक्की सड़कों का निर्माण, मिशन ओलंपिक 2036 के तहत प्रदेश में अत्याधुनिक खेल अधोसंरचना का निर्माण और ऐतिहासिक नगरी अग्रोहा को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजनाएं शामिल हैं। ये घोषणाएं न केवल क्षेत्रीय विकास को बल देंगी, बल्कि हरियाणा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी नई पहचान दिलाएंगी। मुख्यमंत्री सैनी ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के वरिष्ठ

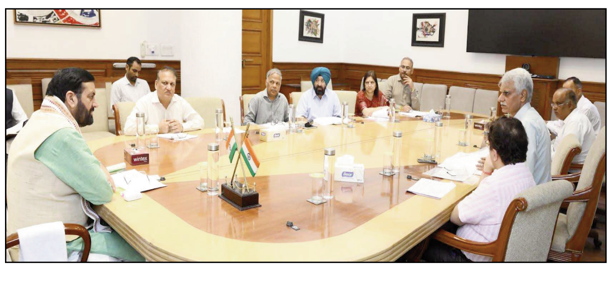

अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने पंचकूला जिले के मोरनी व कालका क्षेत्र के 19 गांवों में लगभग 61 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पेवर ब्लॉक से पक्का करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन सड़कों की चौड़ाई 12 फुट होगी और यह कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन विभाग से एनओसी लेकर सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए ताकि इन गांवों के लोगों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या से निजात मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की रीढ़ होती हैं और सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर गांव तक पक्की सड़क पहुंचे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने थापली बधिशेर से कोटी (1.68 किमी), पिंजौर मल्लाह से मंगनीवाला (1.20 किमी) और गोविंदपुर से थाथर (5.35 किमी) तक की सड़कों के निर्माण कार्य भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पानीपत-सफीदों, सफीदों-जींद और साहा-पंचकूला मार्गों के सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण को भी प्राथमिकता देने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

## अग्रोहा को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान, बनेगा हाईटेक संग्रहालय

एजेंसी

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री सैनी ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखने वाले अग्रोहा को विश्व पुरातात्विक मानचित्र पर लाने की योजना को भी गति दी। उन्होंने कहा कि अग्रोहा को एक प्रमुख पर्यटन स्थल और सांस्कृतिक धरोहर केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए वहां एक अत्याधुनिक संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। इस संग्रहालय में खुदाई से प्राप्त प्राचीन अवशेषों को संरक्षित कर आम जनता के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, यह संग्रहालय शैक्षिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होगा और युवाओं को अपनी ऐतिहासिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि अग्रोहा, महाराजा अग्रसेन की राजधानी रहा है और यह स्थान आस्था, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके विकास से अग्रोहा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। उन्होंने हिसार-अग्रोहा मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी को निर्देश दिए कि एक समग्र मास्टर प्लान तैयार करें। साथ ही, अग्रोहा क्षेत्र के आसपास स्थित पुरातात्विक टीलों की जियो टैगिंग कर उसे संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, असीम गोयल, ज्ञान चंद गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# मिशन ओलंपिक 2036 के लिए 5 एक्सीलेंस सेंटर, 15 खेलों का प्रशिक्षण मिलेगा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा को खेल महाशक्ति राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल अवसंरचना को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा और मिशन ओलंपिक 2036 के तहत राज्य की विश्वविद्यालयों में 5 एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

इन सेंटरों में प्रत्येक में 3 प्रमुख खेलों की प्रशिक्षण सुविधा होगी, बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी संबंधित विश्वविद्यालयों से समन्वय कर शीघ्र इस योजना को जमीन पर उतारा जाएगा। ,मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हरियाणा के खिलाड़ी ओलंपिक में अधिकतम पदक जीतें। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा के स्टेडियमों का आधुनिकीकरण, कोच की

उपलब्धता और खिलाड़ियों को खेल उपकरण, पोषण व खेल विज्ञान संबंधी सेवाएं समय पर मिलनी चाहिए। इन सेंटरों में अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, ताकि खिलाड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। बैठक में खेल मंत्री गौरव गौतम, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, खेल विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

# संपत्ति कर अदायगी को लेकर शहरवासियों में उत्साह, ओटीएस योजना की तारीख बढ़ी

**अब 31 अगस्त 2025 तक जमा करा सकेंगे बकाया करः डी.सी. कोमल**

एजेंसी

**साहिबजादा ।** शहरवासियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए पंजाब स्थानीय निकाय विभाग ने एकमुश्त निपटान योजना (ओटीएस) की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। इस योजना के तहत लोग बिना किसी जुर्माने या ब्याज के अपना बकाया संपत्ति कर जमा करा सकते हैं।

उपायुक्त कोमल मित्तल ने बताया कि योजना की शुरुआत के बाद से एक से 15 अगस्त के बीच जिले के स्थानीय निकायों ने 24.82 करोड़ रुपये की कर वसूली की है, जो उत्साहजनक है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक वसूली नगर परिषद ज़ीरकपुर द्वारा की गई है, जिसने 15.47 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके बाद खरड़ ने 4.26 करोड़ रुपये, डेराबस्सी ने 2.39 करोड़ रुपये, लालडू ने 1.03 करोड़, कुराली ने 62 लाख, नवा गांव ने 60 लाख और बनूर ने 44 लाख रुपये की वसूली की है। उन्होंने शहरी निवासियों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और 31 अगस्त 2025 से पहले अपनी-अपनी नगर परिषदों में बकाया कर जमा कर दें, ताकि भविष्य में किसी अतिरिक्त जुर्माने या

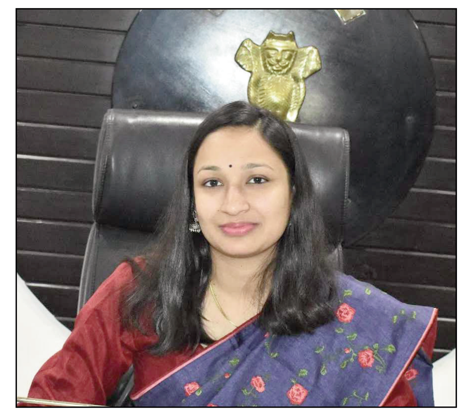

कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों से कर नहीं चुकाने वालों की सूची तैयार कर ली गई है और नगर परिषदें व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें समय पर भुगतान के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। तय समय के भीतर कर न चुकाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुआ मंथन

एजेंसी

**पंचकूला।** सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन म शाम अग्रवाल समाज पंचकूला की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज के कन्वीनर अमित जिंदल ने की। बैठक में आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव को भव्यता से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के पश्चात अमित जिंदल ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 19 से 22 सितंबर तक चार दिवसीय कार्यक्रम के रूप में भव्यता से मनाया जाएगा। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाले सांस्कृतिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 19 सितंबर को सेक्टर 16 स्थित अग्रसेन चौक पर हवन और ध्वजारोहण सुबह 8.15 पर करके कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात अग्रसेन भवन में महिला विंग की ओर से ड्राइंग कंपटीशन एवं

महाराज अग्रसेन जी और देशभक्ति से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 20 सितंबर को महारक्तदान शिविर का आयोजन होगा। 21 सितंबर को विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जोकि पंचकूला के विभिन्न सेक्टरों में निकाली जाएगी। जबकि 22 सितंबर अग्रवाल भवन में अग्र विभूति सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचकूला शहर को दीपावली की तरह सजाया जाएगा। पूरे शहर में भव्य लाइटिंग की जाएगी और आयोजन की व्यापक तैयारी हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जो प्रचार-प्रसार, सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यवस्था आदि में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। महोत्सव में समाज के सभी पुरुष व महिलाएं निर्धारित ड्रेस कोड में शामिल होंगे। अमित जिंदल ने समाज के सभी सदस्यों से तन-मन-धन से आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कन्वीनर अमित जिंदल, वरिष्ठ समाजसेवी बृजलाल गर्ग, कैलाश मित्तल, मेघराज गर्ग,कुसुम गुप्ता, सी बी गोयल, विजय अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, एडवोवेट संजय जैन, दिनेश गुप्ता, संजय सिंगला, दिनेश बंसल, रोशन लाल जिंदल, अशोक जिंदल, सत्यनारायण गुप्ता, संदीप गुप्ता, धर्मपाल सिंगला, सतीश मंगला, सुरेंद्र गोयल, पवन बंसल सेक्टर 25, सुरेंद्र सिंगला, सतीश जिंदल, मनोज अग्रवाल, अनिल गोयल, कृष्ण गोयल, राजीव गुप्ता, संजय गर्ग, राजन गुप्ता, मेघराज गोयल, रमन सिंगला, शाम लाल बंसल, बी बी सिंघल, दिनेश जिंदल, विजय गर्ग आदि विशेषतौर पर उपस्थित रहे।

## राव इंद्रजीत सिंह अहीरवाल के सच्चे हितैषीः एडवोकेट विनय

एजेंसी

**खोल।** प्रबुद्ध समाजसेवी एवं युवा नेता एडवोकेट विनय यादव पीथडावास ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अहीरवाल को क्षेत्र के सच्चे हितैषी बताया। उन्होंने कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में दक्षिण हरियाणा विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। विनय यादव ने यह भी बताया कि राव इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में उनकी बेटी और प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव भी क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही हैं।

उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह की अगुवाई में कई बड़ी विकास परियोजनाएं, जिनमें एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) भी शामिल है, इस क्षेत्र में स्थापित की गई हैं। ये परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगी। इस प्रकार, राव परिवार की प्रतिबद्धता और नेतृत्व के कारण दक्षिण हरियाणा में विकास की गति लगातार बढ़ रही है और जनता को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

# उपायुक्त ने सुनी नागरिकों की शिकायतें, अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

**नूंह।** उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में समाधान शिविर में आई हर शिकायत को गंभीरता से लें और उसका त्वरित समाधान करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी स्वयं इन शिविरों विभागों से संबंधित थीं। जिससे बहु-विभागीय समस्याओं का भी त्वरित समाधान होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हर सोमवार और

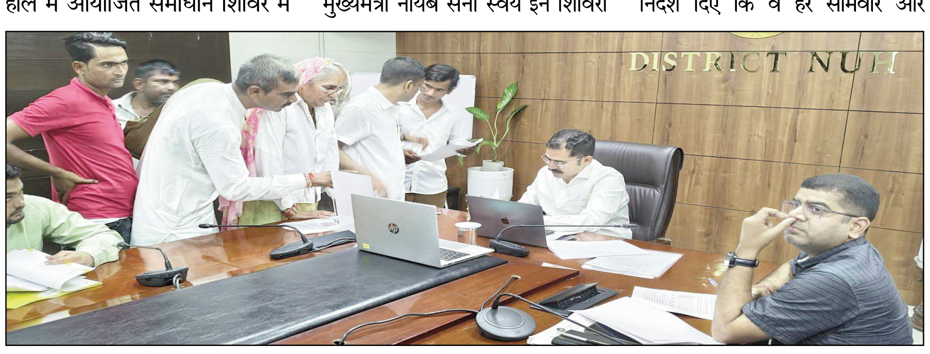


नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित व प्रभावी समाधान के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य सरकार की योजनाओं में आने वाली प्रत्येक शिकायत का जल्द से जल्द निपटारा कर हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, इसलिए अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं को पूरी जानकारी देते हुए संतुष्ट करना होगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर 27, तावडू उपमंडल पर 2, फिरोजपुर-झिरका उपमंडल पर 3 और पुन्हाना उपमंडल पर 2 शिकायतें मिलीं। कुल 34 शिकायत परिवार पहचान पत्र, जल भराव, बिजली, पीने के पानी, राजस्व और अन्य बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित समाधान शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और शिकायतों का मौके पर निपटारा करें। उनका कहना था कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें सम्मानपूर्वक सेवा मिले, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## धर्म हमें तोड़ता नहीं, बल्कि जोड़ना सिखाता हैः दिनेश यादव

एजेंसी

**खोल।** गांव बास दूदा में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता, श्री श्याम प्रभु का जागरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदर्श क्लब और समस्त ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा उन्होंने कहा कि धर्म का उद्देश्य हमें तोड़ना नहीं, बल्कि समाज को जोड़ना और समरसता फैलाना है। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व जिला पार्षद आजाद सिंह नांधा, खोरी मंडल अध्यक्ष सरपंच नरेश यादव नरू, खोल मंडल भाजपा अध्यक्ष सुभाष यादव (ढाणी शोभा), सरपंच रविंद्र (हाथी माजरा), समाजसेवी कृष्ण यादव (डीपी मनेठी), महामंत्री प्रदीप ठेकेदार (नारायणपुर), सरपंच चेतन (अहरोद), सरपंच संजय यादव (राधा की ढाणी), पूर्व सरपंच राजेश (झलू) और घनश्याम (कोलाना) उपस्थित रहे। रात्रि को हुए श्याम जागरण का शुभारंभ माजरी धाम के महंत सुमित गिरी महाराज ने दीप प्रज्वलन कर किया। जागरण में लोक गायक कलाकारों ने बाबा श्याम की महिमा का

गुणगान कर भक्ति का वातावरण निर्मित किया। पूर्व में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में विभिन्न टीमों ने भाग लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर यादव और आदर्श युवा क्लब की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर युवा समाजसेवी विजयपाल मुंशी, मोनी राजपूत, लखेंद्र, राजबीर डीपी, परमजीत पीटीआई, गौरव मराठा, मुकेश बोहरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# नूंह में सड़क हादसे में भाई-बहन की मौत, भतीजा गंभीर

एजेंसी

**नूंह।** जिले के बिछौर थाना क्षेत्र के पुन्हाना-जुरहेड़ा रोड पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, राजस्थान के डीग जिले की तहसील पहाड़ी के गांव मुंगास्का निवासी आदिल (22) अपनी पत्नी के मां बनने की खुशी में बहन रतिमन (40) को लेने के लिए बाइक से नूंह जिले के मोहम्मदपुर तोड आया था। उसके साथ भतीजा जाहिद भी सवार था। देर रात करीब नौ बजे तीनों जब पुन्हाना-जुरहेड़ा रोड पर ठेका मोड़ के पास पहुंचे तो सामने से आ रही तेज रफ्तार क्रेटा कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आदिल की मौके पर ही मौत हो गई। बहन रतिमन और भतीजा

जाहिद गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रतिमन की भी मौत हो गई। वहीं, जाहिद को पहले नल्हड़ मेडिकल कॉलेज और बाद में अलवर के निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इस हादसे से दोनों गांवों में गम का माहौल है। आदिल के परिजन कल्लू ने बताया कि हादसे के कुछ घंटों बाद सोमवार सुबह 4 बजे आदिल की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। परिवार में पहले से ही एक साल का बेटा है। दूसरी ओर मृतका रतिमन अपने पीछे सात बच्चों को छोड़ गई है।

# राष्ट्र सर्वोपरि के मूलमंत्र पर आधारित हैं भाजपा संगठन : सर्वप्रिय त्यागी

एजेंसी

**गुरुग्राम।** भाजपा गुरुग्राम जिला कार्यकारिणी की पहली बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल में संपन्न हुई। जिसमें गुरुग्राम जिले के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं का आपसी परिचय एवं संगठनात्मक कार्यो को करने के लिए कार्यकर्ताओं में आपसी तालमेल को बैठाना था, भाजपा संगठन में कोई भी संगठनात्मक कार्य जिला स्तर से मंडल एवं बूथ स्तर तक कैसे किया जाए। मार्गदर्शक के तौर पर हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, भाजपा हरियाणा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, मनीष यादव उपस्थित रहे। बैठक के पहले सत्र की शुरुआत जिलाध्यक्ष के पांच महीने के कार्यो की रिपोर्ट सबके साथ सांझा करने से हुई। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि अभी तक जो भी कार्य किए गए हैं, उनमें कई कार्यो में गुरुग्राम जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और अनुशासन से कार्य करने के दिशा निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा गुरुग्राम का हर कार्यकर्ता संगठनात्मक कार्य करने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने एवं किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि मूलमंत्र के साथ भाजपा संगठन काम करता है। मंत्री राव नरबीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के आका पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। उन्होंने कहा कि जब देश का नेतृत्व मजबूत निडर और देशभक्त होता हैं तब आतंकी हमलों का जवाब ऐसे ही दिया जाता हैं, पाकिस्तान को युद्ध रोकने के लिए भारत के सामने गिड़गिड़ाना पड़ा। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान में प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ ने एक सत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए अपने अनुभव सांझा किए। गुरुग्राम जिला प्रभारी संदीप जोशी ने भाजपा के इतिहास से सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। वरिष्ठ नेता मनीष यादव ने कहा कि हम सभी स्वदेशी निर्मित वस्तुओं को अपनाना चाहिए।

# एचपी ने भारत में उत्पादन क्षमता दोगुनी करने का किया ऐलान

**- कंपन का एमएसएमई और एआई पीसी पर विशेष फोकस**

**नई दिल्ली ।**

भारत के पारंपरिक पीसी बाजार में एचपी ने अपनी मजबूत स्थिति को और मजबूत करते हुए पीएलआई 2.0 योजना के तहत देश में अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दोगुना करने का बड़ा फैसला लिया है। कंपनी का लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में उत्पादन क्षमता को लगभग 35 फीसदी तक बढ़ाना है। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में भारत का पारंपरिक पीसी मार्केट 8.1 फीसदी की दर से बढ़ा और कुल 33 लाख यूनिट शिप किए गए। इस दौरान **HP** ने 29.1त्न मार्केट शेयर के साथ नेतृत्व बनाए रखा और शिपमेंट में 4.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। एचपी इंडिया, बांग्लादेश और श्रीलंका के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने डिक्सान टेक्नोलॉजी के साथ साझेदारी कर उत्पादन में तेजी लाई है। पहले वर्ष में क्षमता 6 से बढ़कर 13 फीसदी हो गई है, जिसे भविष्य में 35 फीसदी तक ले जाया जाएगा। एचपी का खास फोकस एमएसएमई और टियर-2, टियर-3 शहरों पर है, जहां कंपनी ने एचपी कनेक्ट स्टोर्स लॉन्च किए हैं। ये स्टोर कस्टमाइज्ड तकनीकी समाधान और प्रोडक्ट डेमो प्रदान करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एचपी की उत्पादन क्षमता और कनेक्टिविटी विस्तार के कारण नोएडा, द्वारका, नजफगढ़ और बहादुरगढ़ जैसे क्षेत्रों में रियल एस्टेट की मांग बढ़ेगी। इसके परिणामस्वरूप आवासीय संपत्तियों की कीमतें 25-40 फीसदी और वाणिज्यिक स्थानों की कीमतें 20-30 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। एचपी प्रिंटिंग, हेडसेट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसे उपकरणों के साथ डिजिटल समाधान भी प्रदान कर रही है।

## ओपन एआई ने पेश किया नया चेटजीपीटी गो प्लान, कीमत 399 रुपए प्रति माह

**नई दिल्ली ।**

सैम ऑल्टमैन के नेतृत्व वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने भारत के लिए नया सब्सक्रिप्शन प्लान चेटजीपीटी गो पेश किया है। यह प्लान खासतौर पर भारतीय यूज़र्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है और इसकी कीमत मात्र 399 प्रति माह है। कंपनी का कहना है कि इस प्लान में यूजर्स को जीपीटी-5 मॉडल पर आधारित एडवांस फीचर्स मिलेंगे, जिनमें ज्यादा मैसेज लिमिट, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोडिंग और चैट मेमोरी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, यह प्लान भारतीय भाषाओं का बेहतर सपोर्ट भी देगा, जिससे भाषा की बाधा कम होगी। ओपन एआई ने यह भी बताया कि भुगतान के लिए यूपीआई सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे भारतीय यूज़र्स के लिए पेमेंट और भी आसान हो गया है। वर्तमान में भारत में चेटजीपीटी प्लस (1,999 प्रति माह) और चेटजीपीटी प्रो (19,900 प्रति माह) सब्सक्रिप्शन विकल्प मौजूद हैं।

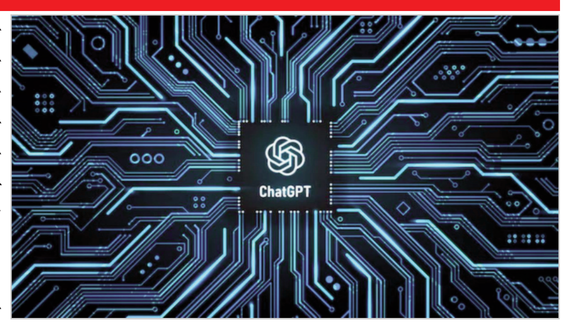


## टाटा कैपिटल का मुनाफा दोगुना होकर 1,040.93 करोड़ पहुंचा

**- पिछले वर्ष की समान अवधि में मुनाफा 472.21 करोड़ रुपए था**

**नई दिल्ली ।**

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल ने अप्रैल-जून तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक बढ़ा लिया है। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,040.93 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 472.21 करोड़ रुपए था। इसी दौरान कंपनी की कुल आय भी 7,691.65 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले साल के अप्रैल-जून में 6,557.40 करोड़ रुपए थी। यह वृद्धि टाटा कैपिटल की मजबूत वित्तीय स्थिति और बेहतर व्यवसाय प्रबंधन का संकेत है। टाटा कैपिटल ने इस महीने की शुरुआत में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 47.58 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा किए हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक प्रस्तावित इस आईपीओ का आकार लगभग 2 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है, जिससे कंपनी का कुल मूल्यांकन करीब 11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस आईपीओ में कुल 47.58 करोड़ शेयर होंगे, जिनमें से 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और 26.58 करोड़ शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। वर्तमान में टाटा संस के पास टाटा कैपिटल की 88.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस आईपीओ के बाद कंपनी को पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी, जिससे वह अपने व्यावसायिक विस्तार और नवाचार योजनाओं को और मजबूत कर सकेगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि टाटा कैपिटल का यह कदम वित्तीय क्षेत्र में उसकी पकड़ को और मजबूत करेगा और निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करेगा।

कंपनी की इस तिमाही की सफलता और आगामी आईपीओ से वित्तीय बाजार में टाटा कैपिटल की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

## दिवाली से पहले सस्ते होंगे टीवी, एसी और कारें

**- जीएसटी परिषद 20-21 अगस्त को होने वाली बैठक में टैक्स घटाने पर विचार करेगी**

**नई दिल्ली ।**

दिवाली से पहले केंद्र सरकार आम जनता को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। महंगे होम अप्लायंसेज और एंट्री-लेवल कारों की कीमतें जल्द ही कम हो सकती हैं। जीएसटी परिषद 20-21 अगस्त को होने वाली बैठक में टीवी, एसी, डिशवॉशर जैसे उत्पादों पर टैक्स घटाने पर विचार करेगी। फिलहाल इन उत्पादों पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है, जिसे घटाकर 18% करने का प्रस्ताव है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो 32 इंच से बड़े टेलीविजन 10,000 तक सस्ते हो सकते हैं। वहीं, एसी की कीमतों में 1500 से 2500 रुपए तक की गिरावट संभव है। डिशवॉशर, फ्रिज जैसे अन्य उपकरण भी 6-10 फीसदी तक सस्ते हो सकते हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से फेस्टिव सीजन में बिक्री में जबरदस्त उछाल आएगा। उपभोक्ता जो अभी तक महंगाई के कारण खरीददारी से बच रहे थे, वे अब खुलकर खर्च कर पाएंगे। सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स ही नहीं, सरकार एंट्री-लेवल कारों और छोटी एसयूवी पर भी कर दरों में राहत देने की योजना बना रही है। वर्तमान में इन पर 28 फीसदी जीएसटी के साथ 1-3 फीसदी सेस लगता है, जिससे कुल कर 31 फीसदी तक पहुंच जाता है। नए प्रस्ताव के तहत इन्हें भी 18 फीसदी स्लैब में लाया जा सकता है। इससे मारुति ऑल्टो के10, टाटा पंच, रेनॉल्ट क्विड जैसी गाड़ियाँ सस्ती हो जाएंगी। यह फैसला सितंबर 2025 में अंतिम रूप ले सकता है और नई दरें दिवाली से पहले लागू हो सकती हैं।

# म्युचुअल फंड का बैंकिंग सेक्टर में रिकॉर्ड 10200 करोड़ का निवेश

**- शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली देसी निवेशकों की खरीदारी**

**मुंबई ।**

शेयर बाजार में म्युचुअल फंड्स का निवेश बैंकिंग कंपनियों में बडी मात्रा में हो रहा है। जुलाई माह में 45400 करोड रुपए के शेयर म्युचुअल फंड ने खरीदे हैं। इसमें से स्टेट बैंक आफ इंडिया में 10200 करोड रुपए का निवेश म्युचुअल फंड ने किया है।जो अभी तक का सबसे बड़ा निवेश है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से बिकवाली करके बाहर निकल रहे हैं। ऐसी स्थिति में म्युचुअल फंड्स ने शेयर बाजार मैं निवेश बढ़ाकर शेयर बाजार को गिरने से रोक रखा है। म्युचुअल फंड्स ने सबसे ज्यादा निवेश बैंकिंग सेक्टर और आईटी सेक्टर में किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार म्युचुअल फंड ने एसबीआई में 10200 करोड़, इंफोसिस में ₹5400 करोड़, टीसीएस में 4000 करोड़, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 3900 करोड़ तथा एचडीबी फाइनेंशियल में 2900 करोड रुपए का निवेश किया है। जुलाई माह में शेयर बाजार में भारी उतार चढाव देखने को मिला है। विदेशी निवेशक लगातार अपना निवेश निकलकर भारतीय शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं।ऐसी स्थिति में भारतीय निवेशकों ने शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाया है। म्युचुअल फंड्स की कैश होल्डिंग जून में 1.82 लाख करोड़ थी। जो जुलाई में बढ़कर 1.85 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 35 पैसे बढ़त के साथ ही 87.04 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। रुपये की इस मजबूती को निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो देश की आर्थिक नीतियों में भरोसे को दर्शाता है।

## एमटीएनएल की जुलाई तक बैंक कर्ज चूक बढ़कर 8,659 करोड़ पहुंची

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कंपनी की बैंक कर्ज भुगतान में चूक जुलाई 2025 के अंत तक बढ़कर 8,659.09 करोड़ रुपये हो गई है। एमटीएनएल ने इस जानकारी को शेयर बाजार को सूचित किया है। घाटे में चल रही इस कंपनी का कुल ऋण दायित्व 31 जुलाई तक 34,577 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 8,659.09 करोड़ रुपये बैंक ऋण, 24,071 करोड़ रुपये सरकारी गारंटी वाले बॉन्ड, और 1,921 करोड़ रुपये बॉन्ड पर ब्याज के भुगतान के लिए लिए गए ऋण शामिल हैं। कंपनी ने कई बैंकों को भुगतान में चूक की है। इनमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 3,768.37 करोड़ रुपये, इंडियन ओवरसीज बैंक को 2,455.01 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ इंडिया को 1,131.54 करोड़ रुपये, पंजाब नेशनल बैंक को 478.26 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक को 363.43 करोड़ रुपये, यूको बैंक को 276.08 करोड़ रुपये और पंजाब एंड सिंध बैंक को 186.4 करोड़ रुपये की देनदारी शामिल है। यह चूक अगस्त 2024 से फरवरी 2025 के बीच हुई है। एमटीएनएल ने 31 मार्च 2025 के अंत तक 8,346.24 करोड़ रुपये की चूक की सूचना दी थी, जो अब बढ़कर 8,659 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

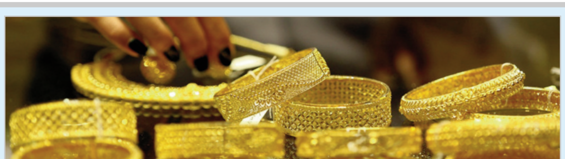

## देश के सर्राफा बाजार में सोना-चांदी के दामों में गिरावट

**- 91000 हजार से नीचे आया 22 कैरेट सोना, प्रति किलोग्राम चांदी 1,13,165 रुपए**

**नई दिल्ली ।** भारतीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने का भाव 99,146 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले दिन की तुलना में 477 रुपये सस्ता हुआ है। इसी प्रकार 995 शुद्धता वाला सोना 98,749 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जो 475 रुपये की कमी दर्शाता है। 22 कैरेट यानी 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 90,818 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो पिछले भाव से 437 रुपये नीचे है। 18 कैरेट (750 शुद्धता) सोने का भाव 74,360 रुपये और 14 कैरेट (585 शुद्धता) सोने का भाव 58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज हुई है। प्रति किलोग्राम चांदी का भाव 1,13,165 रुपये हो गया है, जो सोमवार के 1,14,050 रुपये के मुकाबले 885 रुपये सस्ता है। ये कीमतें जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना हैं, जो ज्वेलरी खरीदते समय अलग से लगते हैं। भारत में सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव वैश्विक बाजार और डॉलर की स्थिति के हिसाब से नियमित होता रहता है।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए जबकि 951 शेयरों में गिरावट रही**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। वीकली एक्पायरी से भी बाजार ऊपर आया। आज मिड कैप और स्मालकैप शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 370.64 अंक बढ़कर 81,644.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 103.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,980.65 अंक पर बंद हुआ। आज एनएसई पर 3,077 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें से 2,031 शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए जबकि 951 शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा 95 शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं आया। आज टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो के शेयरों में तेजी रही जबकि डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, हिंडाल्को, सिप्ला, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर गिरे। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार लगातार दो दिन बाजार में उछाल आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई उछाल के कारण देखी गई, जो जियो द्वारा टैरिफ दरें बढ़ाए जाने के बाद आया। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार को सपोर्ट मिला। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 81,319 पर खुला। सुबह शुरुआत में यह 197.96 अंक चढ़कर 81,471.71 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 24,891 के स्तर पर खुला और 39.30 अंक की बढ़त के साथ 24,914 पर कारोबार कर रहा था। वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में गिरावट दर्ज की गई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.33 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.04 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.08 फीसदी नीचे रहे। अमेरिका के बाजार सोमवार को लगभग स्थिर रहे। एसएंडपी 500 फ्लैट बंद हुआ जबकि डॉव जोंस में 0.07 फीसदी की गिरावट आई।

## में खुलेगा देश का पहला जस्ता अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र

**नई दिल्ली ।** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल), जो वेदांता समूह की एक प्रमुख कंपनी है, ने देश का पहला जस्ता धातु अपशिष्ट पुनर्प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। यह संयंत्र राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के रामपुरा अगुचा क्षेत्र में लगाया जाएगा। एचजेडएल के निदेशक मंडल ने इस परियोजना के लिए 3,823 करोड़ रुपये तक के निवेश को मंजूरी दी है। यह संयंत्र एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता वाला होगा और इसके निर्माण में लगभग 28 महीने लगने की उम्मीद है। एचजेडएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना कंपनी की दीर्घकालिक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उत्पादन क्षमता को दोगुना करना है। संयंत्र में वैश्विक विशेषज्ञों की भागीदारी से तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है, जिससे पुराने खनन अपशिष्ट से जस्ता और चांदी जैसी कीमती धातुएं दोबारा प्राप्त की जा सकेंगी।कंपनी ने पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश से 2.5 लाख टन वार्षिक परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता बढ़ाने और खनिज प्रसंस्करण अवसंरचना को उन्नत करने की योजना मंजूर की हुई है।

## आइनॉक्स विंड ने आईआरएसएल में 175 करोड़ की हिस्सेदारी बेची

**नई दिल्ली ।** भारत की अग्रणी पवन ऊर्जा कंपनी आइनॉक्स विंड लिमिटेड ने अपनी ईपीसी अनुषंगी कंपनी, आइनॉक्स रिन्यूएबल सॉल्यूशंस लिमिटेड (आईआरएसएल) में 175 करोड़ की हिस्सेदारी 7,400 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर निवेशकों को बेच दी है। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि हाल ही में आईआरएसएल के प्रस्तावित विलय को शेयर बाजारों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है, जिससे यह सौदा आगे बढ़ा। आइनॉक्स विंड लिमिटेड 12 अरब डॉलर के आइनॉक्सजीएफएल समूह का हिस्सा है, जो नौ दशकों से रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सक्रिय है। यह निवेश भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और आइनॉक्स समूह की विस्तार रणनीति को मजबूती देता है। इस सौदे से कंपनी को वित्तीय मजबूती मिलेगी और भविष्य में विकास के नए अवसर खुलेंगे।

# एलआईसी हाउं सिंग फाइनेंस ने 500 फीसदी का डिविडेंड घोषित किया

**- कंपनी के इतिहास में 2010 के बाद पहली बार सबसे बड़ा डिविडेंड है**

**नई दिल्ली ।**

बीएसई 500 में शामिल एलआईसी हाउे सिंग फाइनेंस ने अपने निवेशकों को इस बार एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने 10 रुपए प्रति शेयर यानी 500 फीसदी का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है, जो कंपनी के इतिहास में 2010 के बाद पहली बार सबसे बड़ा डिविडेंड है। यह डिविडेंड एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रमोटर एलआईसी की मजबूत वित्तीय स्थिति और निवेशकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी ने डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 22 अगस्त तय की है। इसका मतलब यह है कि 22 अगस्त तक जिन निवेशकों के पास एलआईसी के शेयर होंगे, वे इस डिविडेंड के हकदार होंगे। इसके बाद शेयर खरीदने वाले निवेशकों को डिविडेंड नहीं मिलेगा। कंपनी की 36वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 29 अगस्त को होगी, जिसमें शेयरधारक इस डिविडेंड की मंजूरी देंगे। एजीएम के बाद अगले 30 दिनों के भीतर डिविडेंड की राशि योग्य निवेशकों के खातों में जमा कर दी जाएगी। सोमवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई पर 0.19 फीसदी गिरकर 567.75 पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी का स्टॉक पिछले एक साल में लगभग 14 फीसदी का निगेटिव रिटर्न देने के बावजूद, लॉन्ग टर्म निवेशकों को अच्छा लाभ पहुंचा चुका है। पिछले दो वर्षों में शेयर ने 37, तीन वर्षों में 43, और पांच वर्षों में 112 फीसदी का रिटर्न दिया है।

## मध्यम दर्जे के पेशेवर एआई को अपनाने के लिए तैयार: रिपोर्ट

**मुंबई।** भारत में कार्यस्थल पर तकनीकी बदलाव की लहर को अब मध्यम दर्जे के पेशेवर नेतृत्व दे रहे हैं। 35 से 54 वर्ष आयु वर्ग के कर्मचारी न केवल कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए तैयार हैं, बल्कि इसमें विशेषज्ञता हासिल करने हेतु सक्रिय रूप से प्रशिक्षण के अवसर भी तलाश रहे हैं। एक जॉब वेबसाइट द्वारा जारी वर्क अहेड रिपोर्ट के अनुसार, 56 फीसदी मध्यम दर्जे के पेशेवरों का मानना है कि भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए उन्हें और प्रशिक्षण की जरूरत है। इसके विपरीत, केवल 41 फीसदी युवा पेशेवर (18-24 वर्ष) ही ऐसा सोचते हैं। रिपोर्ट बताती है कि इस आयु वर्ग के 49 फीसदी पेशेवर खुद को एआई से लैस कार्यस्थलों में काम करने के लिए तैयार मानते हैं, जो युवाओं की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वास दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का कार्यबल खासकर मध्यम वर्ग के कर्मचारी न सिर्फ बदलाव से तालमेल बैठा रहे हैं, बल्कि बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं। वे 'एजेंटिक एआई' यानी ऐसे सिस्टम जो स्वायत्त रूप से निर्णय ले सकते हैं, के प्रति भी खास रुचि दिखा रहे हैं। सर्वे में शामिल 3,001 कर्मचारियों में से 29 फीसदी ने कहा कि वे अपनी शर्तों पर कौशल उन्नयन के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग विकल्प खोज रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार एआई से संबंधित कौशल भविष्य में वेतन वृद्धि, पदोन्नति और करियर की नई संभावनाओं की कुंजी बनेंगे।

# आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

ललित गर्ग

**जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है।**

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है। जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। 'पर्युषण' का शाब्दिक अर्थ है- अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना। इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगस्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे। इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा।

पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है-आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी 'दशलक्षण पर्व' के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धमार्नुष्ठान करते नजर आते हैं।

पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है। यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वास्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है।

पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 'क्षमावाणी' का आयोजन होता है, जिसे 'क्षमा दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है-'मिच्छामि दुक्कडम्' अर्थात् यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पीड़ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है। पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है।

पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है 'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन'-'श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-'मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है। इस तथ्य को सामने रखकर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बने और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करे। परलोक सुधारने की भूलभुलैया में प्रवेश करने से पहले इस जीवन की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। धर्म की दिशा में प्रस्थान करने के लिए यही रास्ता निरापद है और यही इस पर्व की सार्थकता का आधार है, प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरूआत की जाती है। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

## संपादकीय

### दलील पर दलील

बिहार में वोट अधिकार यात्रा कर राहुल गांधी जिस वक्त वोट चोरी का आरोप मढ़ रहे थे, ठीक उसी वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दिल्ली में जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर रहे थे। उन्होंने प्रेस कांफ्रेस के मार्फत से राहुल के सवालों का जवाब देते हुए आरोपों को बेबुनियादी ठहराया। बिना हलफनामा दाखिल किए, इनकी जांच नहीं होने की बात करते हुए ज्ञानेश ने कहा, यदि राहुल सात दिन के भीतर माफी नहीं मांगते तो इन आरोपों को बेबुनियादी समझा जाएगा। गांधी ने आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाते हुए पांच सवाल किए थे। जिनमें चुनाव आयोग द्वारा बड़े पैमाने में वोटर लिस्ट में फजीर्वाड़ा करने, भाजपा के एजेंट की तरह काम करने, मतदान के वीडियो सबूत नष्ट करनेडिजिटल फॉम्रेट में मतदाता सूची न मुहैया कराने व विपक्ष के सवालों के जवाब की बजाए उसे धमकाने के कारण पूछे थे। इसमें बिहार में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर भी सवाल शामिल थे। आयोग का दावा है कि वह मजबूती से मतदाताओं के साथ खड़ा है। कुमार ने वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग को करोड़ों मतदाताओं व लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला बताया। आयोग का दावा है कि देश के तीन लाख नागरिकों की एपिक संख्या मिलती-जुलती है। जिसके संज्ञान में आते ही बदलाव किया गया। कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह बात करने का आरोप लगाते हुए संवैधानिक रूप से दायित्व निभाने की सलाह दी। बेशक अपनी पहली प्रेस कांफ्रेस में मुख्य संवैधानिक संस्था के मुखिया की बजाए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह बात करके ज्ञानेश विपक्ष के आरोपों के सटीक जवाब देने से बचते नजर आए। जल्दबाजी में उठाए गए उनके इस कदम से नाराज विपक्ष ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। ध्यान देने वाली है कि मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्तों को अधिनियम 2023 के अनुसार उसी आधार पर हटाया जा सकता है, जिस आधार पर न्यायाधीश को हटाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष के पास इसे पारित कराने भर की संख्या नहीं है, मगर अपनी दलील की पुष्टि के लिए वे सार्वजनिक मंच से विरोध करने में सफल होते नजर आना चाहेंगे। शीर्ष अदालत में मामला होन के चलते दोनों पक्षों को किसी तरह के आरापों-प्रत्यारोपों पर लगाम लगानी चाहिए।

## चिंतन-मनन

### प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं। वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित्त उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं। अपनी नाव अपने बलबूते खेते हैं और उसमें बिठाकर अन्यों को भी पार करते हैं। कारखानों के व्यवस्थापक और शासनाध्यक्ष प्रायः इन्हीं विशेषताओं से सम्पन्न होते हैं। बोलचाल की भाषा में उन्हें ही प्रतिभावान कहते हैं।सबसे ऊंची श्रेणी देवमानवों की है, जिन्हें महापुरुष भी कहते हैं। प्रतिभा तो उनमें भरपूर होती हैं, पर वे उसका उपयोग आत्म परिष्कार से लेकर लोकमंगल तक उच्च स्तरीय प्रयोजनों में लगाते हैं। निजी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के बजाय अपने शक्ति भंडार को परमार्थ में लगाते हैं। किसी देश की सच्ची संपदा वे ही समझे जाते हैं। वे अपने कार्य क्षेत्र को नंदनवन जैसा सुवासित करते हैं। जहां भी बादलों की तरह बरसते हैं, वहीं मखमली हरीतिमा का फर्श बिछा देते हैं और वसंत की तरह अवतरित होते हैं।

# अक्षय ऊर्जाः असीम शक्ति, स्वच्छ भविष्य

योगेश कुमार गोयल

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा... पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्त्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्त्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्व के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्त्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्त्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्त्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्त्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्त्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

# मुद्दा : कार्यस्थल पर मयार्दा ही असली परीक्षा

प्रियंका सौरभ

शिक्षण संस्थान केवल पढ़ाई-लिखाई की जगह नहीं होते, बल्कि समाज का आईना और भविष्य का निर्माण स्थल होते हैं। यहां का वातावरण सीधे तौर पर बच्चों की सोच, शिक्षकों की प्रेरणा और पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।

एक स्वस्थ और सम्मानजनक कार्यस्थल कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना कि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें, किसी भी संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाल के वर्षो में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां महिला शिक्षिकाओं ने अपने ही सहयोगियों या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार, अशोभनीय संदेश और निजी तौर पर अनुचित हरकतों की शिकायत की है। देशभर से समय-समय पर ऐसी खबरें आती रही हैं-कभी खाली पीरियड में एकांत में लंबी बातचीत, कभी व्यक्तिगत नंबर पर अनावश्यक और निजी संदेश, कभी नजर और शब्दों से अपमानजनक संकेत, तो कभी काम में मदद या पदोन्नित के बदले अनुचित मांग। ये सब केवल व्यक्तिगत आचरण की गड़बड़ी नहीं हैं, बल्कि कार्यस्थल की गरिमा और सुरक्षा को तोड़ने वाली गंभीर प्रवृत्तियां हैं। ऐसी घटनाएं केवल एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि पूरे वातावरण को विषैला बना देती हैं। असुरक्षा का भाव महिला शिक्षिकाओं के आत्मविास को कमजोर करता है। महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत में यौन उत्पीड़न (कार्यस्थल पर) अधिनियम, 2013 यानी 'पॉश अधिनियम' लागू है। इसके तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जिसकी अध्यक्ष महिला हो और आधे से अधिक सदस्य महिलाएं हों। शिकायत दर्ज होने पर सात कार्य दिवस में प्रारंभिक सुनवाई और नब्बे दिनों में जांच पूरी करनी होती है। दोषी पाए जाने पर प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। शिकायतकर्ता के साथ किसी भी प्रकार के प्रतिशोध को रोकना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से, अनेक स्थानों पर यह समिति केवल कागजों में ही सीमित रहती है।

समाधान केवल सजा देने में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। इसके लिए कुछ बुनियादी कदम हर शैक्षणिक संस्थान में तुरंत लागू किए जाने चाहिए। महिला शिक्षिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित स्टाफ रूम होना चाहिए, ताकि वे अपने कार्य से जुड़ी चचार्एं और आवश्यक बातचीत आराम से कर सकें। महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था हो। परिसर के प्रमुख स्थानों, गलियारों, प्रवेश-द्वारों, खेल के मैदान और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और वे हमेशा सक्रिय रहें। फुटेज को कम से कम नब्बे दिनों तक सुरक्षित रखा जाए और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही उसकी पहुंच हो।

खाली पीरियड में महिला और पुरु ष शिक्षक अपने-अपने स्टाफ रूम में ही रहें। बिना किसी औपचारिक कार्य के, एकांत में लंबे समय तक बैठना या बातचीत करना प्रतिबंधित हो। शिक्षकों और सहकमिर्यों के बीच निजी संदेश केवल कार्य संबंधी हों और वह भी कार्य समय में ही भेजे जाएं। संस्थान में ऐसा गोपनीय तंत्र हो जहां पीड़ित बिना डर और शर्म के शिकायत दर्ज करा सके। यह ऑनलाइन पोर्टल, सीलबंद शिकायत बॉक्स या हेल्पलाइन नंबर के रूप में हो सकता है। शिकायत आने पर तुरंत जांच हो, आरोपी और पीड़ित को अलग किया जाए और दोषी पाए जाने पर बिना देरी कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता की गोपनीयता की रक्षा संस्थान की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। महिला सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मामला नहीं है, यह सामाजिक सोच का भी मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि कार्यस्थल पर सम्मान, मयार्दा और सीमाएं क्या होती हैं। स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता और आत्मसम्मान पर आधारित विशेष कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए।

समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा किसी एक वर्ग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश की गरिमा का प्रश्न है। सुरक्षित कैंपस और सम्मानजनक

कार्यस्थल कोई आदशवार्दी कल्पना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की विसनीयता का आधार है। यह केवल महिला का मुद्दा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का मुद्दा है जो अपने कार्यस्थल को गरिमा और मयार्दा से भरपूर देखना चाहता है।

अगर हम अब भी चुप रहे तो अगली घटना का इंतजार करना पड़ेगा और तब तक किसी का आत्मविश्वास, किसी का करियर और किसी की जिंदगी बर्बाद हो चुकी होगी। अब समय है चुप्पी तोड़ने का-नियम बनाने का, उन्हें कड़ाई से लागू करने का और हर शैक्षणिक संस्थान को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने का। यह हर शिक्षक, हर कर्मचारी, हर छात्र और पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तभी हम आने वाली पीढ़ी को न केवल किताबों का ज्ञान, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सीख-सम्मान और सुरक्षा-भी दे पाएंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ में हुई मौतों पर जताया दुख

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान में हाल ही में आई अचानक बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

### मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी प्रांत मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने गवर्नर माउरा टी हीलेय का आभार जताया। भारतीय दूतावास ने कहा कि इस फैसले से भारतीय-अमेरिकी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सम्मान करता है और भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मैत्री के बंधन को और गहरा करता है।

### कांगो : नॉर्थ किवु में आतंकियों ने की 30 की हत्या

**किंशासा, एजेंसी।** कांगो के नॉर्थ किवु इलाके में आतंकियों ने बड़ी हिंसा को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक, बापेरे गांव में बुधवार से शुक्रवार तक हुए हमलों में कम से कम 30 लोगों की हत्या कर दी गई है। वहीं, करीब 100 लोगों को बंधक बना लिया गया है। स्थानीय सेना और प्रशासन ने इस घटना की पुष्टि की है। लुबेरो इलाके के सैन्य प्रशासक कर्नल एलेन किवावा ने बताया कि आतंकियों ने लोगों पर धारदार हथियारों से हमला किया। कई घरों को भी जला दिया गया। नागरिक समाज संगठन के नेता सैमुअल कहेनी ने कहा कि अधिकांश लोगों की हत्या चाकुओं और मचेटियों से की गई। यह हमला पिछले महीने इतुरी प्रांत में हुए हमले जैसा ही है, जिसमें करीब 40 लोग मारे गए थे। हमलों के पीछे इस्लामिक स्टेट से जुड़े एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) का हाथ बताया जा रहा है।

### पाकिस्तान के मंत्री ने फिर बिना सबूत भारतीय विमानों को गिराने का किया दावा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के एक मंत्री ने फिर से बिना सबूत गत मई में दोनों देशों के बीच संघर्ष में छह भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर चुके हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने रविवार को दावा किया कि इस्लामाबाद ने इस मामले में यह तय किया था कि बिना ठोस सबूत के इसके बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं करेगा। नकवी ने हालांकि यह नहीं बताया कि पाकिस्तान इससे जुड़े सबूत को कब सार्वजनिक करेगा। नकवी ने यह भी हास्यास्पद दावा किया कि संघर्ष के दौरान भारतीय मिसाइलों के हमले में पाकिस्तान के किसी महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचा।

### इराक में आईएसआईएस के नरसंहार का दर्दनाक सच, मोसुल के पास सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू

**मोसुल, एजेंसी।** इराक में अधिकारियों ने मोसुल शहर के पास अल-ख़ाफ़सा इलाके में एक सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह कब्र आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) आतंकियों द्वारा एक दशक पहले किए गए नरसंहार से जुड़ी हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन, न्यायपालिका, फॉरेंसिक टीम, शहीद फाउंडेशन और मास ग्रेव डायरेक्टोरेट मिलकर इस काम को अंजाम दे रहे हैं। इराक की शहीद फाउंडेशन के मास ग्रेव विभाग के प्रमुख अहमद क़ुसै अल-असदी ने बताया कि यह खुदाई 9 अगस्त को नीनवे प्रांत के गवर्नर अब्दुलकादिर अल-दाखिल के अनुरोध पर शुरू की गई। फिलहाल शुरुआती चरण में सतह पर दिखाई देने वाले मानव अवशेष और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

# सुरक्षा गारंटी मिलने की बात से जेलेंस्की खुश

## मैक्रों बोले- यूक्रेन को छोड़ने होंगे हारे हुए इलाके

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात से पहले जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों के नेताओं से बात की। इस बातचीत के बाद जेलेंस्की ने अमेरिका द्वारा सुरक्षा गारंटी दिए जाने के फैसले पर खुशी जाहिर की। साथ ही जेलेंस्की ने शांति समझौते के लिए अमेरिका, रूस और यूक्रेन का एक त्रि-स्तरीय ढांचा बनाने की अपील की, ताकि विभिन्न मुद्दों पर सहमति बन सके।

सुरक्षा गारंटी देने के अमेरिकी फैसले से जेलेंस्की खुश

जेलेंस्की ने कहा कि सभी ने इस बात का समर्थन किया है कि अहम मुद्दों को सुलझाने के लिए यूक्रेन को सीधे तौर पर बातचीत में शामिल करना चाहिए। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने का फैसला ऐतिहासिक है। हालांकि यह व्यवहारिक होना चाहिए और इससे यूक्रेन को जमीन के साथ ही वायु और समुद्र में भी सुरक्षा मिलनी चाहिए। साथ ही इसमें यूरोप को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से ये भी अपील की कि वे 2022 की तरह ही एकजुट रहें। उन्होंने कहा कि असल शांति के लिए यूरोप का एकजुट रहना जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष सलाहकार स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि अलास्का में हुई बैठक में रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने की बात पर सहमत दिखे।

**रूस ने भी मांगी सुरक्षा गारंटी:** वहीं रूस ने कहा है कि जिस तरह से यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दी जा रही है, उसी तरह से पश्चिमी देश रूस को भी सुरक्षा गारंटी दें। रूस के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि विएना मिखाइल उलेनोव ने कहा कि कई यूरोपीय नेता शांति समझौते के तहत यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने के पक्ष में हैं। रूस इससे सहमत है, लेकिन रूस का भी ये अधिकार है कि उसे भी सुरक्षा गारंटी मिलनी चाहिए। उलेनोव ने चेताया कि पश्चिमी देश सुरक्षा गारंटी को लेकर रूस के साथ बातचीत शुरू न करके गलती कर रहे हैं।

**मैक्रों बोले- यूक्रेन को छोड़ने होंगे हारे हुए इलाके :** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि यूक्रेन को अगर रूस के साथ शांति समझौता करना है तो उसे आखिरकार हारे हुए इलाके छोड़ने के लिए राजी होना ही पड़ेगा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मैक्रों ने ये बात कही। मैक्रों ने ये भी कहा कि उनका देश यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्होंने यूक्रेन को मिलने जा रही संभावित सुरक्षा गारंटी का भी समर्थन किया और इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

# पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, पूरे के पूरे गांव बर्बाद 1000 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान ने बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। बाढ़ की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) मामलों के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने हालात पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ में लगभग 1,000 लोगों की मौत होने की आशंका है।

वली ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। बड़े पैमाने पर तबाही देखी है। उन्होंने कहा, पूरे गांव बर्बाद हो गए हैं। बुनेर के चघरजी इलाके में भारी तबाही हुई है। बशोनी गांव पूरी तरह से नक्शे से गायब हो गया है। बाढ़ के पानी में बहकर आए कुछ पत्थर ट्रकों से भी बड़े थे। नदी किनारे बसे घर गायब हैं। पूरे के पूरे परिवार बह गए हैं। किसी की कोई खोज खबर नहीं है।

उन्होंने खुलासा किया कि आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित हैं। अब तक लगभग 600 से ज्यादा शव बरामद हुए हैं। हालांकि, कई और हताहतों की सूचना अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने आंशका जताई कि अकेले दीर में ही मौतों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

**657 लोगों की मौत, 929 अन्य घायल :** पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, 26 जून से अब तक पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में 392 पुरुषों सहित कम से कम 657 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 929 अन्य घायल हुए हैं। कुल मृतकों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं थीं। घायलों में 437 पुरुष, 256 बच्चे और 236 महिलाएं हैं।

**अभी कैसे हैं हालात? :** एनडीएमए ने बताया कि मौतें मूसलाधार मानसूनी बारिश, अचानक आई बाढ़ और संबंधित आपदाओं के कारण हुईं। उसने यह भी कहा कि वह सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं। केपी में 245 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 161 पुरुष, 45 बच्चे और 39 महिलाएं शामिल हैं।

**संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दुख जताया :** इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। महासचिव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

## चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

**बीजिंग, एजेंसी।** भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया।

यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था।

**भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती :** भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।

हक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल एआई की परिकल्पना को भी विस्तार से समझाया और एफआईपीएससी सदस्यों से सस्ते एआई उपकरणों के विकास में सहयोग का आग्रह किया। एफआईपीएससी के कई सदस्यों ने एमएसएमई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रस्तुति दी और भारतीय उद्यमियों के लिए व्यापार अवसरों पर सुझाव दिए।

# भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास से नेपाल को मिला लाभ, रिश्ते और मजबूत बनाएगा, राष्ट्रपति पौडल ने जताई मंशा

**काठमांडो, एजेंसी।** भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति पौडल ने मिस्री से कहा कि भारत उभरती अंतरराष्ट्रीय शक्ति के तौर पर सामाजिक, आर्थिक व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है, जिसका लाभ नेपाल को भी मिला है।

राष्ट्रपति पौडल ने यह भी कहा कि नेपाल भविष्य में पड़ोसी देश की प्रगति से और भी लाभान्वित होने की इच्छा रखता है। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के मुताबिक, पौडेल ने कहा भारत-नेपाल के बीच सदियों से सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। ये सार्वभौमिक समानता, मैत्रीपूर्ण सहयोग, आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित रहे हैं। नेपाल ने हमेशा भारत के साथ संबंधों को उच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने भारत सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति की सराहना करते हुए कहा कि नेपाल इस नीति को महत्व देता है। बातचीत के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने भी आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति के अनुसार नेपाल, भारत की पड़ोसी प्राथमिकताओं में सर्वोच्च स्थान पर है। मिस्री ने प्रधानमंत्री ओली के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के बारे में जानकारी दी।

**द्विपक्षीय हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा :** मिस्री दो दिन की यात्रा पर रविवार सुबह ही काठमांडो पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के अलावा विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा, नेपाली कांग्रेस के सभापति शेरबहादुर देउबा से भी मुलाकात की। वह नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड से मिलने खुमलटार स्थित उनके निवास पहुंचे। नेपाली नेताओं के साथ मिस्री की मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

**ओली ने भारत यात्रा के न्योते पर पीएम मोदी का आभार जताया :** विदेश सचिव मिस्री का दो दिवसीय नेपाल दौरा प्रधानमंत्री ओली की आगामी भारत यात्रा की तैयारियों का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ओली के सचिवालय के अनुसार, भारतीय विदेश सचिव ने ओली से शिष्टाचार भेंट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से औपचारिक भारत भ्रमण का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ओली ने इस निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

# होटल में ही व्लादिमीर पुतिन से मीटिंग के दस्तावेज भूल आई डोनाल्ड ट्रंप की टीम

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** व्लादिमीर पुतिन के साथ 15 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में मीटिंग हुई थी। दुनिया के दो महाशक्ति देशों के नेताओं की मीटिंग अलास्का के एक होटल कैप्टन कुक में लंबी चली और यूक्रेन के मसले पर गंभीर चर्चा हुई। इस मीटिंग में आगे बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी है और जल्दी ही इसके बारे में कुछ ऐलान हो सकता है। इस बीच एक दिलचस्प जानकारी हक्क्रकी रिपोर्ट में दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप की टीम होटल कैप्टन कुक में ही समिट से जुड़े दस्तावेज भूल आई। ये डॉक्युमेंट्स होटल के एक प्रिंटर के ऊपर पाए गए। यह होटल अलास्का में एल्मेनडॉर्फ-रिचर्डसन बेस के पास स्थित है।

इन दस्तावेजों में दोनों नेताओं की मीटिंग के शेड्यूल, उनके लंच के मेन्यू और अन्य चीजों के बारे में जानकारी दी गई थी। वहीं इस रिपोर्ट को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने गंभीर नहीं माना है और कहा कि उन दस्तावेजों में ऐसा कुछ नहीं था, जिसके लीक होने से कोई चिंता की स्थिति हो। एक अधिकारी ने कहा कि हक्क्रने अपनी रिपोर्ट में रूसी राष्ट्रपति को दिए गए लंच के मेन्यू की बात की है। इसमें क्या है। ऐसी तो कोई बात नहीं है, जो कॉन्फिडेंशियल हो। ये दस्तावेज होटल में आए एक गेस्ट को प्रिंटर के ऊपर रखे मिले थे। गेस्ट ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर एनपीआर को वे सौंपे थे।

इन दस्तावेजों में मुलाकात के हर इवेंट्स की जानकारी दी गई थी। इसके अलावा यह भी बताया गया था कि कब पुतिन, ट्रंप और उनके सलाहकारों की मीटिंग होगी। इसके अलावा लंच मेन्यू की जानकारी भी इन दस्तावेजों में दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार व्लादिमीर पुतिन के लंच मेन्यू में ग्रीन सलाद, हैलिबट ओलिंपिया और कुछ अन्य व्यंजन शामिल किए गए थे। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच मीटिंग बहुत लंबी नहीं खिंची। यहां तक कि जब दोनों मीटिंग के बाद निकले तो कुछ मिनटों की ही प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई और दोनों नेताओं ने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया।इस बीच दस्तावेजों के बाहर आने की जानकारी मिली तो वाइट हाउस और विदेश मंत्रालय का कहना है कि इसमें कुछ बड़ी बात नहीं थी। यही था कि किसका लंच मेन्यू क्या है। हालांकि हक्क्रकी रिपोर्ट में बताया गया था कि इन दस्तावेजों में अमेरिकी अधिकारियों के नंबर भी शामिल थे। इस पर वाइट हाउस ने कहा कि आखिर रूसियों के पास अमेरिका के किस अधिकारी का नंबर नहीं है।

### गाजा में तबाही मचा रही इजरायली सेना, हवाई हमले में हमास का ये बड़ा कमांडर ढ़ेर

**गाजा, एजेंसी।** गाजा पर इज़राइल का कब्ज़ा अब लगभग तय माना जा रहा है। हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में इज़राइली सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच, दक्षिणी गाजा में वरिष्ठ हमास कमांडर नासिर मूसा की हत्या के बाद भी आईडीएफ अपने हमले जारी रखे हुए है। ताज़ा हमला एक स्कूल पर हुआ जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस हमले में 37 लोग मारे गए, जिनमें कई महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

गाजा की सड़कों पर सिर्फ़ मलबा और तबाही ही नज़र आ रही है। इज़राइली लड़ाकू विमानों ने राफ़ा ब्रिगेड के प्रमुख आतंकवादी नासिर मूसा को हवाई हमले में मार गिराया। मूसा हमास आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता था और इज़राइल में कई हमलों का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा, इज़राइली सेना ने खान यूनिस में एक इमारत को भी निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल हमास रॉकेट रखने के लिए करता था।

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को गाजा पट्टी पर कब्ज़ा करने की पूरी इजाज़त दे दी है। उन्होंने कहा है कि यह युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा और बंधकों को हर कीमत पर रिहा किया जाएगा। हालाँकि, दुनिया के कई देश इस कार्रवाई को गाजा के अंत का संकेत मान रहे हैं। वहीं, कई देशों ने इज़राइल के ख़िलाफ़ कदम उठाते हुए फ़िलिस्तीन राज्य को मान्यता भी दे दी है।

इस समय गाज़ा में स्थिति बेहद भयावह है। पिछले दो सालों में 61,827 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 1,55,275 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सिर्फ़ पिछले 24 घंटों में ही 51 लोगों की जान चली गई और 369 लोग घायल हुए हैं।

# अमेरिका की नागरिकता लेना अब आसान नहीं, पता लगाया जाएगा पूरा भूत-भविष्य, नया नोटिफिकेशन

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद इमिग्रेशन के नियम लगातार सख्त होते जा रहे हैं। अब अमेरिका की नागरिकता लेना आसान नहीं रह गया है। यूएस सिटिजनशिप ऐंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने ऐलान किया है कि अब नागरिकता के लिए अप्लाई करने वाले लोगों के नैतिक चरित्र का भी गहनता से मूल्यांकन किया जाएगा। अगर कोई शख्स चरित्र के मामले में भी खरा नहीं उतरता है तो बाकी योग्यता होने के बावजूद उसे नागरिकता नहीं मिलेगी।

यूएससीआईएस के नोटिफिकेशन में कहा या है, नेचुरलाइजेशन के लिए अच्छा चरित्र होना भी बेहद जरूरी है। अगर किसी को अमेरिका की नागरिकता चाहिए तो उसका नैतिक चरित्र की पूरी जांच की जाएगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि अगर कोई नागरिकता के लिए अप्लाई करता है तो उसका गुड मोरल कैरेक्टर चेक गहनता से किया जाएगा। पांच साल तक का उसका पूरा रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। अगर वह इस पैमाने पर खरा उतरता है तभी नेचुरलाइजेशन हो पाएगा। बता दें के नेचुरलाइजेशन से मतलब किसी और देश में जन्म के बाद अन्य किसी देश की नागरिकता पाना है।

पहले उन लोगों का ही गुड मोरल कैरेक्टर चेक किया जाता था जिनका रिकॉर्ड अमेरिका में मौजूद नहीं रहता था। हत्या, गुंडागर्दी, नशे की आदत, ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे अपराधों को शामिल किया गया था। हालांकि अब इस क्राइटीरिया का और ज्यादा विस्तार कर दिया गया है। अब एजेंसी ने कहा कि यह सरसरे तरीके से नहीं की जा सकती। इसके लिए गहन जांच और व्यक्ति के व्यवहार के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठी करने की जरूरत है। अब आवेदनकर्ता के समाज में योगदान, आम लोगों से व्यवहार, परिवार की जिम्मेदारियां और पारिवारिक संबंधों की भी समीक्षा की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएससीआईएस यह भी पता लगाएगा कि व्यक्ति समाज में किस तरह रहता है, परिवार के लोगों के साथ संबंध कैसे हैं और उसकी शैक्षिक उपलब्धियां क्या-क्या हैं। इसके अलावा अमेरिका में रहने के दौरान किस तरह की नौकरी कर रहा था। उसकी नौकरी की गारंटी कीतनी है और वह समय पर टैक्स भर रहा है या नहीं। अगर कोई व्यक्ति टैक्स भरने में भी लापरवाही करता है तो उसकी नागरिकता लटक जाएगी।

## युगांडा की संसद में एसजीवीपी प्रमुख माधव स्वामी का अभिनंदन; भारत-अफ्रीका संबंध होंगे मजबूत

**कंपाला , एजेंसी।** माधव स्वामी अपनी सनातन संस्कृति और हिंदू जीवनशैली को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए निरंतर यात्रा करते हैं। इसी क्रम में वे अफ्रीकी महाद्वीप की यात्रा पर युगांडा पहुंचे। यह यात्रा भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का नया सात्विक सेतु निर्मित करेगी।

युगांडा में बड़ी संख्या में गुजराती समुदाय निवास करता है। युगांडा की संसद में उपसभापति डॉ. थॉमस तैयेब्वा के विशेष निमंत्रण पर राजधानी कंपाला पहुंचे माधव स्वामी का स्वागत खुद उपसभापति डॉ. थॉमस समेत अन्य सांसदों ने किया। हार्दिक स्वागत के बाद उन्हें सम्मानित भी किया गया।

युगांडा के सांसदों और सरकार के प्रतिनिधि उपसभापति महोदय के साथ माधव स्वामी ने इस विषय पर गहन चिंतन और चर्चा की कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार और अधिक स्वाभिमानी, सशक्त और संस्कारी बनाकर समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए तैयार किया जा सकता है। उपसभापति ने माधव स्वामी को युगांडा संसद भवन का भ्रमण कराया तथा उसकी विशेषताओं से अवगत कराया।

यह ऐतिहासिक यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भगवान श्री स्वामीनारायण द्वारा लिखी गई सर्वजीव हितावह शिक्षापत्री के दो सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह रचना समाज में मानवता के मूल्यों का बीज बोने वाली है। राजसत्ता और धर्मसत्ता की यह भेंट भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का एक नया सात्विक सेतु स्थापित करेगी।

# प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग

## हेल्थ प्लस

प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत व खानपान के लिए डॉक्टर की सलाह जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण है प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग। इसलिए अगर आप अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं, तो डॉक्टर से इसके बारे में कंसल्ट जरूर करें...

**स्वस्थ** शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले पति-पत्नी दोनों स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलकर इस संबंध में सारी बातें जान लें। जब आप अपना परिवार बढ़ाने की प्लानिंग करें, तब कम से कम तीन महीने पहले से आपको इसके लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

**खानपान**

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि गर्भधारण से पहले अपने खानपान की ओर खास ध्यान दें। रोजाना के भोजन में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों व मिल्क प्रॉडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं। अगर डायबिटीज या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री हो, तो डाइट में मीठे व नमक का सेवन कम कर दें। फ्राइड, स्पाइसी और फास्ट फूड से कुछ समय के लिए दूरी बना लें।

**सप्लीमेंट्स**

कंसीव करने के कम से कम तीन महीने पहले से डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉलिक एसिड का सेवन शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि सबसे पहले बच्चे के मस्तिष्क और उसकी रीढ की हड्डी का निर्माण शुरू होता है और इसे बनाने में फॉलिक एसिड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसकी कमी से बच्चे को नर्वस सिस्टम से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादातर स्त्रियों को एनीमिया की समस्या होती है। हीमॉग्लोबिन की कमी के कारण मां की जान को खतरा हो सकता है, अबॉर्शन हो सकता है, बच्चे में जन्मजात नुकस हो सकते हैं और बच्चे का विकास भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए यदि आप एनीमिक हैं, तो डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट व विटामिन बी 12 अवश्य लें।

**वैक्सीनेशन**

अगर किसी स्त्री को रूबेला का वैक्सीन नहीं लगा हो, तो कंसीव करने से पहले उसे यह टीका लगवा लेना चाहिए। सर्विक्स और हैपेटाइटिस की वैक्सीन भी यदि न लगी हो, तो वो भी लगवा लें। लेकिन ये वैक्सीन लगवाने के बाद कम से कम तीन महीने तक प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए।

**जनरल टैस्ट**

**एचआईवी:** पति-पत्नी दोनों के लिए एचआईवी टैस्ट करवाना जरूरी है, क्योंकि अगर मां एचआईवी पॉजीटिव हो, तो बच्चे को भी इसका खतरा रहता है।

**ब्लड ग्रुप:** पति-पत्नी दोनों के ब्लड ग्रुप्स की जांच होनी चाहिए। यदि स्त्री का ब्लड ग्रुप नैगेटिव हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान खास एहतियात बरतना पड़ता है।

**हैपेटाइटिस बी:** पति-पत्नी दोनों को हैपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए और इसके टीके भी जरूर लगवा लेने चाहिए।

**डायबिटीज:** स्त्री के लिए डायबिटीज की जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर मां को यह समस्या हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान मां व बच्चे दोनों को कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं।

**हाई ब्लड प्रैशर:** हाई ब्लड प्रैशर के कारण बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ता है व मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपका वजन अधिक है या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री है, तो पहले वजन कम करें।

**हाइपोथाइरॉइड:** हाइपोथाइरॉइड के कारण कंसीव करने में परेशानी हो सकती है, बच्चे की ग्रोथ व ब्रेन की डिवैलपमेंट पर असर पड़ सकता है और मिसकैरेज की संभावना भी बनी रहती है।

**सिफलिस:** कंसीव करने से पहले स्त्री के लिए सिफलिस की जांच जरूरी है, क्योंकि इससे डिलिवरी के समय कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

**आनुवांशिक बीमारियों की जांच**

अगर आपके या पति के परिवार में किसी खास बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही हो, तो उसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। गर्भधारण से पहले पति-पत्नी दोनों को थैलेसीमिया की जांच जरूर करवानी चाहिए। यह आनुवांशिक बीमारी है। अगर पति-पत्नी दोनों को माइनर थैलेसीमिया हो, तो बच्चे को मेजर थैलेसीमिया होने का खतरा होता है, जोकि एक गंभीर बीमारी है। इसमें रोगी को हर तीन महीने के अंतराल पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होती है।

**वजन करें नॉर्मल**

मां बनने की कोशिश करने से पहले हर स्त्री को अपने वजन पर ध्यान देना चाहिए। ओवरवेट या अत्यधिक दुबलेपन के कारण गर्भधारण में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अगर स्त्री का वजन बहुत ज्यादा हो, तो प्रीमेच्योर डिलिवरी की आशंका बनी रहती है, जबकि कम वजन के कारण प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

**लाइफ स्टाइल**

पति-पत्नी दोनों ही एल्कोहल और सिगरेट से दूर रहें। इनके सेवन से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम हो जाता है। इससे शारीरिक व मानसिक रूप से विकृत शिशु के जन्म या मिसकैरेज की आशंका रहती है।

**...अगर ले रही हों कंट्रासैप्टिव**

गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के दौरान रोजाना एक गोली फॉलिक एसिड की जरूर लेनी चाहिए। जब कंसीव करने की इच्छा हो, तो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन बंद कर देना चाहिए, पर फॉलिक एसिड की गोली लेते रहें।

**मत छिपाएं कोई बात**

बच्चे की प्लानिंग करते समय यदि किसी भी हैल्थ प्रॉब्लम के लिए आप कोई मैडिसिन ले रही हैं, तो डॉक्टर को इसके बारे में जरूर बताएं। ये बच्चे की डिवैलपमेंट पर बुरा असर डाल सकती हैं। मैडिसिन का कोर्स पूरा होने के बाद ही कंसीव करने की प्लानिंग करें। अगर आप दोनों के परिवारों में से किसी को डाउन सिंड्रोम, डिप्रैशन या मनोवैज्ञानिक समस्या हो, तो डॉक्टर को जरूर बताएं। इनके कारण जन्म से पहले व बाद में भी शिशु और मां दोनों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

# शादी बढ़ाता है कैंसर से लड़ने की क्षमता

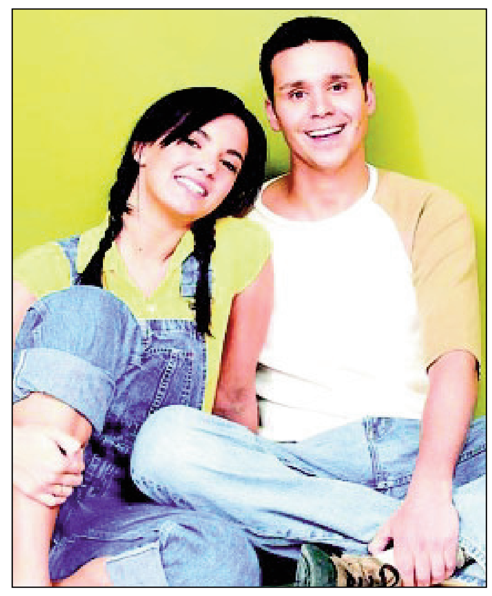

**संभवत:** विवाह टूटने का तनाव कैंसर से लड़ने की क्षमता कम करता है। एक नए शोध के अनुसार विवाहित लोगों में कैंसर का सामना करने की संभावना अधिक होती है, जबकि ऐसे लोगों के लिए कैंसर से बचना मुश्किल हो सकता है, जिनकी शादी टूटने की स्थिति में है। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ने 1973 से 2004 के बीच 38 लाख कैंसर रोगियों के आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद ये निष्कर्ष निकाला है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शादीशुदा कैंसर रोगियों की रोग होने के बाद पांच साल तक जीवित रह पाने की संभावना 63 फीसदी होती है। लेकिन इसकी तुलना में ऐसे विवाहित लोगों के कैंसर से पांच साल तक लड़ पाने की संभावना 45 फीसदी होती है जिनकी शादी टूटने के कगार पर है।

विज्ञान जर्नल कैंसर में प्रकाशित होनेवाली शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि संभवत: शादी टूटने के तनाव के कारण रोगियों की कैंसर से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इसके पहले भी शादी और सेहत को लेकर कई अध्ययन किए गए हैं। इनमें कई स्टडीज में पाया गया है कि जीवनसाथी का प्यार और साथ रोग से लड़ने के लिए बहुत जरूरी होता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान विवाहित, अविवाहित, विधवा-विधुर, तलाकशुदा और शादी टूटने की स्थिति वाले कैंसर रोगियों के बारे में स्टडी की और यह पता लगाने की कोशिश कि इनमें से कितने लोग कैंसर के बाद पांच से 10 साल तक जीवित रहे। उन्होंने पाया कि विवाहित व अविवाहित रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की संभावना सबसे अधिक रही। उनके बाद तलाकशुदा व विधवा-विधुर रोगियों का स्थान आता है।

इस शोध की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर ग्वेन स्प्रेन ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि कैंसर रोगियों में ऐसे लोगों पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए जिनकी शादी टूटने वाली है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिशा में और अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शादी टूटने की स्थिति वाले रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की क्षमता कम होने के और भी कई कारण हो सकते हैं।

# जब बात हो डिनर की

**भागदौड़** भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दम्पति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें।

डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्म्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कम्फर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 2561

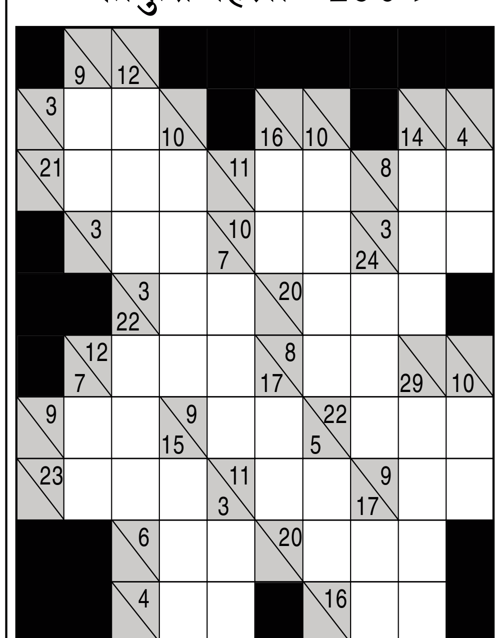

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

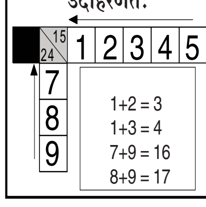

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

### काकुरो - 2560 का हल

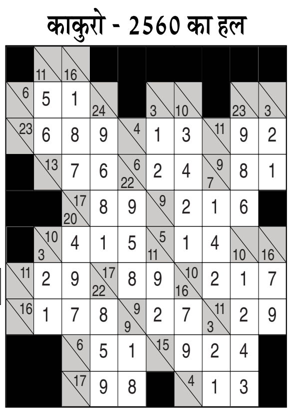

## लॉफिंग ज़ोन

पुलिस अधिकारी ने अभियुक्त से पूछा, 'क्या तुम लिख-पढ़ सकते हो?'

अभियुक्त ने कहा, 'लिख सकता हूं, पढ़ नहीं सकता.'

'अच्छा, इस कागज पर अपना नाम लिखो.' पुलिस अधिकारी ने उसे आदेश दिया. अभियुक्त ने कुछ आड़ी-तिरछी रेखाएं खीच दी. इस पर पुलिस अधिकारी ने खीझकर कहा, 'यह क्या लिखा है?'

अभियुक्त - 'सर, मैने पहले ही कहा था कि मै लिख सकता हूं, लेकिन पढ़ नहीं सकता.'

☺ ☺ ☺

रेलवे स्टेशन पर प्रेमी अपनी प्रेमिका को शादी के लिए मना रहा था. जब प्रेमिका नहीं मानी तो उसने खीझकर कहा, 'ठीक है, अगर तुम मुझसे शादी नहीं करोगी तो मै आने वाली गाड़ी से कटकर मर जाऊंगा.'

प्रेमिका ने भी सिर झटकते हुए कहा, 'पहले मुझे सोचने का समय तो दो. गाड़ी का क्या है वह तो हर आधे घंटे में आती है.'

☺ ☺ ☺

एक भिखारी ने महिला से कहा, 'बहन जी! इस गरीब लाचार की मदद करो.'

महिला ने जवाब दिया, 'लेकिन तुम्हारे हाथ-पैर तो सब सलामत है फिर तुम लाचार कैसे हो गये?'

भिखारी ने जवाब दिया, 'अपनी आदत से.'

## फिल्म वर्ग पहेली - 2561

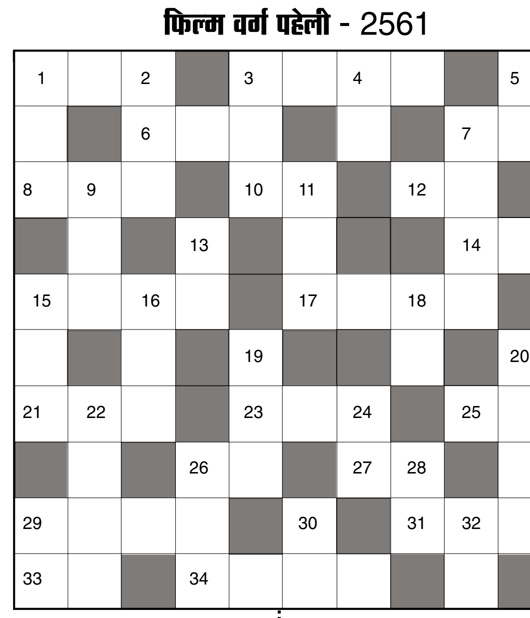

**बायें से दायें:-**

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

### फिल्म वर्ग पहेली - 2560

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं | जा | म | | जै | | बा | द | शा | ह |
| गा | | न | म | की | न | | म | | म |
| रे | खा | | हा | | गी | त | | ही | रा |
| | मो | ह | रा | | ना | रा | ज | | ज |
| | शी | | जा | नू | | जू | | फ | |
| स | | गो | | त | ब्बू | | दो | रा | स्ते |
| ती | स | रा | कौ | न | | बा | | र | |
| श | | | न | | जं | जी | र | | घा |
| शा | र | दा | | जं | ग | | क्ष | त्रि | य |
| ह | | सी | मा | | ल | | क | | ल |

## सूडोकु -2561

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2560 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

## शब्द पहेली - 2561

**बाएँ से दाएँ**

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

**ऊपर से नीचे**

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

### शब्द पहेली - 2560 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | ल | र | व | | | | मु | का | ब | ला |
| मी | | | त | म | त | मा | ना | | | ज |
| श | व | | न | या | | न | दी | | जी | वा |
| न | र | क | | न | म | क | | ख | रा | ब |
| | दा | म | न | | जा | | न | फा | | |
| | न | | ख | त | | म | न | | म | |
| | | सा | रा | | आ | | द | म | न | |
| अ | ना | र | | र | स | म | | त | ह | री |
| मा | ता | | ल | क | | सौ | त | | र | त |
| न | | | च | म | क | दा | र | | | स |
| त | क | दी | र | | | | ल | ल | का | र |

## साहिबगंज के बंगाली टोला में ईडी की छापेमारी

**एजेंसी**

**साहिबगंज।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम सुबह झारखंड के साहिबगंज में एक ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जीएसटी से जुड़े मामले को लेकर गोवा ब्रांच की ईडी टीम साहिबगंज के बंगाली टोला पहुंची है और बबलू कबाड़ी के ठिकाने पर कागजात खंगाल रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले बीती सात अगस्त को भी ईडी ने 750 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापेमारी की थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तीन राज्यों में 12 परिसरों पर छापेमारी की गयी थी।

## एबीवीआईएमएस में एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह का समापन

**नई दिल्ली।** अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान से संबद्ध राम मनोहर लोहिया अस्पताल में बीते 12 अगस्त से जारी एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह समाप्त हो गया। इस दौरान चिकित्सा निदेशक डॉ अशोक कुमार ने कहा, किसी छात्र या छात्रा द्वारा किसी नए छात्र या छात्रा को परेशान करना, अपमानित करना या उनके साथ दुर्व्यवहार करना एक अपराध है। ऐसा कोई कार्य न करें जो संस्थान के नियमों के विरुद्ध हो। सभी छात्र मिलजुलकर रहें और संस्थान के नियमों का पालन करें। उन्होंने 2025 की नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद संस्थान में दाखिला लेने वाले प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों का स्वागत किया और संस्थान में एक खुशहाल व रचनात्मक शिक्षण वातावरण प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। एंटी रैगिंग समिति के अध्यक्ष डॉ प्रो. दिनेश कुमार ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बड़े बच्चों के साथ समय बिताएं ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी की सूचना संस्थान के संकाय या रैगिंग समिति को दी जा सके। इस अवसर पर डीन डॉ आरती मारिया, चिकित्सा अधीक्षक डॉ विवेक दीवान और एंटी रैगिंग समिति की सचिव डॉ. पूजा अरोड़ा मौजूद रहे। इस दौरान रैगिंग विरोधी उपायों के प्रति जागरूकता लाने के लिए नारा लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी सहित कई गतिविधियां आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## अब ममता को नागवार गुजर रहा एम्स का मानसिक स्वास्थ्य सर्वे भी, कहा - इसके बहाने एनआरसी लागू करने की साजिश

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा किया जा रहा घर-घर मानसिक स्वास्थ्य सर्वे दरअसल राज्य में एनआरसी लागू करने की साजिश है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी सर्वे में बिना राज्य सरकार से पुष्टि किए हिस्सा न लें। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्य सचिवालय नवान्न में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि कई एजेंसियां अलग-अलग नाम से सर्वे कर रही हैं ताकि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार ऐसे किसी भी सर्वे के लिए जिम्मेदार नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मानसिक स्वास्थ्य सर्वे के नाम पर कल्याणी एम्स दरअसल एनआरसी के लिए सर्वे कर रहा है। यदि कोई संगठन आपके घर सर्वे करने आए तो पहले राज्य सरकार से इसकी पुष्टि करें। अपनी जानकारी केवल राज्य सरकार के अधिकारियों को ही दें। ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि कल्याणी एम्स किसी राजनीतिक दल के लिए अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, हमने एम्स को जमीन दी, हर तरह की मदद की और आगे भी करेंगे, लेकिन ऐसे खेल न खेलें। मानसिक स्वास्थ्य सर्वे राज्य के स्वास्थ्य विभाग का काम है, एम्स का नहीं।

## उज्जैन में धूमधाम से निकली बाबा महाकाल की सवारी, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में सोमवार को छठवीं और राजसी (शाही) सवारी धूमधाम से निकाली गई। सवारी के दौरान सम्पूर्ण उज्जयिनी भगवान श्री महाकालेश्वर की जय-जयकार से गुंजायमान हो गई। चारों दिशाओं में भगवान श्री महाकाल की भक्ति में लीन भक्तों के नेत्र त्रिनेत्रधारी भगवान श्री शिव की एक झलक पाकर भाव-विभोर हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सवारी के दौरान बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बाबा महाकाल से प्रदेशवासियों के कल्याण और मंगलमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में श्रावण मास में पूर्णिमा से पूर्णिमा तक महादेव की सवारियां निकलती हैं, लेकिन उत्तर और दक्षिण परम्पराओं के अनुसार भादवा (भाद्रपद) के दो सोमवार तक भी बाबा महाकाल की सवारी निकलती है।

## किश्तवाड़ में एक महिला का शव बरामद, बादल फटने की घटना में मरने वालों की संख्या 64 हुई

**एजेंसी**

**किश्तवाड़।** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चशोती गांव में बादल फटने की घटना के बाद से चल रहे बचाव और तलाशी अभियान में मंगलवार को एक और महिला का शव बरामद हुआ है, जिससे इस हादसे में मरने वालों की संख्या 64 हो गई है। व्यापक बचाव और राहत अभियान आज छठे दिन भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार के साथ तेज़ हुए तलाशी अभियान के बीच आज सुबह बचावकर्मियों ने सड़ी-गली लाश देखी और उसे बरामद कर लिया। खोजी कुत्तों ने एक ढहे हुए घर के मलबे के नीचे से एक अन्य पीड़ित के शरीर के निचले हिस्से को भी बरामद करने में मदद की, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि यह उस व्यक्ति के शव का हिस्सा है, जिसे त्रासदी के पहले दिन बरामद किया गया था।बचाव दल कई स्थानों पर खासकर लंगर (सामुदायिक रसोई) स्थल के पास मुख्य प्रभावित स्थान पर मलबे में जिंदगी की तलाश कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक एक और शव मिलने के साथ 14 अगस्त को मचैल माता मंदिर जाने वाले आखिरी गांव चशोती में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है। मृतकों में तीन सीआईएसएफ कर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि कुल 167 लोगों को बचाया गया है, जबकि सोमवार को सूची में नए सिरे से संशोधन के बाद लापता लोगों की संख्या घटकर 39 रह गई है। एसडीआरएफ के पुलिस उपाधीक्षक मसूफ अहमद मिर्जा ने कहा कि बचाव और राहत अभियान युद्धस्तर पर चल रहा है। इलाके की जांच के लिए एक टीम नीचे की ओर भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि बादल फटने का प्रभाव क्षेत्र बहुत बड़ा है, इसलिए इसमें समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि हमने ऊपर की ओर एक बड़े क्षेत्र को साफ कर दिया है और अब हम नीचे की ओर भी एक टीम भेज रहे हैं। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बल की पांच राहत टुकड़ियां बचाव और राहत कार्यों में लगी हुई हैं और अतिरिक्त चिकित्सा टीमों को तैनात करके प्रयासों को और तेज कर दिया गया है।

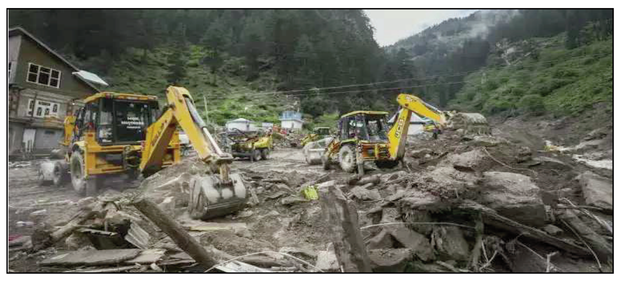

## भारत, चीन द्विपक्षीय संबंधों में चाहते हैं प्रगति : जयशंकर

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन द्विपीक्षीय संबंधों में आये कठिन दौर के बाद अब संबंधों को आगे बढ़ाना चाहते हैं , और इसके लिए दोनों देशों की ओर से स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। श्री जयशंकर भारत की यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ राजधानी में आयोजित बैठक में अपना प्रारंभिक वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे थे। अक्टूबर 2024 में कज़ान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद चीन के किसी मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। श्री जयशंकर ने कहा, ' हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद, अब हमारे दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।÷ उन्होंने भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 24वें दौर की इस वार्ता में श्री वांग यी और उनके साथ आये चीनी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने कहा , ' यह अवसर हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और उन पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है। यह वैश्विक स्थिति और आपसी हितों के कुछ मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का भी उपयुक्त समय है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन को आपसी संबंधों में प्रगति के लिए तीन परस्पर मूल्यों - आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित - से निर्देशित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतभेद को विवाद या प्रतिस्पर्धा में नहीं बदलने देना चाहिए।

## भारत चीन संबंधों में आये सुधार से आगे बढ़ने में मदद मिली: डोभाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच पिछले वर्ष हुई बातचीत के बाद से आपसी संबंध मजबूत हुए हैं और इससे दोनों देशों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिली है। श्री डोभाल ने भारत यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मंगलवार को यहां विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की 24वें दौर की बैठक से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में श्री वांग और उनके साथ आये शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले नौ महीनों में सीमाओं पर शांति और सौहार्द के कारण संबंध और भी मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा ,'पिछले नौ महीनों में एक सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। सीमाएँ शांत रही हैं। शांति और सौहार्द कायम रहा है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मज़बूत हुए हैं। हम अपने नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने गत अक्टूबर में कज़ान में एक नई दिशा स्थापित की, और तब से हमें बहुत लाभ हुआ है। जो नया माहौल बना है, उसने हमें उन विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने में मदद की है जिन पर हम काम कर रहे हैं।'विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की इस वार्ता के सफल रहने की उम्मीद जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही चीन की यात्रा पर जायेंगे और ऐसे में यह वार्ता और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि पिछली वार्ता की तरह, यह 24वीं विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की वार्ता भी उतनी ही सफल होगी। हमारे प्रधानमंत्री जल्द ही एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन जायेंगे और इसलिए, मुझे लगता है कि ये विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की वार्ताएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं।' श्री डोभाल ने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का भी उल्लेख किया और कहा कि इस पड़ाव पर भारत और चीन के संबंधों में घनिष्ठता आयेगी। विदित हो कि भारत यात्रा पर आये श्री वांग ने सोमवार को विदेश मंत्री डॉ़ एस़ जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी।

## हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बादल फटा, 3 दुकानें और पुल क्षतिग्रस्त

**एजेंसी**

**कुल्लू ।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बादल फटा है। इस घटना में आसपास के क्षेत्र में नुकसान हुआ है। तीन दुकानें और एक बाइक मलबे की चपेट में आई है। सरवरी में एक पैदल पुल क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही है कि इस प्राकृतिक आपदा में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, मंगलवार तड़के करीब 3 बजे कुल्लू के लगघाटी इलाके में बादल फटने की घटना हुई। इससे नाले में अचानक आए उफान के चलते कणौण गांव में तीन दुकानों और एक बाइक को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, बादल फटने से कुल्लू शहर के पास बहने वाली सरवरी खड्ड में जलस्तर काफी बढ़ गया, जिससे सरवरी में एक पैदल पुल क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, फोरलेन से कुल्लू बस स्टैंड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का बड़ा हिस्सा भी तेज बहाव में बह गया।

हालांकि, पुलिस ने सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की बैरिकेडिंग कर दी गई है और लोगों को आगे जाने से रोका जा रहा है। कुछ लोग खतरा मोल लेकर अपनी गाड़ियां इन सड़कों पर चला रहे हैं, जिससे प्रशासन की चिंता और बढ़ी है। बादल फटने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए थे। स्थिति बिगड़ने के बाद ये लोग सुरक्षित स्थानों पर चले गए। एक स्थानीय महिला ने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा, यह डर का माहौल काफी दिनों से बना हुआ है। लगातार बारिश होने से पूरे प्रदेश में नुकसान हो रहा है। इसी तरह रात में कुल्लू में बादल फटा, जिससे लोग घबरा गए थे। बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। फिलहाल, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले के सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही, प्रशासन ने सरवरी क्षेत्र में नदी-नालों के किनारे झुग्गियों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है। नदी-नालों का जलस्तर ऊंचा बना हुआ है और लोगों में डर का माहौल है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, अफवाहों से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

## चीन ने भारत को रेयर अर्थ और फर्टिलाइजर से जुड़ी देश की चिंताओं का समाधान करने का दिया आश्वासन

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** चीन ने आर्थिक संबंधों में मधुरता के संकेत देते हुए भारत को उसकी प्रमुख व्यापारिक चिंताओं, खासकर रेयर अर्थ और फर्टिलाइजर के आयात से जुड़ी चिंताओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को बताया है कि बीजिंग भारत की तीन प्रमुख चिंताओं रेयर अर्थ, फर्टिलाइजर और सुरंग खोदने वाली मशीनों का समाधान कर रहा है। चीन ने अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के जवाब में रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और व्यापार युद्ध में इस वस्तु का इस्तेमाल सौदेबाजी के तौर पर कर रहा है। इसका असर उन अन्य देशों पर भी पड़ा है, जो चीनी आयात पर निर्भर हैं।रेयर अर्थ मैग्नेट का इस्तेमाल कई तरह की हाई-टेक एप्लीकेशन में किया जाता है, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक सामान और इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर बड़े पैमाने के औद्योगिक उपकरण शामिल हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग यी सोमवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा के दौरान वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की वार्ता का एक नया दौर आयोजित करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि वांग यी की भारत यात्रा दोनों देशों को पिछले साल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी सहमति को लागू करने के लिए मिलकर काम करने में मदद करेगी। अपने उद्घाटन भाषण में, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी देशों और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत-चीन संबंधों के कई पहलू और आयाम हैं। उन्होंने आगे कहा, इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचा जाए।विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, जब दुनिया के दो सबसे बड़े देश मिलते हैं तो यह स्वाभाविक है कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर चर्चा होगी। हम एक निष्पक्ष, संतुलित और मल्टी-पोलर विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें मल्टी-पोलर एशिया भी शामिल हो। सुधारित बहुपक्षवाद भी आज की जरूरत है। वर्तमान परिवेश में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना और उसे बढ़ाना भी स्पष्ट रूप से जरूरी है। आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई एक और प्रमुख प्राथमिकता है। मैं हमारे विचारों के आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूं। बैठकों में दोनों पक्ष सीमा की स्थिति, व्यापार और उड़ान सेवाओं की बहाली सहित कई प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

## छत्तीसगढ़ विस अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा(विस) के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की और उन्हें छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया। इस मुलाकात की जानकारी देते हुए डॉ रमन सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि आज दिल्ली प्रवास के दौरान संसद भवन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया। प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में हमारी विधानसभा अपने नए भवन में प्रवेश करेगी और इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों से विधानसभा का लोकार्पण हम सभी विधानसभा सदस्यों के लिए गौरव का दिवस होगा।

## जब ये किसी मुद्दे पर फंसते हैं, तो नेहरू का जिक्र करने लगते हैं : प्रमोद तिवारी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कभी यह सरकार किसी मुद्दे पर फंस जाती है, तो नेहरू का जिक्र करके बचने का प्रयास करती है। लेकिन, अब इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सरकार को अपनी नैतिक जिम्मेदारी तय करनी होगी। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में नेहरू की उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि रावी नदी पर 1929 में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' और 'पूर्ण स्वराज' का नारा दिया था और उस समय में आपका संगठन (आरएसएस) अंग्रेजों को चिट्ठी लिख रहा था। इस संगठन को राष्ट्रहित से कोई लेना देना नहीं था।

उन्होंने कहा कि मेहरबानी करके आप लोग पंडित नेहरू पर सवाल उठाना बंद कीजिए। पंडित नेहरू ने देश को बनाने में अहम भूमिका निभाई। नेहरू के दम पर ही पंचवर्षीय योजनाओं के दम पर देश के विकास को नई गति मिली। आज अगर इस देश के विकास की गति तेज हो रही है, तो निश्चित तौर पर इसका श्रेय पंडित नेहरू को ही जाना चाहिए, मगर अफसोस यह लोग लगातार अपनी राजनीतिक स्थिति को दुरुस्त करने के लिए लगातार पंडित नेहरू को निशाना बना रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि पंडित नेहरू लंबे समय तक सलाखों में रहे। उन्होंने देश को अंग्रेजों की बेड़ियों से आजादी दिलाने की दिशा में अपना सब कुछ न्योछावर करने से कोई गुरेज नहीं किया, और आज यह लोग पंडित नेहरू पर सवाल उठा रहे हैं। मैं कहता हूं कि इन लोगों को पंडित नेहरू पर सवाल उठाने का कोई नैतिक हक नहीं है, लेकिन यह लोग लगातार राजनीतिक लाभ अर्जित करने के लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं। अब हम इस तरह की स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर भी निशाना साधा और कहा कि इस संगठन से राष्ट्रभक्ति की उम्मीद किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती है। इसी संगठन ने आम हिंदुस्तानियों से अंग्रेजों की सेना में शामिल होने की अपील की थी। अब ये लोग ऐसा अपनी श्रद्धा से कर रहे थे या फिर इन्हें अंग्रेजों का डर था।

## जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने मप्र में तलाशे एआई, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास के अवसर

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के विदेशी निवेश आकर्षित करने के प्रयासों के परिणाम आना शुरू हो गए हैं। ग्लोबल स्टार्टअप एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत जर्मनी की पांच अग्रणी टेक कंपनियां मध्य प्रदेश के पांच दिवसीय दौरे (18 से 22 अगस्त तक) पर हैं। इंदौर स्थित इन्फोबीन्स कैंपस में सोमवार को एमपी-ग्लोबल इनोवेशन एवं अनुसंधान और विकास एक्सचेंज प्रोग्राम-2025 की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। पाँच दिवसीय इस आयोजन के प्रथम दिवस पर जर्मन व्यवसायिक प्रतिनिधिमंडल ने कॉर्पोरेट इंटरैक्शन की श्रृंखला में भाग लिया और मध्य प्रदेश में नवाचार तथा अनुसंधान और विकास की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया। यह कार्यक्रम एमपीआईडीसी और जर्मन-इंडिया इनोवेशन कोर (जीआईआईसी) के बीच हुए समझौते का ठोस स्वरूप है, जिसे इन्क्यूबेशन मार्क्स के सहयोग से आयोजित किया गया।

## मैदान में मार खाने के बाद, बोली में तीस मार खान बन रहे राहुल गांधी: मुख्तार अब्बास नकवी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** बिहार की मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का मामला गरमाया हुआ है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुनाव आयोग पर कथित तौर पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं और बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, राहुल गांधी को यह बात समझ में नहीं आ रही कि वे खेल के मैदान में कितनी बार हिट विकेट हुए हैं और कितनी बार रन आउट हुए हैं? लेकिन, वे अभी भी मैदान में गच्चा खाएंगे और चुनाव आयोग पर आरोप लगाकर मोहल्ले में शोर मचाएंगे। मैदान में मार खाने के बाद भी वे बोली में तीस मार खान बन रहे हैं।उन्होंने कहा, राहुल गांधी अपनी हार का जिम्मेदार खुद को नहीं मान रहे, बल्कि अंपायर को ही दोषी बनाने में लग गए हैं। वो चुनाव हारने का इतिहास बना रहे हैं। आज की तारीख में जिन मुद्दों को लेकर आप लोगों के बीच जाने की कोशिश करें, वह क्या है? वह चाहते हैं कि उनका परिवार सरकार के फ्रेम में आए, नहीं तो चुनाव हारने पर शोर मचाएंगे। वो बच्चों की तरह कर रहे हैं कि हमें खेलने दो, नहीं तो पूरा खेल बिगाड़ेंगे। नकवी ने कहा, 2014 के बाद से वो शांति से नहीं बैठ पाए हैं। ऐसा लग रहा है जैसे वो जल बिन मछली की तरह हो गए हैं कि सत्ता के बिना रह ही नहीं सकते। वो झूठ और भ्रम फैलाकर पूरे सिस्टम के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उसमें वो नाकाम नहीं होंगे। उन्होंने कहा, चुनाव प्रक्रिया में समय-समय पर जरूरतों के हिसाब से सुधार किया जाता है। पहले वोट देने का अधिकार 21 साल की उम्र में मिलता था, बाद में इसे घटाकर 18 साल कर दिया गया। बाद में ईवीएम भी बीच में आया। खुले लोकतंत्र में सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है। अगर वैध मतदाता की सुरक्षा हो रही है और अवैध मतदाताओं को निकाला जा रहा है, तो इसमें किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए? राष्ट्रीय जनतांत्रिक दल (एनडीए) की तरफ से सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर उन्होंने तारीफ की और कहा, सी.पी. राधाकृष्णन बहुत अच्छे उम्मीदवार हैं; विपक्ष को भी उनका समर्थन करना चाहिए। उनका किसी भी तरह का विवादित कार्यकाल नहीं रहा है। वे कई राज्यों के राज्यपाल भी रहे हैं।

## हरियाणा सरकार का कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला, हड़ताल की अवधि को माना अर्जित अवकाश

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने साल 2023 में हड़ताल पर गए लिपिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अब इस हड़ताल अवधि को उपार्जित अवकाश (लीव ऑफ दी काइंड ड्यू) माना जाएगा। साथ ही, हड़ताल अवधि का न तो वेतन काटा जाएगा और न ही इस अवधि को सेवा में बाधा (ब्रेक इन सर्विस) के रूप में नहीं माना जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी है, द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि हड़ताल पर जाने से पूर्व अर्जित अथवा संचित 'अर्जित अवकाश' को सर्वप्रथम समायोजित किया जाएगा, इसके पश्चात 'हाफ पे लीव' जाएगा।

अर्जित अवकाश और 'हाफ पे लीव' की कटौती के बाद भी यदि हड़ताल अवधि शेष रहती है तो अग्रिम अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाएगा, जिसे संबंधित लिपिकों के भविष्य में अर्जित होने वाले अवकाश खाते से समायोजित किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि यह छूट केवल एक बार की विशेष व्यवस्था के तौर दी जा रही है और इसे भविष्य में मिसाल के तौर पर नहीं लिया जाएगा।

ये निर्देश केवल कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों, खास तौर पर लिपिकों पर लागू होंगे, जिन्होंने उस विशेष हड़ताल में भाग लिया था। ये निर्देश अन्य किसी भी मामले में लागू नहीं होंगे। तदनुसार, विभागों में कार्यरत एसएएस कैडर से सत्यापन के उपरांत वेतन जारी किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में सभी प्रशासकीय सचिवों, विभागाध्यक्षों, सभी मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, उप-मंडल अधिकारियों (नागरिक) और खजाना अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

# सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित, शुभमन होंगे उपकप्तान

## रिंकू, सैमसन और हार्दिक टीम में शामिल, यशस्वी व श्रेयस को नहीं मिली जगह

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति ने इस टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाये रखा हैं। वहीं शुभमन गिल की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है जबकि श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में फिनिशर के तौर पर रिंकू सिंह को अवसर मिला है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को टीम में जगह मिली है।

यूएई के हालातों को देखते हुए स्पिनर खासे सफल रहते हैं। ऐसे स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अलावा कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया है। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी जबकि अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा उनका साथ देंगे। 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया गया है। सैमसन के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को टीम में जगह दी गयी है।

एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। जिसमें कुल 8 टीमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ओमान शामिल होगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से होगा। जिसके बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से खेलेगी जबकि 19 सितंबर को ओमान से मुकाबला होगा।

### एशिया कप के लिए भारत का स्क्वॉड

सूर्य कुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

# कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

**सिनसिनाटी (एजेंसी)।** सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया।

विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही।

अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी।

सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते।

मैच के बाद सिनर ने कहा, 'मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं।'

विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, 'मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो। यही असली चैंपियन करते हैं।'

# हमें अगली सीरीज के लिए बुमराह के बारे में सोचने की जरूरत नहीं, पूर्व फिजियो का बड़ा बयान

**स्पोर्ट्स डेस्क।** भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर बहस थमने का नाम नही ले रही है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में दो टेस्ट मैच में उनकी अनुपस्थिति की आलोचना की गई। कई लोगो ने बुमराह को अपने शरीर की बात सुनकर आराम देने के लिए सराहना की, वही कुछ ने अतिरिक्त प्रयास न करने के लिए उनकी आलोचना की।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए टीम इंडिया के पूर्व फिजियो जॉन ग्लोस्टर का मानना है कि बुमराह एक एथलीट की तरह जानते है कि उन्हें क्या करना है। ग्लोस्टर ने कहा, 'देखिए, मुझे पता है कि यह इस समय बहुत विवादास्पद विषय है और मैं ज्यादातर विवादास्पद विषयो पर खुशी खुशी बात करूंगा। मुझे लगता है कि आखिरकार एथलीट खुद को किसी से भी बेहतर जानता है।'

ग्लोस्टर ने आगे कहा, 'आजकल ज्यादातर एथलीट जिनके पास अच्छी स्पोर्ट्स टीमे है वे उन्ही लोगो से सलाह ले रहे है। लेकिन सहज रूप से ज्यादातर एथलीट जानते है कि क्या सही है और क्या गलत। और वह एक परिपक्व एथलीट है। वह एक चतुर व्यक्ति है जो अच्छी तरह जानते है कि वह क्या कर रहे है।'

ग्लोस्टर ने कहा कि वह नही चाहते कि बुमराह हर सीरीज खेले। उनका मानना है कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ की चोट के बाद 31 वर्षीय बुमराह ने शानदार वापसी की है। इस पर ग्लोस्टर ने कहा, 'और मुझे लगता है कि दस में से नौ बार परिपक्व एथलीट जिन्हें अच्छा समर्थन मिलता है, वे सही फैसले लेते है। और हमें अगली सीरीज या उसके बाद की सीरीज के लिए बुमराह के बारे में नही सोचना है। हमें अगले दो से तीन सालो तक बुमराह के बारे में सोचना होगा।'

'वह जानते है कि उनका करियर, उनके करियर की लंबाई, उनका खेल जीवन, सही सलाह और परामर्श से ही तय होगा। यह ऐसा ही होगा। और वह जानते है कि ऐसे हालात भी आएंगे जब उनको अपने लिए फैसले लेने होंगे ताकि उनका करियर सबसे अच्छा और लंबा हो।'

# हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

**मुम्बई (एजेंसी)।** मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एकदिवसीय विश्वकप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है।नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति ने महिला विश्व कप के लिए टीम चयन किया। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर टीम को दी गयी है जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तानी संभालेंगी। टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंहकी वापसी हुई है जबकि शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही श्री चरणी को टीम में जगह मिली है।

विश्वकप कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है।

### विश्वकप के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

### ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा।

# शायद ही कभी भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे धोनी : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी शायद ही कभी कोच बने। चोपड़ा के अनुसार उन्हें नहीं लगता कि धोनी को कोचिंग में रुचि है। आकाश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि धोनी अभी कोचिंग देना चाहेंगे क्योंकि कोचिंग एक फुल टाइम नौकरी है जिसमें आप फिर से वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं जैसे आप अपने क्रिकेट करियर में थे। कई बार तो जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। वहीं आकाश ने यह भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी कोचिंग से क्यों दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर अपना पूरा जीवन सफर में, होटल में और मैदान पर ही बिता देता है। ऐसे में संन्यास के बाद वे थोड़ा स्थिर जीवन जीना चाहते हैं। खिलाड़ी सोचते हैं कि जब पूरी जिंदगी सूटकेस के साथ बिताई है तो अब क्यों दोबारा उसी जिंदगी में लौटें। इसी कारण अधिकतर खिलाड़ी केवल जैसी सीमित अवधि की लीग में ही कोचिंग करना पसंद करते हैं जहां काम कुछ महीनों का होता है। जबकि भारतीय टीम का कोच बनने पर पूरे साल भर लगभग 10 महीने टीम के साथ यात्रा करनी होती है, जिससें पूरा समय निकल जाता है। ऐसे में अब धोनी फिर से कोचिंग जैसे व्यस्त कार्यक्रम को अपनाना नहीं चाहेंगे। वे अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ हैं और आने वाले समय में आईपीएल से भी संन्यास ले सकते हैं। धोनी अब एक अलग जीवन जी रहे हैं जिसमें खेती, बिजनेस और परिवार के साथ समय बिताना शामिल है। ऐसे में भारतीय टीम के कोच की जिम्मेदारी उठाना शायद उनकी प्राथमिकताओं नहीं होगा। धोनी हालांकि 2021 के टी20 विश्वकप में क्रिकेट बोर्ड के अनुरोध पर भारतीय टीम के मेंटॉर बने थे।

# एशियन शूटिंग चैंपियनशिप : कपिल बैंसला ने लहराया तिरंगा, भारत को दिलाया गोल्ड

श्यामकेंट (कजाकिस्तान)। कजाकिस्तान के श्यामकेंट में जारी 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में कपिल बैंसला ने भारत का परचम लहराया है। हरियाणा के इस शूटर ने सोमवार को भारत के लिए पहला गोल्ड जीता। कपिल बैंसला ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेंस जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, 0.6 अंक से पिछड़ने के बाद उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव दूसरे पायदान पर रहे। कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने 220.7 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उज्बेकिस्तान के इल्खोम्बेक ने फाइनल में सबसे तेज शुरुआत की। कपिल उनका पीछा करते नजर आए। 15वें शॉट के बाद पहली बार कपिल ने इल्खोम्बेक को पीछाड़ा, लेकिन 20वें शॉट के बाद इल्खोम्बेक ने फिर बढ़त बना ली। आखिरी दो शॉट्स से पहले वह कपिल से एक अंक आगे थे। इसके बाद कपिल ने 10.8 और 10.6 का शानदार स्कोर किया, जबकि इल्खोम्बेक 23वें शॉट पर 10.4 और आखिरी शॉट पर 9.4 अंक हासिल कर सके। इल्खोम्बेक की इसी गलती का फायदा उठाते हुए कपिल ने खिताब अपने नाम कर लिया। इस फाइनल में तीन भारतीय शूटर पहुंचे थे। कपिल ने क्वालिफिकेशन में 579 प्वाइंट्स के साथ चौथा स्थान हासिल किया था, जबकि जोनाथन 582 प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा मुकेश नेलावली तीसरे पायदान पर थे। क्वालिफिकेशन में कोरियन खिलाड़ी किम डूयोन ने 582 प्वाइंट्स हासिल करते शीर्ष स्थान हासिल किया था।

# ब्रेट ली ने जडेजा की जमकर प्रशंसा की, सबसे फिट क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा की है। ऑस्ट्रेलिाई ऑलराउंडर ने जडेजा को विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक बताया है। ली ने जडेजा के बारे में कहा, 'उन्होंने भारत की ओर से पहले ही 85 टेस्ट मैच खेले हैं, और मुझे भरोसा है कि वह 100 के आंकड़े को पार करेंगे। मेरा मानना है जो कोई भी अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलता है, वह मेरी राय में महान खिलाड़ी है। जडेजा भी अपनी अच्छी बल्लेबाजी, गेंदआजी और फिल्डिंग के कारण एक पूर्ण सुपरस्टार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 100 के आंकड़े को पार कर जाएंगे।' ब्रेट ली ने आगे कहा, 'उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटर के लिए जरुरी सभी चीजें हैं। उनकी तकनीक सरल है। वह दौड़ते हैं और सटीक गेंदबाजी करते हैं. जब जरूरत होती है, वह सही लाइन और लंबाई में गेंदबाजी करते हैं। वह जल्दी से अपने ओवर पूरे करते हैं। वह 36 साल की उम्र में भी सबसे फिट हैं।' इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी में भले ही अच्छी गेंदबाजी न की हो पर उन्होंनें जबरदस्त बल्लेबाजी से टीम की सहायता की। इस क्रिकेटर ने पांच मैचों की सीरीज में 516 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। वह भारतीय टीम के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में भारतीय टीम के लिए कई शानदार पारियां खेली हैं। मैनचेस्टर टेस्ट में उनकी नाबाद पारी के कारण ही भारतीय टीम हार से बची थी।

# साउथ अफ्रीका की पहले वनडे में धामकेदार जीत, ऑस्ट्रेलिया को 98 रनों से मिली

**केर्न्स (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को लगभग जीता हुआ मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाने 297 के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए, सिर्फ 7 ओवर में ही 60 रन ठोक दिए थे। लेकिन इसके बाद 29 न के भीतर ही ऑस्ट्रेलिया ने एक के बाद एक 6 विकेट गंवा दिए और वो 98रनों से मैच हार गई।

बता दें कि, तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे खेला गया। वहीं टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी की। इस दौरान साउथ अफ्रीका के ओपनर एडन मार्करम और रायन रिकल्टन ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

मार्करम और रिकल्टन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। रिकल्टन इसके बाद 33 रन बनाकर आउट हुए। मार्करम ने शानदार अर्धशतक जड़ा। मार्करम ने 9 चौकों की मदद से 81 गेंदो में 82 रन बनाए। इसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा और मैथ्यू ब्रीत्जके ने भी अर्धशतक जड़ा।

ब्रीत्जके ने 56 गेंदों ने 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। वहीं कप्तान बावुमा ने 5 चौकों की मदद से 74 गेंदों में 65 रन बनाए। जिसकी बदौलत साउथ अफ्रीका ने 50 ओवरो में 8 विकेट खोकर 296 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट लिए।

297 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श ने 60 रन जोड़े। जिसके बाद लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया ये मैच आसान से जीत सकती है। क्योंकि उसके पास मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिश और एलेक्स कैरी जैसे खतरनाक बल्लेबाज बचे हुए थे।

लेकिन साउथ अफ्रीका के लेफ्ट ऑर्म स्पिनर केशव महाराज ने मैच का रुख ही पलट दिया। पहला विकेट हेड का 60 के स्कोर पर गिरा। हेड को प्रेनेलन सुब्रायन ने आउट किया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोए। सभी विकेट केशव महाराज ने लिए। महाराज ने लाबुशेन, ग्रीन, इंग्लिश, कैरी और आरोन हार्डी का विकेट चटकाकर पंजा खोला। एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी विकेट के 60 रन था। वो अब 6 विकेट पर 89 रन हो गया। इसके बाद ही ऑस्ट्रेलिया ने मैच गंवा दिया। वो 198 रन ही ऑलआउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ये मैच 98 रनों से हार गया।

# रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

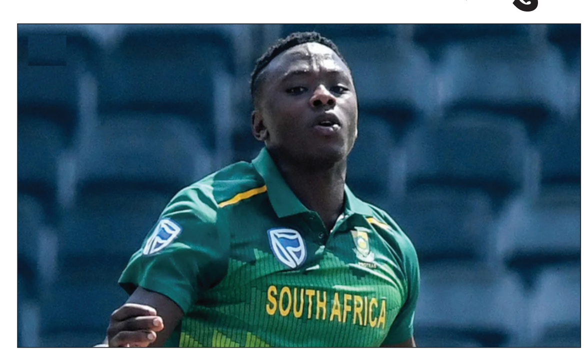


केर्न्स । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। रबाडा जैसे गेंदबाज का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा के दाहिने टखने में सूजन है और स्कैन जांच में उनकी चोट गंभीर होना पाया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, अब रबाडा ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में चोट से उबरकर फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे। रबाडा के बाहर होने के बाद उनकी जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में शामिल किय गया है। मफाका ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। वह पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं रहेंगे। मफाका ने अब तक 2 एकदिवसीय मैचों में 5 विकेट लिए हैं। वहीं रबाडा के बाहर होन से मेहमान अफ्रीकी टीम को नुकसान होगा क्योंकि रबाडा एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी अपनी टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका थी। 106 एकदिवसीय में इस गेंदबाज ने अबतक 168 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में 1–2 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में अब उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर लय हासिल करना रहेगा।

# ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य विश्व कप जीतना रहेगा : हीली

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि उनकी टीम का लक्ष्य रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतना रहेगा। हीली हालांकि जानती हैं कि ये आसान नहीं होगा क्योंकि उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में अलग हालातों के साथ ही स्पिनरों से भी जूझना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है। वहीं हीली का कहना है कि उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने खिताब को बरकारार रखना चाहेगी। हीली ने हाल ही में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के अंतिम मैच में नाबाद 137 रन की आक्रामक पारी खेली भी जिससे भी उनका मनोबल विश्वकप के लिए बढ़ा हुआ है। वह हालांकि ऑस्ट्रेलिया ए को जीत नहीं दिला पायी पर जिस प्रकार से हीली ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये उससे उनके हौंसले बुलंद हैं। हीली ने सीरीज के दूसरे मैच में भी अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंनें अनुभवी स्पिनरों का काफी आत्मविश्वास के साथ सामना किया था। हीली ने कहा, ''भारत ए की इस की टीम में काफी स्पिनर हैं। हमें इस सीरीज का लाभ विश्व कप में मिलेगा क्योंकि तब भी वहां काफी स्पिनर रहेंगे।''

# एशिया कप 2025: क्रिकेट फैंस हुए हैरान, बाहर हुए 3 बड़े धुरंधर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन 15 खिलाड़ियों के नामों का खुलासा किया, जो यूएई में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। लेकिन इस टीम में कुछ बड़े नामों की गैरमौजूदगी ने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया है। खासतौर पर श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और मोहम्मद सिराज को टीम में जगह नहीं मिली।

### श्रेयस अय्यर का बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रेयस अय्यर का नाम लेकर कहा कि उनका टीम में न चुना जाना न उनकी गलती है, न सेलेक्टर्स की। उन्होंने साफ किया कि श्रेयस की टीम में जगह न बनने के पीछे कोई विवाद या असमंजस नहीं है। हालांकि, यह निर्णय फैंस के लिए एक बड़ा आश्चर्य रहा क्योंकि अय्यर का आईपीएल और चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन अच्छा रहा था। अंतरराष्ट्रीय टी20 में श्रेयस ने 51 मैचों में 1104 रन बनाए हैं, जिनमें 8 अर्धशतक शामिल हैं।

### यशस्वी जायसवाल भी स्क्वॉड से बाहर

टीम में शामिल न होने वाले दूसरे बड़े नाम यशस्वी जायसवाल का है। विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर पहचाने जाने वाले जायसवाल ने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 164.31 की स्ट्राइक रेट से 723 रन बनाए हैं। बावजूद इसके सिलेक्टर्स ने उन्हें इस बार टीम में जगह नहीं दी।

### मोहम्मद सिराज का भी चयन नहीं

इंग्लैंड दौरे पर अपनी घातक गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले मोहम्मद सिराज को भी एशिया कप टीम में शामिल नहीं किया गया है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन इस बार टी20 टीम में उन्हें मौका नहीं मिला। सिराज के चयन से वंचित रहने पर सोशल मीडिया पर फैंस ने सवाल उठाए हैं। सिराज ने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में 16 मैचों में 14 विकेट हासिल किए हैं।

### एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह

# स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

सिनसिनाटी (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पोलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने सोमवार को जैस्मीन पाओलिनी को 7–5, 6–4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। इस खिताबी जीत से अमेरिकी ओपन से पहले स्वियाटेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को एक शक्तिशाली संदेश भेजा है। छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक ने खिताब तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सभी छह ब्रेक पॉइंट्स को भुनाकर अपना 11वां डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता और पिछले साल के इटैलियन ओपन के बाद यह उनका पहला ख़िताब था। वह अब डब्ल्यूटीए 1000 फ़ॉर्मेट के इतिहास में दूसरी सर्वकालिक विजेता हैं। वह केवल सेरेना विलियम्स (23) से पीछे हैं। खिताबी जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, मैं अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसे टूर्नामेंट क्यों जीते, जो पिछले टूर्नामेंटों जैसे थे, जहां मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगी। मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनने और इन तेज सतहों पर खेलना सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। मैं हैरान और बेहद खुश हूं। मैच में पाओलिनी ने शानदार शुरुआत की और 3–0 की बढ़त बना ली।

# तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

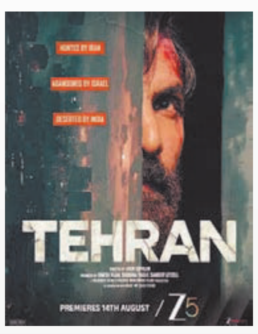


अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है। मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

# बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया

**मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिखी हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के मैनली मसल्स हैं। इस पर बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। मृणाल ठाकुर इस पर सफाई देकर माफी मांग चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।**

उर्फी ने लिखा, हम सभी ने ऐसी बातें कही हैं मृणाल ठाकुर ने इस वायरल वीडियो में जो कुछ कहा, उसने तूल पकड़ लिया है। बिपाशा के फैंस मृणाल को ट्रोल कर रहे हैं। उनकी समझ पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद ने मृणाल ठाकुर का बचाव किया है। उर्फी ने आज शुक्रवार को मृणाल का वह पुराना वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है और इसके साथ लिखा है, हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं।

विचारधाराओं में बदलाव होता है उर्फी ने लिखा है, जब हम युवा होते हैं तो हमें कुछ भी बेहतर नहीं पता होता, हम हर दिन सीखते और बढ़ते हैं। हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं, जिनसे अब हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि हम विकसित होते हैं, बदलते हैं, हमारे नैतिक मूल्य भी बदलते हैं। विचारधाराओं में भी बदलाव होता है। मैंने पिछले इंटरव्यू में भी कुछ ऐसी बातें कही हैं, जो मुझे पसंद नहीं हैं।

## मृणाल ने मांगी थी माफी

बता दें कि मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस टिप्पणी पर सफाई दी थी कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है। मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं।

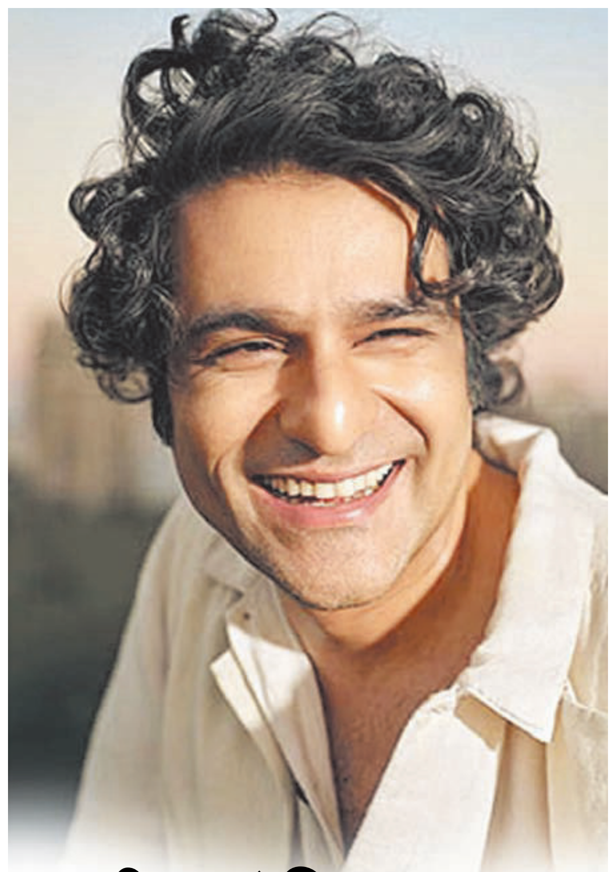

# कई बायोपिक करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

पॉपुलर वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का संदीप भैया का किरदार आज भी ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता सनी हिंदुजा अब एक नए रोल में नजर आएंगे। वो वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के किरदार में दिखेंगे।

### एक्टर हमेशा भूखा रहता है...

बातचीत में सनी हिंदुजा ने कहा, एक्टर होता है तो भूखा होता है, मतलब हमेशा अच्छे रोल्स का इंतजार करता रहता है। मैं भी उसी कड़ी में हूं। अच्छे राइटर्स, अच्छे मेकर्स और अच्छे प्लेटफॉर्म्स के लिए इंतजार करना पड़ता है।

### लोगों का प्यार गहरा होता है, भले नाम न जानें

एक्टर ने आगे कहा कि ट्रोलर्स के जो चुटकुले बनते हैं, उन्हें देखकर लगता है कि लोगों की मोहब्बत कितनी गहरी है। भले वे मेरा नाम भी सही से न जानते हों। कोई मुझे संदीप भैया बुलाता है, कोई 'सनी' ही समझ लेता है। अब कुछ लोग मुझे पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट समझ बैठे हैं, मजाक अलग है लेकिन ये भी एक तरह का प्यार ही है।

### बायोपिक्स करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

अभिनेता ने आगे कहा कि हां, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मैं संतुष्ट हूं। मैं चाहता हूं कि मैं बायोपिक्स करूं, अलग-अलग किरदार निभाऊं, खुद को एक्सप्लोर करूं। लेकिन जो भी रोल मिले, उसमें पूरी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। छोटे या बड़े रोल से फर्क नहीं पड़ता, जो दिल से निभाए वही कामयाब होता है।

### हर किरदार में देना चाहिए सर्वश्रेष्ठ

सनी ने यह भी बताया कि एक्टिंग में सही स्क्रिप्ट, टीम और रोल मिलना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब आपको अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है और रोल में जान डालने का मौका मिलता है, तो आपको वह काम पूरे दिल से करना होता है। चाहे वह आईएएस बनने की कोशिश कर रहा संदीप भैया हो या एक जासूस जैसा पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट, हर किरदार में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

### लोगों से मिले प्यार को खास मानते हैं सनी

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें वह रोल नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे और क्या वे अभी भी उस खास मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस पर सनी ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई ये है कि मैं आज जिस पोजीशन पर हूं, वह बहुत खास है। इतना प्यार मिलता है कि मेरा पैशन और प्रोफेशन दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। अगर ये मुझे नहीं मिला होता, तो मैं बस एक्टिंग करता रहता, लेकिन इतनी जल्दी प्यार और पहचान मिलना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है।

# कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

# मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आईं मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

### मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

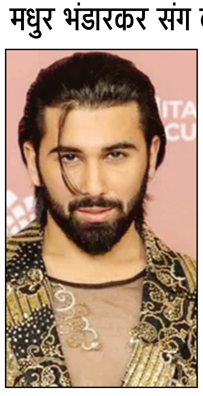

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

### मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आईं। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

# प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

**अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं।**

**एजेंट के रोल की तैयारी करने में आपको सबसे ज्यादा क्या खास लगा?**

सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

**शूटिंग के दौरान कोई ऐसी बात जो आपको चौंकाने वाली लगी हो?**

हां, बहुत कुछ। जैसे डॉक्टर भाबा के प्लेन क्रैश की घटना, जो सच है। लेकिन इसके आस-पास कितनी जिंदगियों पर असर पड़ा होगा, ये सोचकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। इन एजेंट्स के अंदर जो भावनात्मक उलझन होती है, इतनी सारी जानकारी लेकर कैसे जिया जाता है? ये समझना बहुत ही दिलचस्प था। ये लोग हमारे आसपास होते हैं, सामान्य लगते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती है। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं आता, न उन्हें कोई मेडल मिलता है। ये चुपचाप अपना काम करते हैं, इतने प्रेशर के बीच। ये मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।

**फिजिकल-मेंटल प्रिपरेशन कैसी रही?**

इसमें फाइट सीन नहीं थे, क्योंकि एजेंट का काम ही ये है कि फाइट तक ना पहुंचे। मिशन फेल हो चुका होता अगर फाइट करनी पड़ी। इसलिए हमें ज्यादा साइकोलॉजिकल और मेंटल ट्रेनिंग मिली। रिएक्टिव ना होकर रिस्पॉन्सिव रहना, डायलॉग के बीच का गैप, जहां अंदर प्रोसेसिंग होती है, उसे समझना। 70 के दशक के लोगों के चलने-फिरने और बोलने के अंदाज को समझना भी बहुत जरूरी था।

**आपको एजेंट की मानसिक स्थिति को समझने में क्या सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा?**

ये लोग अपनी सफलता का जश्न कभी नहीं मना पाते। न उन्हें मेडल मिलते हैं, न नाम अखबार में आता है। ये लोग बहुत प्रेशर के बीच चुपचाप अपना काम करते हैं। इस बात को एक्सप्लोर करना मेरे लिए कमाल का अनुभव था।

**'स्कैम 1992' के बाद क्या आपको लगा कि हमेशा एक जैसे रोल मिल रहे हैं?**

नहीं, ऐसा कभी नहीं लगा। हर बार नया किरदार मिला है। लोग मुझे अलग-अलग किरदारों के लिए सोचते हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने किरदारों में कुछ नया लेकर आता हूं। स्टीरियोटाइप से बचना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं, इस चीज से खुद को दूर रखूं।

**क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अच्छी फिल्में ज्यादा लोगों तक पहुंचें?**

बिलकुल। इंडस्ट्री में काफी इनोवेशन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी तो है, बस उस ऑडियंस तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा। इंडस्ट्री धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ रही है, लेकिन और सुधार की जरूरत है।

### आप अगले प्रोजेक्ट में महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं और आपकी सीरीज टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गई है?

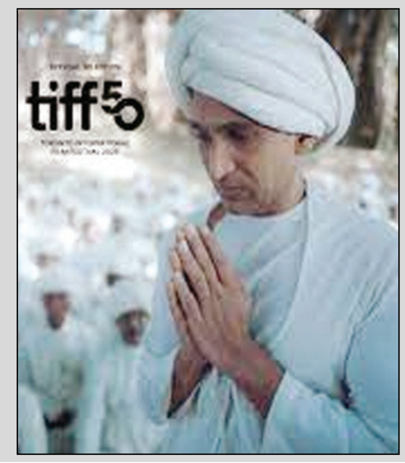


यह मेरे लिए एक बहुत खास मौका है। महात्मा गांधी जैसा बड़ा किरदार निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसे निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि गांधीजी की जिंदगी में कई पहलू हैं जो समझने जरूरी हैं। इस रोल को निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। साथ ही, सीरीज गांधी का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होना इस सफर की बड़ी सफलता है, जिससे मैं बहुत खुश हूं।

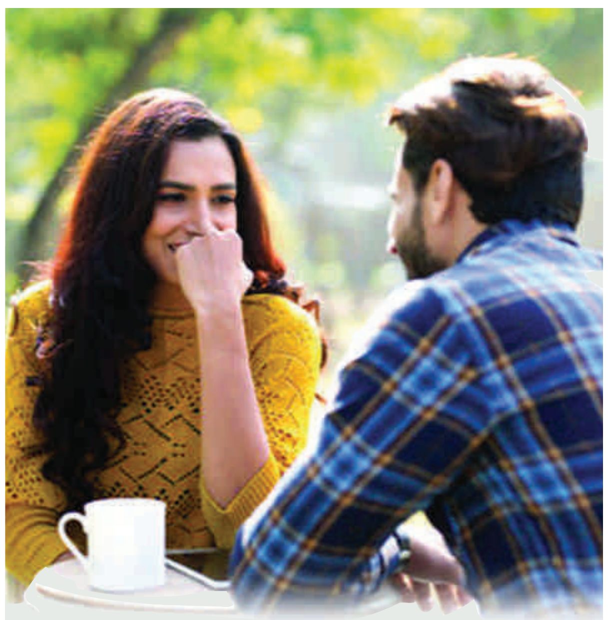

# शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

## विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

## फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

## तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

# हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

**हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।**

## हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

## हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

## हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

# हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

## अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

## साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

## बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

## सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की

**घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।**

वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

## कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

# डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

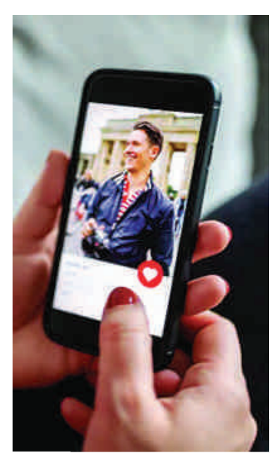

**ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।**

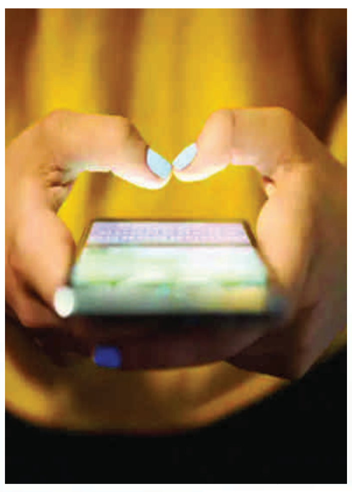

## टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

## टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

## टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

## टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

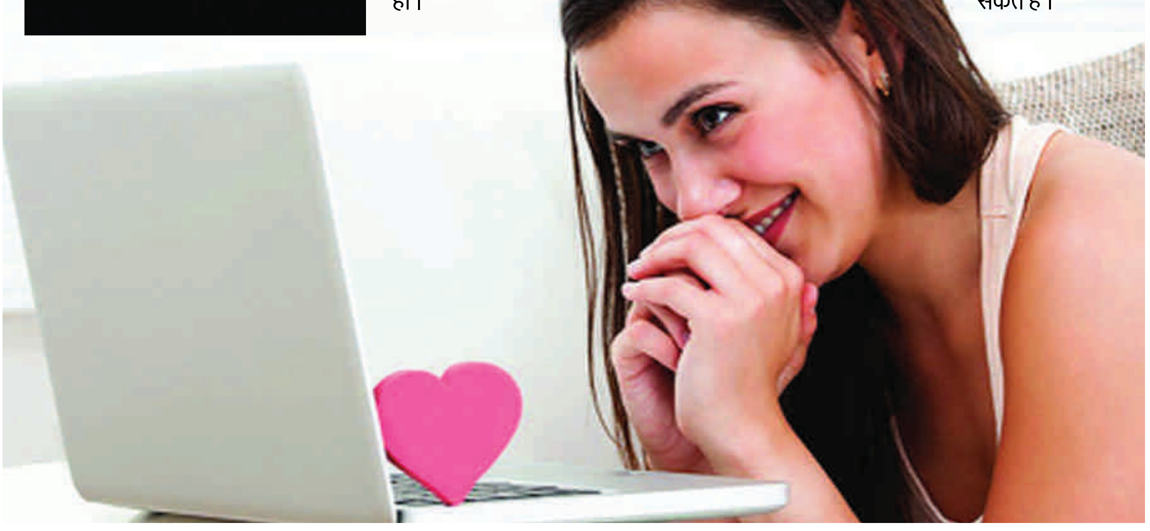

# कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है ? ऐसे जानें

**सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।**

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

## लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

## मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।( मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

## आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

## वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

## ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।